किसी भी मुद्दे का समाधान प्रदर्शन.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सोनम बाजवा के साथ बनेगी... 11

वर्ष - 02, अंक - 109 | गाजियाबाद / बुधवार 22 जुलाई 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

अन्ना हजारे प्रदर्शन में छात्रों पर लाठीचार्ज से नाराज

● सरकार से कहा-सभी मुद्दे सहमति से सुलझाए जा सकते हैं

मुंबई (एजेंसी)। नीट पेपर लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर राजधानी दिल्ली में सोमवार को कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी झड़प हो गई। संसद के मानसून सत्र के पहले दिन जंतर-मंतर से संसद तक निकाले गए मार्च को रोकने के लिए पुलिस ने बैरिकेडिंग की। जब प्रदर्शनकारी आगे बढ़ने लगे तो पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे और लाठीचार्ज कर भीड़ को तितर-बितर किया। इस घटना के बाद देशभर की कई विपक्षी पार्टियों ने सरकार की आलोचना की।

सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन पर प्रक्रिया दी है। अन्ना हजार ने छात्रों पर किए गए लाठीचार्ज पर नाराजगी जताते हुए बड़ी बात कही है। छात्रों पर हुए लाठीचार्ज पर प्रतिक्रिया देते हुए अन्ना हजारे ने कहा कि उन्हें यह जानकारी नहीं है कि पुलिस ने किन परिस्थितियों में लाठीचार्ज किया। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि लोकतंत्र में सभी विवाद और मतभेद बातचीत तथा आपसी सहमति के जरिए सुलझाए जा सकते हैं। हजारे ने किसी भी पक्ष पर सीधे टिप्पणी करने से बचते हुए संवाद को ही सबसे बेहतर रास्ता बताया। बता दें कि वांगचुक को जंतर-मंतर से हटाए जाने के बाद आंदोलन को लेकर असमंजस है।

नेपाल में 1 रुपए के सिक्के से हटाया विवादित नक्शा

● बालेन शाह ने लिया फैसला बचा बवाल, देश में घिरे

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल की बालेन शाह सरकार के नेपाल के नए डिजाइन वाले 1 रुपए के सिक्के से विवादित नक्शे को हटाने पर बवाल मच गया है। नेपाल की पूर्ववर्ती केपी ओली सरकार ने चीन के इशारे पर यह विवादित नक्शा जारी किया था जिसमें भारत के लिंपियाधुरा, कालापानी और लिपुलेख को नेपाली इलाका दिखाया गया था। इस नक्शे को लेकर भारत ने कड़ा विरोध दर्ज कराया

था। अब बालेन शाह सरकार ने नेपाल के 1 रुपये के सिक्के पर से विवादित नक्शे की जगह पर एक बौद्ध मठ की तस्वीर को छापा है। इसे जहां भारत की बड़ी जीत की तरह से देखा जा रहा है, वहीं इसको लेकर नेपाल में विवाद शुरू हो गया है। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के नेता भीम रावल ने बालेन सरकार के नए राजनीतिक नक्शे को हटाने के फैसले की कड़ी निंदा की है। रावल ने कहा कि यह नेपाल की क्षेत्रीय संप्रभुता को बहुत बड़ा झटका है। उन्होंने मांग की बालेन सरकार फैसला बदले।

लौट आया मानसून, झूमकर बरसे बदरा

● जम्मू-कश्मीर में बाढ़ से बुरे हाल, दो दिन में 23 की मौत ● गुवाहाटी में लैंडस्लाइड, असम में 1.7 लाख लोग प्रभावित

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही बारिश से हालात गंभीर बने हुए हैं। पिछले दो दिनों में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 23 हो गई है। पुंछ और राजौरी के बाढ़ प्रभावित इलाकों में सात लोग अब भी लापता हैं। लगातार बारिश के कारण राहत और बचाव अभियान प्रभावित हुआ। सोमवार को भारी बारिश के बाद असम के गुवाहाटी में लैंडस्लाइड हुई। इसके बाद नेशनल हाईवे-715 का एक हिस्सा पानी में डूब गया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि राज्य के 12 जिलों में 1.70 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं। एमपी के लगभग 90 फीसदी हिस्से में अगले 4 दिन यानी 23 जुलाई तक हल्की बारिश का दौर बना रहेगा। राजस्थान में दो हफ्ते बाद मानसून एक बार फिर एक्टिव हुआ है।

● **हिमाचल में बादल फटने से तबाही, बह गए 6 घर-** हिमाचल प्रदेश में जिला कांगड़ा के शाहपुर क्षेत्र में भारी बारिश ने तबाही मचाई है। शाहपुर की बोह घाटी के स्पैडा और गढ़गून गांव में बादल फटने से आई बाढ़ में छह मकान बह गए हैं। प्रशासन की टीम ने सूचना मिलते ही प्रभावित क्षेत्र का रुख कर लिया। बताया जा रहा है लोगों ने भागकर जान बचाई। पहाड़ी पर धमाका होने के बाद अचानक बाढ़ और मलबा आ गया, जो छह मकानों को अपने साथ बहाकर ले गया। एसडीआरएफ के पहुंचने के बाद राहत एवं बचाव कार्य शुरू होगा। कई घरों का नामोनिशान नहीं बचा है। बाढ़ के बाद आसपास के लोग सहमे हुए हैं। पहाड़ी से सटे क्षेत्र में जिनके घर हैं, वह मकान छोड़कर बाहर आ गए हैं। लोग घरों में जाने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं।

पेपर लीक मुद्दे पर स्पीकर से मिले राहुल गांधी

● कहा-लोकसभा में चर्चा हो, भारी हंगामे से नहीं हो सकी चर्चा ● खड़गे बोले-सदन में बोलने नहीं दिया जा रहा, चिट्ठी लिखी

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही बुधवार तक स्थगित कर दी गई। इसके पहले मंगलवार सुबह 11 बजे जैसे ही दोनों सदनों में कार्यवाही शुरू हुई विपक्ष ने नीट पेपर लीक पर चर्चा की मांग की, प्लेकार्ड दिखाए और नारेबाजी की। भारी हंगामे के चलते दोनों सदनों की कार्यवाही पहले 12 बजे तक और इसके बाद दोपहर 2 बजे तक स्थगित की गई थी। सदन के बाहर आकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि हमें संसद में बोलने नहीं दिया जा रहा है, लोकतंत्र में ऐसा करना गलत है। वहीं, नेता विपक्ष राहुल गांधी ने भी लोकसभा स्पीकर से मुलाकात की। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल और सैयद नासिर हुसैन ने राज्यसभा में नियम 267 के तहत काम रोकने का नोटिस दिया है। उन्होंने नीट यूजी 2026 पेपर लीक मामले पर तुरंत चर्चा कराने की मांग की है।

● संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित

विभिन्न मुद्दों पर विपक्ष के लगातार विरोध के बाद लोकसभा बुधवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। वहीं राज्यसभा की कार्यवाही बुधवार सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दी गई। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, हमने संसद में अन्याय, उत्पीड़न और बनाए जा रहे दबाव के मुद्दे को उठाने का समय मांगा था। लेकिन जैसे ही मैंने बोलना शुरू किया, मेरा माइक बंद कर दिया गया। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने राज्यसभा में एम्स भुवनेश्वर के लिए एक नए सदस्य के चुनाव का प्रस्ताव रखा। उन्होंने बताया कि एम्स अधिनियम के तहत यह चुनाव कराया जा रहा है। 2 अप्रैल 2026 को ममता मोहंता का राज्यसभा कार्यकाल खत्म होने से यह सीट खाली हुई थी, जिसे भरने के लिए सदन के एक सांसद को चुना जाएगा।

छह एमपी के शिवसेना में विलय की मंजूरी का विरोध

● सुप्रीम कोर्ट पहुंची उद्धव सेना बेंच ने कहा-वादा नहीं कर सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के 6 सांसदों की एकनाथ शिंदे की शिवसेना में विलय के लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के फैसले को चुनौती देने के लिए पार्टी मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई। पार्टी ने सुप्रीम

कोर्ट से गुहार लगाई कि इस मामले पर तत्काल सुनवाई की अनुमति दी जाए। हालांकि, सीजेआई की अगुवाई वाली बेंच ने ऐसा कोई आश्वासन नहीं दिया। रिपोर्ट के मुताबिक शिवसेना (यूबीटी) की ओर से सीनियर एडवोकेट देवदत्त कामत ने इस मामले को भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत के सामने तत्काल सुनवाई के लिए पेश किया।

छह देश भारत से खरीद सकते हैं अस्त्र मिसाइल

● 'मेड इन इंडिया' का बजा डंका! 2026 में बढ़ा रक्षा निर्यात

सऊदी अरब, इंडोनेशिया और आर्मेनिया से बातचीत है जारी

रियाद/येरेवान/नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध में अपनी क्षमता साबित कर चुकी भारत की 'अस्त्र' एयर-टू-एयर मिसाइल में आर्मेनिया और सऊदी अरब समेत 6 देशों ने दिलचस्पी दिखाई है। यह मिसाइल पहले से ही एसयू-30 एमकेआई फाइटर जेट्स के साथ इंटीग्रेटेड है और इसके निर्यात को लेकर बातचीत की जा रही है। इस मिसाइल को बेचने की बात उस वक्त हो रही है जब वित्त वर्ष 2026 में भारत का रक्षा निर्यात बढ़कर 38,424 करोड़ रुपया हो गया है। इस महीने की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जकार्ता यात्रा के दौरान भारत और इंडोनेशिया के बीच 'अस्त्र' बियॉन्ड-विजुअल-रेंज एयर-टू-एयर मिसाइलों के लिए सैद्धांतिक सहमति बनी थी। इस समझौते ने इस स्वदेशी हथियार प्रणाली में वैश्विक दिलचस्पी को और बढ़ा दिया है।

● **आर्मेनिया बन चुका है भारत का बड़ा रक्षा खरीददार-** आर्मेनिया पहले ही भारतीय हथियार खरीदने वाले शीर्ष देशों में शामिल हो चुका है। वो पहले ही आकाश सरफेस-टू-एयर मिसाइल सिस्टम, पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर, स्वाति वेपन-लोकेटिंग रडार, 155एमएम एडवांस्ड टोव्ड आर्टिलरी गन सिस्टम होवित्जर और एंटी-ड्रोन सिस्टम खरीद चुका है। रॉयल सऊदी एयर फोर्स अमेरिकी यूरोफाइटर टाइफून जैसे अलग-अलग तरह के विमानों का इस्तेमाल करती है।

यूपी की 50 हजार छात्राओं को मुफ्त में मिलेगी स्कूटी

रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना के तहत योगी सरकार का बड़ा तोहफा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की छात्राओं को योगी कैबिनेट से बड़ा तोहफा मिला है। मेधावी छात्राओं को परीक्षा में अच्छा करने के लिए फ्री स्कूटी देने वाली स्कीम को मंजूरी दे दी गई है। रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना को कैबिनेट की बैठक में हरी झंडी दिखा दी गई है। इस योजना के तहत 2025-26 के शैक्षणिक सत्र में ग्रेजुएशन में हर कॉलेज और यूनिवर्सिटी की टॉप-5 छात्राओं को सरकार की ओर से मुफ्त में स्कूटी दी जाएगी। इस योजना के अंतर्गत सभी सरकारी, प्राइवेट, सेल्फ फंडिंग या अन्य मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटीज को शामिल किया गया है। इन कॉलेज-यूनिवर्सिटीज में पढ़ने वाली छात्राएं अगर अपने कॉलेज या यूनिवर्सिटी में टॉप-5 में आती हैं तो उन्हें फ्री में स्कूटी दी जाएगी।

विधानसभा में संभल दंगे की रिपोर्ट पेश होगी

इस दौरान सदन में संभल दंगों की जांच रिपोर्ट रखी जाएगी। साथ ही अनुपूरक बजट पेश किया जाएगा। इसके अलावा, प्रदेश में 2 और एक्सप्रेस-वे बनाए जाएंगे। इनमें विंध्य एक्सप्रेस-वे और विंध्य-पूर्वांचल लिंक एक्सप्रेस-वे शामिल हैं।

पंजाब के किसानों का दिल्ली कूच स्थगित

● दो मांगों पर सहमति बनी, हरियाणा में बॉर्डर हुआ सील

किसान नेता हाउस अरेस्ट, कुंडली-सिंघु बॉर्डर पर जाम

गुरुग्राम (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी के संसद घेराव और किसानों की प्रस्तावित महापंचायत को देखते हुए हरियाणा के पंजाब, दिल्ली और यूपी से लगे बॉर्डरों पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। कई जिलों में किसान नेताओं और सीजेपी समर्थकों को हाउस अरेस्ट या डिटेन किया गया है। अमेरिका-भारत फ्री ट्रेड डील के विरोध में पंजाब के किसानों ने मंगलवार को दिल्ली के किसान घाट कूच का ऐलान किया था, लेकिन शंभू और खनौरी बॉर्डर पर पुलिस की सख्ती तथा कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा के साथ बैठक के बाद उन्होंने आंदोलन फिलहाल स्थगित कर दिया। भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश सचिव दिलबाग सिंह दिराजके ने बताया कि हिरासत में लिए गए किसान नेताओं की रिहाई और केंद्र सरकार से वार्ता कराने पर सहमति बनने के बाद धरना स्थगित करने का फैसला लिया गया। हालांकि, हरियाणा में अभी भी किसान दिल्ली कूच पर अड़े हुए हैं। रोहतक, सोनीपत, अंबाला, कुरुक्षेत्र, झज्जर, पानीपत और करनाल समेत 12 जिलों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही।

● **कुरुक्षेत्र-हिसार में बस से जा रहे किसानों को रोका-** कुरुक्षेत्र में प्राइवेट बस से दिल्ली जा रहे किसानों को पुलिस ने ज्योतिसर चौकी के पास लगे नाके पर रोक लिया। बस में करीब 30 किसान थे, जिनको पुलिस ने हिरासत में लिया है। इनमें भारतीय किसान यूनियन पिहोवा के प्रवक्ता प्रिंस वड़ैच भी शामिल है। हिसार एरिया में दिल्ली पुलिस ने बहादुरगढ़-द्वारका बाईपास पर बैरिकेड लगा दिए है। महेंद्रगढ़ के कनीना मंडी सरकारी स्कूल की छात्राओं ने सोनम वांगचुक के समर्थन और भाजपा के खिलाफ नारेबाजी की। इसका वीडियो सामने आने के बाद डीएम ने जिला शिक्षा अधिकारी से रिपोर्ट मांगी थी। रिपोर्ट के आधार पर प्रिंसिपल नरेश कुमार को सस्पेंड कर दिया। अंबाला में शंभू बॉर्डर पर कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा से किसान नेताओं की मीटिंग हुई। जिसके बाद किसान नेता सरवण पंधेर ने कहा कि कृषि मंत्री राणा की तरफ से कहा गया है कि गिरफ्तार रिहा होंगे।

सिक्किम की निर्माणाधीन टनल पर लैंडस्लाइड

● 10 मजदूरों की हो गई मौत, 17 अब भी हैं फंसे ● मलबे से सुरंग बंद, रेस्क्यू करने गए वर्कर बेहोश

गंगटोक (एजेंसी)। सिक्किम में सोमवार को एक टनल पर लैंडस्लाइड होने से उसका एंट्री गेट बंद हो गया, जिससे अंदर मौजूद 27 मजदूर फंस गए। इनमें से 10 की मौत हो गई। मृतकों में 3 की पहचान अभी नहीं हो पाई है, जबकि 17 मजदूर अब भी फंसे हैं। नामची जिले के मामरिंग स्थित समरदुंग सुरंग में निर्माण कार्य चल रहा था। एसपी सोनम डोल्मा ने बताया कि फंसे हुए मजदूरों की संख्या 27 से कम या ज्यादा भी हो सकती है। सुरंग में मीथेन गैस लीक होने की आशंका है। कई बचावकर्मियों को अंदर जाने के दौरान चक्कर आए।

बंगाल से स्पेशल रेस्क्यू टीम लाई गई- जिला अधिकारी तमलिंग ने बताया कि दोपहर करीब 3.40 बजे प्रशासन को हादसे की खबर मिली। इसके बाद एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, जिला पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंच गईं। सुरंग में पटेल इंजीनियरिंग के 21 और एनएचपीसी के 6 समेत कुल 27 मजदूर फंसे होने की आशंका है। पश्चिम बंगाल से भी गैस-रोधी उपकरणों के साथ एक स्पेशल रेस्क्यू टीम लाई गई है। एंबुलेंस को तैयार रखा गया है। बचाव दल गैस मास्क पहनकर मजदूरों तक पहुंचा।

एजेंसियों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का आदेश- सीएम तमांग ने संबंधित सभी विभाग और एजेंसियों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने, बचाव कार्य में तेजी लाने तथा पूरे अभियान के दौरान सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने, अपुष्ट और भ्रामक सूचनाओं के प्रसार से बचने तथा प्रभावित श्रमिकों और उनके परिवारों के लिए प्रार्थना का अपील की है। तमांग ने कहा कि राज्य सरकार बचाव अभियान जारी रखे है और प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहयोग देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। नामची जिला प्रशासन एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, सिक्किम पुलिस ऐक्टिव है।

राजा हत्याकांड पूछा-गिरफ्तारी का कारण नहीं बताने का मुद्दा पहले क्यों नहीं उठाया

सुप्रीम कोर्ट ने सोनम को दी सरेंडर की सलाह

इंदौर/नई दिल्ली (एजेंसी)। इंदौर के राजा रघुवंशी हत्याकांड की आरोपी सोनम रघुवंशी को सुप्रीम कोर्ट ने सरेंडर करने की सलाह दी है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस पीबी वराले की पीठ ने कहा कि या तो वह मेघालय सरकार की अपील पर मामले के गुण-दोष को देखते हुए फैसला करेगी या फिर सोनम को समर्पण करने का निर्देश देकर जांच एजेंसियों को आगे पूछताछ का अवसर

देगी। सुप्रीम कोर्ट उस याचिका पर सुनवाई कर रहा है, जिसमें निचली अदालत द्वारा सोनम को दी गई जमानत और मेघालय हाईकोर्ट के उसे बरकरार रखने के आदेश को चुनौती दी गई है। मामले की अगली सुनवाई 23 जुलाई को होगी। कोर्ट ने सोनम के वकील से कहा कि यदि वे चाहें तो अदालत मेघालय सरकार की अपील पर लें सुनकर अंतिम आदेश पारित कर सकती है।

मेघालय सरकार ने जमानत का किया विरोध

मेघालय सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सोनम की जमानत का विरोध करते हुए कहा कि उसने पुलिस के सामने स्वेच्छा से आत्मसमर्पण किया था। ऐसे में बाद में यह कहना कि गिरफ्तारी के कारण नहीं बताए गए, कानूनी रूप से स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने अदालत को बताया कि गिरफ्तारी मेमो में यदि कोई कमी है तो वह केवल लिपिकीय त्रुटि (क्लेरिकल मिस्टेक) है। जो आरोपी स्वयं पुलिस के सामने उपस्थित होकर समर्पण करता है, वह गिरफ्तारी की प्रक्रिया से राहत नहीं मांग सकता।

ओडेसा हमला : यूक्रेन युद्ध में 4 भारतीय नाविकों की मौत, सुरक्षा पर सवाल

- वाणिज्यिक जहाज पर हमले में कुल 10 जानें गईं; भारत ने निंदा की

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह से रवाना हो रहे एक वाणिज्यिक जहाज पर हुए हमले में चार भारतीय नाविकों सहित कुल 10 लोगों की मौत हो गई है। भारत ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए युद्धग्रस्त क्षेत्रों में व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठाए हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार 19 जुलाई की शाम एम.वी. गोल्डन लियो नामक मालवाहक जहाज पर हुए हमले में चार भारतीयों ने जान गंवाई, जबकि चालक दल के 17 सदस्यों में से एक अन्य भारतीय गंभीर रूप से घायल है। भारत ने वाणिज्यिक जहाजों और निर्दोष नाविकों को निशाना बनाने को निंदनीय बताया। विदेश मंत्रालय ने अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की स्वतंत्रता में बाधा डालने को अस्वीकार्य करार दिया। उधर, यूक्रेन ने हमले के लिए रूस को जिम्मेदार ठहराया; विदेश मंत्री ने कहा कि रूसी मिसाइलों ने एक असैन्य जहाज को निशाना बनाया, जो वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण मार्ग पर था। यह यूक्रेन युद्ध में भारतीय नाविकों की मौत का पहला मामला है। भारतीय दूतावास स्थिति पर लगातार नज़र रखे हुए है और प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता दे रहा है। सरकार ने मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त कर घायल नागरिक के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

राहुल गांधी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति मामले में आठ सप्ताह में सीबीआई जवाब दाखिल करे-हाईकोर्ट

लखनऊ (एजेंसी)। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खण्डपीठ ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा कथित तौर पर आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जांच कराने के आदेश देने का आग्रह करने वाली याचिका पर करीब दो घंटे तक सुनवाई की। हाई कोर्ट की वेबसाइट पर पीठ का आदेश उपलब्ध नहीं था। मामले की अगली सुनवाई 20 अगस्त को होगी। न्यायमूर्ति आर. एस. चौहान और न्यायमूर्ति बी. आर. सिंह की खंडपीठ ने कर्नाटक के भाजपा कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर द्वारा दायर एक याचिका पर यह सुनवाई की। याचिकाकर्ता ने राहुल गांधी पर आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप लगाया है और इस मामले की सीबीआई और ईडी से जांच की मांग की है। पीठ ने अपने पिछले आदेश में कहा था कि उम्मीद की जाती है कि अगर याचिकाकर्ता की शिकायत मिल गई है तो शिकायत के आरोपों की कानून के अनुसार जांच की जा सकती है। यह कहने की जरूरत नहीं है कि सीबीआई या ईडी कानून के तहत उचित कदम उठा सकती है। लखनऊ पीठ ने सीबीआई और ईडी के अलावा केंद्र सरकार के कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग, राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय और गंभीर कपट अन्वेषण कार्यालय (एसएफआईओ) के निदेशक को भी निर्देश दिया था कि वह गांधी के खिलाफ याचिकाकर्ता द्वारा लगाए गए आरोपों पर आठ सप्ताह के भीतर अपना जवाब दाखिल करें। पीठ ने इससे पहले गत 12 मई को मामले की सुनवाई चैंबर में की थी।

पेपर लीक पर अखिलेश का वार : राज खुलने के डर से नहीं दे रहे इस्तीफा

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने पेपर लीक के कथित मामलों और छात्रों के विरोध-प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर केंद्र पर हमलावार है। संसद में पत्रकारों से उन्होंने कहा कि सरकार परीक्षाओं की शुचिता बनाए रखने में नाकाम रही है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा इसलिए नहीं हो रहा है, क्योंकि उन्हें डर है कि उनके राज़ खुल सकते हैं। पूर्व सीएम यादव ने विरोध-प्रदर्शन के दौरान छात्रों पर पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज, आंसू गैस और बिजली के झटकों की कड़ी निंदा की। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या यही सबका साथ, सबका विकास और अमृत काल है, जहां युवाओं के सिर फोड़े जा रहे हैं? उन्होंने सरकार को पेपर लीक रोकने की सीधी जिम्मेदारी याद दिलाकर कहा कि इतनी बड़ी गड़बड़ी के बाद भी सदन में नारे लगना बेहद शर्मनाक है।

टीएमसी का शहीद दिवस : कोलकाता में ममता की रैली, दिल्ली में बागी सांसदों का प्रदर्शन

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने अपना वार्षिक 21 जुलाई शहीद दिवस मनाया। यह दिन 1993 में तत्कालीन वाम मोर्चा सरकार के दौरान विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस फायरिंग में मारे गए 13 युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं की याद में मनाया जाता है। शहीद दिवस कार्यक्रम के लिए बड़ी संख्या में टीएमसी समर्थक कोलकाता के बिड़ला तारामंडल में जमा हुए। एक समर्थक ने पार्टी की चुनावी संभावनाओं पर विश्वास व्यक्त करते हुए कहा, टीएमसी फिर जीतेगी। मैं दीदी का समर्थन करता हूं। इस मौके पर टीएमसी सांसद सौगत रॉय ने 1993 की घटना को याद किया, जब ममता बनर्जी के नेतृत्व में वोटर पहचान पत्र की मांग को लेकर निकाले गए जुलूस पर पुलिस ने गोली चलाई थी, जिसमें 13 लोगों की जान चली गई और 200 घायल हुए थे। सांसद रॉय ने बताया कि ममता बनर्जी तब से ही घटना की याद में शहीद दिवस मनाती आ रही हैं। हालांकि, इस मौके पर कुछ आलोचकों ने ममता बनर्जी पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी शहीदों के लिए दुख का दिखावा करती हैं, जबकि उन्होंने मनीष गुप्ता को मंत्री बनाया था, जो उस समय गृह विभाग के प्रधान सचिव थे और उन्हीं के आदेश पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर गोली चली थी। आलोचकों ने आरोप लगाया कि चुनाव हारने के बाद भी मनीष गुप्ता को मंत्री से भी ऊंचा दर्जा दिया गया। साथ ही, सुशांत चटर्जी आयोग की रिपोर्ट को सालों तक दबाने और सार्वजनिक न करने का भी आरोप लगाया गया, जबकि इस घटना के मुख्य साजिशकर्ता को पार्टी में शामिल कर मंत्री बनाया गया। इस बीच एनसीपीआई में शामिल हुए बागी टीएमसी सांसदों ने दिल्ली में राजघाट जाकर इस दिन को याद किया। बागी टीएमसी सांसद और एनसीपीआई नेता सुदीप बंद्योपाध्याय ने बताया कि वे 1993 की पुलिस फायरिंग में मारे गए 13 निर्दोष युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि देने आए थे। उन्होंने कहा कि वे अब एनसीपीआई में हैं, इसलिए उन्होंने राजघाट पर शहीदों को याद करने का फैसला किया।

किसी भी मुद्दे का समाधान प्रदर्शन नहीं, बातचीत से निकलना चाहिए

-सीजेपी के प्रदर्शन को लेकर हेमा मालिनी, व कंगना ने दी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। जंतर-मंतर पर जारी कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन ने अब सियासी गलियारों के साथ-साथ फिल्मी दुनिया में भी हलचल मचा दी है। संसद के मानसून सत्र के पहले ही दिन जब प्रदर्शनकारी संसद की ओर मार्च करने निकले तो बीजेपी सांसद और बॉलीवुड की 'ड्रीम गर्ल' हेमा मालिनी ने इस पूरे आंदोलन को लेकर कहा कि इस तरह के विरोध का कोई मतलब नहीं है। दिलचस्प बात यह है कि इससे पहले कंगना रनौत भी इसी मुद्दे पर प्रदर्शनकारियों को निशाने पर ले चुकी हैं। संसद के मानसून सत्र के पहले दिन संसद परिसर पहुंचीं हेमा मालिनी ने मीडिया से कहा कि किसी भी मुद्दे का समाधान प्रदर्शन नहीं, बल्कि बातचीत से निकलना चाहिए।

उन्होंने कहा कि अगर कोई समस्या है तो उस पर सही तरीके से चर्चा होनी चाहिए। इस तरह से प्रदर्शन करने से कुछ हासिल नहीं होगा, जहां तक देश के युवाओं और शिक्षा व्यवस्था का सवाल है, हमारी मोदी सरकार हमेशा उनके साथ खड़ी है और बहुत काम किया है। इसे देखते हुए आप लोग जो प्रदर्शन कर रहे हैं, उसका कोई मतलब नहीं बनता. इसे बातचीत से हल करना चाहिए। बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने भी मीडिया से बात करते हुए इस प्रदर्शन पर सवाल उठाए।

कंगना ने कहा कि संसदीय सत्र का उद्देश्य ही हर मुद्दे पर विस्तृत चर्चा करना है। हंगामा करके सरकार पर दबाव बनाना और यह तय करने की कोशिश करना कि किसे पद पर रखा जाए और किसे हटाया जाए, पूरी तरह से गलत है। जहां एक तरफ बॉलीवुड के कई सेलेब्स को बीजेपी का सपोर्ट मिल रहा है। वहीं, सीजेपी के आंदोलन को कई फिल्मी हस्तियों का समर्थन भी मिला है। वरिष्ठ एक्ट्रेस शबाना आजमी ने जंतर-मंतर पहुंचकर प्रदर्शनकारियों से मुलाकात की और अपना समर्थन जताया। उनके अलावा प्रकाश राज भी प्रदर्शन स्थल पर नजर आए। सोशल मीडिया पर इमरान खान, नसीरुद्दीन शाह, जीनत अमान, अभय देओल, सोनी राजदान, सोनाक्षी सिन्हा, ओमी वैद्य, और रत्ना पाठक शाह जैसे कलाकार भी आंदोलन और सोनम वांगचुक के अनशन के समर्थन में अपनी राय रख चुके हैं।

मोदी सरकार किसानों और छात्रों के प्रति असंवेदनशील और उदासीन है : रमेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार किसानों की तरह लाखों छात्रों और युवाओं की गंभीर चिंताओं के प्रति भी असंवेदनशील और उदासीन है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में यह दावा भी किया कि ठीक एक साल पहले तत्कालीन उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को उनके पांच साल के कार्यकाल के तीन साल बाद इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि पीएम मोदी बड़े धूमधाम से धनखड़ को पद पर लाए थे, लेकिन किसानों की दुर्दशा और पीड़ा और मोदी सरकार की उनके प्रति चौंकाने वाली असंवेदनशीलता पर बार-बार अपनी व्यथा व्यक्त करने के कारण धनखड़ को अचानक पद छोड़ना पड़ा। कांग्रेस नेता ने कहा कि इसी तरह की असंवेदनशीलता और उदासीनता अब लाखों छात्रों और युवाओं की गंभीर चिंताओं के मामले में भी पूरी तरह दिखाई दे रही है। रिपोर्ट के मुताबिक जयराम रमेश ने कहा कि धनखड़ को राज्यसभा के सदस्यों की ओर से औपचारिक विदाई देने का शिष्टाचार भी नहीं दिखाया गया। पिछले साल संसद के मानसून सत्र के दौरान 21 जुलाई को तत्कालीन उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति धनखड़ ने अपने पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भेजे अपने त्यागपत्र में स्वास्थ्य संबंधी कारणों और चिकित्सकीय सलाह का हवाला दिया था।

सीजेआई की टिप्पणी न होती तो प्रदर्शन नहीं होता: राउत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत द्वारा मई महीने में दी गई विवादित कॉकरोच टिप्पणी से प्रेरित होकर बनी कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने सोमवार को जंतर-मंतर से संसद तक पैदल मार्च निकाला। इस प्रदर्शन का श्रेय राज्यसभा सांसद संजय राउत ने सीजेआई सूर्यकांत को दिया। राउत ने सोशल मीडिया पर सीजेआई का आभार व्यक्त करते हुए लिखा कि इस बड़े आंदोलन का श्रेय केवल एक व्यक्ति को जाता है, जिन्होंने देश की निष्क्रिय जनता में नई ऊर्जा भर दी। हालांकि, छात्रों और कार्यकर्ताओं की बड़ी भागीदारी वाला यह मार्च आगे चलकर उग्र हो गया, जिसमें प्रदर्शनकारियों और पुलिस बल के बीच हिंसक झड़प देखने को मिली। दिल्ली पुलिस के अनुसार, इस हिंसा में विशेष पुलिस आयुक्त स्तर के अधिकारियों सहित 118 से अधिक पुलिसकर्मी और करीब 60 प्रदर्शनकारी घायल हुए हैं, जबकि 70 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया है।

यह पूरा मामला मई के मध्य का है, जब सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाला बागची की पीठ एक वकील से जुड़ी याचिका पर सुनवाई कर रही थी। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा था कि कुछ युवा कॉकरोच और परजीवी की तरह होते हैं, जिन्हें जब रोजगार या किसी पेशे में जगह नहीं मिलती, तो वे मीडिया, सोशल मीडिया या आरटीआई कार्यकर्ता बनकर व्यवस्था पर हमला करने लगते हैं। इस टिप्पणी पर हुए भारी विवाद के बाद सीजेआई ने 16 मई को सफाई जारी की थी। उन्होंने स्पष्ट किया था कि उनकी मंशा देश के युवाओं को निशाना बनाने की बिल्कुल नहीं थी, बल्कि उन्होंने केवल फर्जी डिग्रियों के सहारे वकालत या अन्य पेशों में घुसपैठ करने वाले लोगों के संदर्भ में यह बात कही थी। उन्होंने भारतीय युवाओं को देश के विकास का मजबूत स्तंभ करार दिया था।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के विरोध में किसानों का दिल्ली कूच

शंभू बॉर्डर पर भारी पुलिस बल तैनात

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में एक तरफ जहाँ पेपर लीक के खिलाफ विरोध-प्रदर्शनों के कारण माहौल गर्म है, वहीं दूसरी तरफ पंजाब से किसानों का बड़ा हुजूम दिल्ली की ओर रवाना हो चुका है। किसान भारत-अमेरिका प्रस्तावित व्यापार समझौते का कड़ा विरोध कर रहे हैं। हालांकि, दिल्ली पहुँचने से पहले ही हरियाणा पुलिस ने किसानों को पंजाब-हरियाणा के शंभू बॉर्डर पर बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया है। किसान नेता सरवन सिंह पंढेर ने हरियाणा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया है कि सरकार किसानों को दिल्ली में महापंचायत करने से रोक रही है और दमनकारी नीति अपना रही है।

किसानों के इस आंदोलन को देखते हुए पंजाब-हरियाणा सीमा और घग्गर नदी के पुलों पर पुलिस बल की भारी तैनाती कर दी गई है। देश बचाओ मोर्चा के बैनर तले पंजाब के विभिन्न हिस्सों से बसों और अन्य वाहनों में सवार होकर निकले किसान दिल्ली स्थित किसान घाट पहुँचकर एक दिवसीय महापंचायत करना चाहते हैं। फतेहगढ़ साहिब से करीब एक हजार से अधिक किसानों का जत्था सरहिंद होते हुए शंभू बॉर्डर पहुँचा है। किसान नेताओं का कहना है कि शंभू बॉर्डर पर स्थिति का जायजा लेने और परस्पर बातचीत करने के बाद ही आगे के ठोस कदम पर अंतिम फैसला लिया जाएगा।

दूसरी ओर, स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए हरियाणा पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। भारतीय किसान यूनियन के प्रमुख गुरनाम सिंह चढ़ूनी को कुरुक्षेत्र में दिल्ली कूच करने से पहले ही हिरासत में ले लिया गया। किसानों का दावा है कि राज्य पुलिस बड़े पैमाने पर किसान कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले रही है। किसानों की मुख्य चिंता यह है कि अमेरिका के साथ होने जा रहे इस व्यापार समझौते से देश में कृषि और अन्य विदेशी सामान बेहद सस्ती कीमतों पर आयात होने लगेगा। इससे भारतीय किसानों को उनकी फसलों का उचित दाम नहीं मिल पाएगा, जिसका सीधा और प्रतिकूल असर देश के किसानों तथा खेतिहर मजदूरों पर पड़ेगा। किसानों ने केंद्र सरकार से तत्काल हस्तक्षेप करते हुए इस प्रस्तावित व्यापार समझौते को पूरी तरह रद्द करने और देश के आम किसानों तथा मजदूरों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

चुप्पी तोड़ें और छात्रों से माफी मांगें प्रधानमंत्री : राहुल गांधी

परीक्षा प्रणाली को लेकर केंद्र सरकार पर साधा निशाना, युवाओं के विरोध का किया समर्थन

नई दिल्ली(एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शिक्षा व्यवस्था और परीक्षा प्रणाली को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से छात्रों से माफी मांगने की मांग की है। उन्होंने कहा कि देशभर में युवा शिक्षा और परीक्षा प्रणाली में कथित अनियमितताओं के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं, लेकिन प्रधानमंत्री इस पूरे मुद्दे पर मौन हैं। राहुल गांधी ने मंगलवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि हाल की घटनाओं के बाद प्रधानमंत्री मोदी को छात्रों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उन्होंने कहा, कल जो हुआ, उसके लिए मोदी जी ने माफी तक नहीं मांगी है। युवा शिक्षा और परीक्षा प्रणाली के खिलाफ विरोध कर रहे हैं। पूरा देश जानता है कि शिक्षा और परीक्षा प्रणाली को दीमक ने खोखला कर दिया है। प्रधानमंत्री चुप क्यों हैं? उन्हें छात्रों से माफी मांगनी चाहिए और यह सब बंद करवाना चाहिए। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि देश की शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था गंभीर संकट से गुजर रही है तथा लगातार सामने आ रहे विवादों ने छात्रों और अभिभावकों का भरोसा कमजोर किया है। उन्होंने कहा कि सरकार को इस विषय पर जवाबदेही तय करनी चाहिए और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि युवाओं की आवाज को दबाने के बजाय उनकी चिंताओं को गंभीरता से सुना जाना चाहिए। उनके अनुसार, शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है और छात्रों के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर संवेदनशीलता के साथ निर्णय लिया जाना चाहिए।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला : चंपत भूमिका पर फैसला होगा जल्द, गवाह या सह-आरोपी बनने पर सस्पेंस

अयोध्या (एजेंसी)। श्रीराम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले के खुलासे के बाद ट्रस्ट के महासचिव पद से इस्तीफा देने वाले चंपत राय की भूमिका अब जांच के निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के पूर्व महासचिव चंपत राय के बयान और गवाही को इस पूरे मामले में अभियोजन पक्ष के लिए बेहद मजबूत साक्ष्य माना जा रहा है। जांच से जुड़े सूत्रों के अनुसार, जल्द ही यह तय हो जाएगा कि चंपत राय मुकदमे में मुख्य गवाह बनेंगे या फिर सह-आरोपी। हालांकि, अब तक की जांच में उनका पूरा सहयोग रहा है और उनके बयानों के आधार पर ही आरोपियों से पूछताछ की गई है, जिससे उनके मुख्य साक्षी बनने की संभावना अधिक दिखाई दे रही है।

एसआईटी और पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, दानपात्रों के चढ़ावे की गणना के दौरान बाथरूम में कुछ रुपये मिलने के बाद इस चोरी का खुलासा हुआ था। इसके बाद सक्रिय हुए चंपत राय ने संदिग्धों की तलाश की और 5 जून को पुलिस के साथ निकलकर करीब 80 लाख रुपये बरामद करवाए थे। इसके बाद ही एसआईटी का गठन हुआ और ट्रस्टी कृष्णमोहन की शिकायत पर 8 नामजद समेत अन्य अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। यद्यपि शुरुआती स्तर पर मामले को दबाने के प्रयास और चंपत राय द्वारा दी गई सफाई के कारण उनकी भूमिका पर सवाल उठने लगे थे, लेकिन बाद में विवाद बढ़ने पर उन्होंने ही राज्य सरकार से एसआईटी जांच की सिफारिश की थी।

कानूनी दृष्टिकोण से चंपत राय की गवाही इस पूरे मुकदमे की नींव बनेगी। उन्होंने पूछताछ के दौरान एसआईटी और पुलिस को हर सवाल का बेबाकी से जवाब दिया है और सभी दस्तावेज उपलब्ध कराए हैं। जांच अधिकारियों का मानना है कि यदि वह अदालत में आधिकारिक तौर पर गवाही देते हैं, तो आरोपियों पर दोष सिद्ध करना आसान हो जाएगा और मुकदमा बेहद मजबूत होगा। वहीं दूसरी ओर, यदि वह कानूनी तौर पर गवाही देने से पीछे हटते हैं, तो उन्हें भी इस मामले में सह-आरोपी बनाया जा सकता है। फिलहाल पुलिस और एसआईटी उनकी गवाही के आधार पर ही चार्जशीट को अंतिम रूप देने में जुटी है।

त्रिपुरा डीजीपी की संदिग्ध मौत पर सियासत तेज, विपक्ष ने मुख्य न्यायाधीश की निगरानी में न्यायिक जांच की मांग

अगरतला (एजेंसी)। त्रिपुरा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग ढंकर की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत को लेकर राज्य की राजनीति गरमा गई है। विपक्षी माकपा (सीपीआई-एम) ने मामले की मुख्य न्यायाधीश की निगरानी में न्यायिक जांच कराने की मांग की है। विपक्ष का आरोप है कि निष्पक्ष जांच के लिए स्वतंत्र न्यायिक जांच आवश्यक है।

विपक्ष के नेता जितेंद्र चौधरी ने कहा कि अनुराग ढंकर जैसे मजबूत और अनुभवी अधिकारी के आत्महत्या करने की बात सहज स्वीकार नहीं की जा सकती। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले आठ वर्षों से भाजपा सरकार के दौरान आईएएस और आईपीएस अधिकारियों पर लगातार राजनीतिक दबाव बनाया जाता रहा है, जिससे प्रशासनिक तंत्र में असामान्य स्थिति उत्पन्न हो गई है। उन्होंने कहा कि सच्चाई सामने लाने के लिए न्यायपालिका की निगरानी में जांच कराई जानी चाहिए।

उल्लेखनीय है कि डीजीपी अनुराग ढंकर का शव मंगलवार को पुलिस मुख्यालय स्थित उनके आधिकारिक कक्ष के वॉशरूम में फंदे से लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव और गृह सचिव पुलिस मुख्यालय पहुंचे। इसके बाद उन्हें तत्काल एजीएमसी एवं जीबीपी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मुख्यमंत्री ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि डीजीपी अनुराग ढंकर का निधन अत्यंत दुखद और स्तब्ध कर देने वाला है। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। हालांकि, मृतक के परिजनों की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वहीं विपक्ष ने पूरे मामले की पारदर्शी और निष्पक्ष जांच की मांग तेज कर दी है।

अब बिहार के भागलपुर में निकले पिता-पुत्री कोरोना संक्रमित

-दोनों मरीज जेएलएनएमसीएच में भर्ती, संपर्क में आए लोगों की जांच के निर्देश

-आंध्र और महाराष्ट्र के बाद बढ़ी सतर्कता

पटना (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र में कोरोना संक्रमण के नए मामलों के बाद अब बिहार में भी कोविड-19 ने दस्तक दी है। भागलपुर जिले में 65 वर्षीय एक बुजुर्ग और उनकी 35 वर्षीय बेटी कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। दोनों का इलाज जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जेएलएनएमसीएच) में चल रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने दोनों मरीजों को चिकित्सकीय निगरानी में रखते हुए संपर्क में आए लोगों की जांच शुरू कर दी है।

अस्पताल अधीक्षक डॉ. एच.पी. दुबे ने सोमवार को बताया कि बुजुर्ग की तबीयत 15 जुलाई से खराब थी। प्रारंभिक उपचार एक निजी क्लिनिक में कराया गया, लेकिन कोरोना जैसे लक्षण दिखाई देने पर उन्हें जेएलएनएमसीएच रेफर किया गया। रविवार को अस्पताल में भर्ती करने के बाद उनकी आरटी-पीसीआर जांच कराई गई, जिसमें कोविड-19 संक्रमण की पुष्टि हुई।

इसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने संक्रमित मरीज के संपर्क में आए लोगों की जांच शुरू की। जांच के दौरान उनकी 35 वर्षीय बेटी भी कोरोना पॉजिटिव पाई गई। अस्पताल प्रशासन के अनुसार दोनों मरीजों को अलग वार्ड में भर्ती कर गहन चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है। विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम लगातार उनकी स्वास्थ्य स्थिति पर नजर रख रही है। अस्पताल अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि प्रारंभिक जानकारी में दूसरे संक्रमित को मरीज की पत्नी बताया गया था, लेकिन बाद में पुष्टि हुई कि वह उनकी बेटी हैं।

भागलपुर जिला प्रशासन ने भी आधिकारिक बयान जारी कर दोनों मामलों की पुष्टि की है। प्रशासन ने जिले में कोरोना संबंधी सभी आवश्यक प्रोटोकॉल लागू करने के निर्देश दिए हैं। जिला कार्यक्रम प्रबंधक को संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों की पहचान कर उनकी जांच कराने तथा आवश्यक निगरानी सुनिश्चित करने को कहा गया है।

जेएलएनएमसीएच के मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. राजकमल चौधरी ने बताया कि दोनों मरीजों की स्थिति फिलहाल स्थिर है और घबराने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि समय पर जांच, उपचार और आवश्यक सावधानियां संक्रमण को नियंत्रित करने में प्रभावी साबित होती हैं। स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे सतर्क रहें, सर्दी-खांसी या बुखार जैसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत जांच कराएं तथा स्वच्छता और आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों का पालन करें।

कार्यकताओं के उत्साह से 2027 में फिर बनेगी भाजपा सरकार : पंकज चौधरी

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के गाजियाबाद आगमन पर साहिबाबाद स्थित मॉडर्न कॉलेज में महानगर एवं जिला कार्यसमिति की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर ने की। इस दौरान संगठन की आगामी कार्ययोजना, विस्तार और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक को संबोधित करते हुए पंकज चौधरी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता आधारित संगठन है, जहां एक सामान्य कार्यकर्ता भी अपनी मेहनत और समर्पण के बल पर सर्वोच्च जिम्मेदारी तक पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से केंद्र और 2017 से उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार राष्ट्रवाद की विचारधारा के साथ विकास, विश्वास और जनकल्याण के कार्य कर रही है। सड़क, बिजली, औद्योगिक विकास, अर्थव्यवस्था, रोजगार, रक्षा और आधारभूत संरचना सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यह उपलब्धियां संगठन की शक्ति और समर्पित कार्यकताओं के परिश्रम का परिणाम हैं। उन्होंने बताया कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद और अंत्योदय के

सिद्धांतों के अनुरूप सरकार की योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में 22 जुलाई को प्रदेश की सभी विधानसभा क्षेत्रों में एक साथ बूथ सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे।

उन्होंने कार्यकताओं के उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि उनका जोश इस बात का संकेत है कि वर्ष 2027 में भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश में पुनः पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी। उन्होंने संगठन को सर्वोपरि बताते हुए प्रत्येक कार्यकर्ता से बूथ स्तर तक पार्टी को मजबूत करने और जनसेवा के कार्यों में सक्रिय रहने का आह्वान किया।

बैठक में कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, मंत्री नरेंद्र कश्यप, विधायक अजीत पाल त्यागी, विधायक मंजू शिवाच, विधायक नंदकिशोर गुर्जर, प्रदेश मंत्री बसंत त्यागी, अंकुर शर्मा, मानसिंह गोस्वामी सहित महानगर एवं जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी तथा बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दिल्ली जाने से रोके गए भाकियू टिकैत कार्यकर्ता, भोजपुर थाने में किया विरोध प्रदर्शन

मोदीनगर (शिखर समाचार)। भारत अमेरिका व्यापारिक समझौते के विरोध में दिल्ली के किसान घाट पर आयोजित महापंचायत में शामिल होने जा रहे भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के कार्यकताओं को सोमवार को पुलिस ने भोजपुर टोल प्लाजा के पास रोक दिया। इस दौरान पुलिस और किसानों के बीच तीखी नोकझोंक के साथ धक्का मुक्की भी हुई। पुलिस ने बैरिकेडिंग कर दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे पर किसानों के वाहनों को आगे बढ़ने से रोक दिया, जिससे कुछ देर तक तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। पुलिस द्वारा रोके जाने से नाराज किसान कार्यकर्ता भोजपुर थाने पहुंच गए और वहां बैठकर विरोध प्रदर्शन किया। किसानों का कहना था कि उन्हें शांतिपूर्ण ढंग से महापंचायत में शामिल होने से रोका गया, जो उनके लोकतांत्रिक अधिकारों का उल्लंघन है। कार्यकताओं ने भारत अमेरिका व्यापारिक समझौते को किसानों के हितों के खिलाफ बताते हुए सरकार से इस पर पुनर्विचार करने की मांग की। काफी देर तक चले विरोध प्रदर्शन के बाद पुलिस अधिकारियों ने किसान नेताओं से वार्ता की और उन्हें समझाने का प्रयास किया। अधिकारियों द्वारा आश्वासन दिए जाने के बाद स्थिति सामान्य हुई और किसान कार्यकर्ता शांतिपूर्वक वहां से लौट गए। पूरे घटनाक्रम के दौरान पुलिस बल तैनात रहा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरती गई। विरोध प्रदर्शन में मुस्तफा, हामिद चौधरी, अजीत चौधरी, कुशलवीर सहित भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। किसानों ने कहा कि यदि उनकी मांगों की अनदेखी की गई तो भविष्य में आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

एचपीडीए का बुलडोजर एक्शन: 12 हजार वर्गमीटर अवैध प्लाटिंग ध्वस्त, 6 हजार वर्गमीटर औद्योगिक निर्माण सील

कार्रवाई से अवैध कॉलोनाइजरों और निर्माणकताओं में मचा हड़कंप

हापुड़ (शिखर समाचार)। हापुड़ पिलखुवा विकास प्राधिकरण (एचपीडीए) ने मंगलवार को अवैध निर्माण और प्लाटिंग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 12 हजार वर्गमीटर में विकसित की जा रही अवैध प्लाटिंग को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया। इसके साथ ही 6 हजार वर्गमीटर में हो रहे अवैध औद्योगिक निर्माण को सील कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस बल भी मौके पर मौजूद रहा। एचपीडीए के प्रभारी सचिव अमित कादियान ने बताया कि उपाध्यक्ष मुकेश चन्द्र के निर्देश पर ग्राम बागड़पुर में राहुल चौधरी और गुड्डू चौधरी द्वारा लगभग 5 हजार वर्गमीटर तथा बछलौता रोड पर आशीष द्वारा 7 हजार वर्गमीटर में विकसित की जा रही अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त कराया गया। वहीं बाबूगढ़ छावनी क्षेत्र में नितिन गुप्ता द्वारा 6 हजार वर्गमीटर में किए जा रहे

औद्योगिक निर्माण को सील किया गया।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि बिना स्वीकृत मानचित्र के किसी भी प्रकार का निर्माण या प्लाटिंग बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी निर्माणकताओं और कॉलोनाइजरों को चेतावनी दी गई है कि पहले प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराएं, अन्यथा सीलिंग और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी।

प्रभारी सचिव ने बताया कि जुलाई माह के दौरान विशेष अभियान चलाकर अवैध कॉलोनियों, प्लाटिंग और निमार्णों को चिन्हित कर लगातार कार्रवाई की जाएगी।

हरिगिरेश्वर महादेव व मां दुर्गा प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में निकली भव्य नगर भ्रमण यात्रा

मुरादनगर (शिखर समाचार)। बस स्टैंड स्थित श्रीमहाकाली पीठ हनुमंत धाम में हरिगिरेश्वर महादेव एवं आदिशक्ति मां दुर्गा के दिव्य मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतर्गत मंगलवार को भव्य नगर भ्रमण यात्रा निकाली गई। धार्मिक उल्लास और भक्तिमय वातावरण के बीच निकली इस यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान शिव और मां दुर्गा का गुणगान किया। पूरे मार्ग में जयघोषों और भजनों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। कार्यक्रम संयोजक डॉ. उदिता त्यागी ने बताया कि पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत वैदिक मंत्रोच्चार के बीच यज्ञ, पूजन, धार्मिक अनुष्ठान, भजन संध्या तथा संतों के प्रवचन आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि महोत्सव का समापन 22 जुलाई को प्राण प्रतिष्ठा एवं पूणार्हुति के साथ होगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

नगर भ्रमण यात्रा रावली रोड से प्रारंभ होकर मुख्य बाजार, मेन रोड, बस स्टैंड और नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होती हुई पुनः श्रीमहाकाली पीठ हनुमंत धाम पहुंची। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान शिव एवं मां दुर्गा के जयकारे लगाए और नगरवासियों ने विभिन्न स्थानों पर पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। यात्रा को लेकर पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क रहा। थानाध्यक्ष के नेतृत्व में सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए, जिससे यात्रा शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। इस अवसर पर डॉ. सत्या त्यागी, चौधरी सतपाल सिंह, बॉबी पंडित, संजीव त्यागी, अरुण भारद्वाज, मोहित त्यागी, विष्णु मित्तल, मनोज शर्मा, सोनिया त्यागी, विपिन गर्ग, पवन त्यागी, तनु शर्मा सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे और सभी ने धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में सहयोग दिया।

लापता युवती की बरामदगी की मांग पर कोतवाली में धरना, पुलिस ने टीम गठित होने का दिया आश्वासन

मोदीनगर (शिखर समाचार)। नगर की नंद नगरी कॉलोनी से एक सप्ताह पूर्व लापता हुई युवती की बरामदगी की मांग को लेकर हिंदू रक्षा दल के कार्यकताओं और परिजनों ने मंगलवार को कोतवाली पहुंचकर जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यकताओं ने पुलिस पर मामले में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए कोतवाली परिसर में धरना देकर युवती की शीघ्र बरामदगी की मांग की। जानकारी के अनुसार नंद नगरी कॉलोनी निवासी एक युवती 14 जुलाई को संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई थी। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने 16 जुलाई को मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी, लेकिन एक सप्ताह बीत जाने के बावजूद युवती का कोई सुराग नहीं लग सका। इससे नाराज परिजन हिंदू रक्षा दल के पदाधिकारियों और कार्यकताओं के साथ कोतवाली पहुंचे। धरने का नेतृत्व पंकज कंसल और सपना अग्रवाल ने किया। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस मामले को गंभीरता से नहीं ले रही है, जिसके कारण युवती की अब तक बरामदगी नहीं हो सकी। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द युवती को सकुशल बरामद नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। कोतवाली में कुछ देर तक चले हंगामे और धरने के बाद पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से वार्ता की। अधिकारियों ने बताया कि युवती की तलाश के लिए पुलिस की विशेष टीम गठित कर दी गई है और संभावित स्थानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस ने भरोसा दिलाया कि युवती की शीघ्र बरामदगी के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। आश्वासन मिलने के बाद प्रदर्शनकारी शांत हुए और धरना समाप्त कर लौट गए।

मिशन शक्ति केंद्रों की समीक्षा बैठक में पुलिस आयुक्त ने दिए प्रभावी संचालन के निर्देश

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पुलिस आयुक्त जे. रविंदर गौड़ की अध्यक्षता में पुलिस कार्यालय में मिशन शक्ति केंद्रों के प्रभारियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा गोष्ठी आयोजित की गई। बैठक में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मुख्यालय एवं अपराध केशव कुमार चौधरी, सहायक पुलिस आयुक्त महिला अपराध, मिशन शक्ति केंद्रों के प्रभारी तथा अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान पुलिस आयुक्त ने मिशन शक्ति केंद्रों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए महिलाओं को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने और जनविश्वास को और अधिक मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मिशन शक्ति केंद्रों का संचालन निर्धारित स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर के अनुरूप सुनिश्चित किया जाए, ताकि महिलाओं और बालिकाओं को एक ही स्थान पर सुरक्षा, सहायता, परामर्श तथा अन्य आवश्यक पुलिस सेवाएं गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराई जा सकें। पुलिस आयुक्त ने कहा कि मिशन शक्ति केंद्रों पर प्राप्त होने वाली प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लिया जाए और उसका समयबद्ध, निष्पक्ष तथा गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए

कि किसी भी शिकायत के समाधान में अनावश्यक विलंब न हो तथा प्रत्येक मामले की नियमित निगरानी की जाए। साथ ही पीड़ित महिलाओं को आवश्यक सहायता और उचित मार्गदर्शन भी उपलब्ध कराया जाए, ताकि उन्हें न्याय मिलने में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। समीक्षा बैठक में महिलाओं और बालिकाओं के लिए संचालित जन-जागरूकता कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी बनाने पर भी चर्चा हुई। पुलिस आयुक्त ने कहा कि अधिक से अधिक महिलाओं तक उपलब्ध सुविधाओं, कानूनी अधिकारों और सुरक्षा संबंधी सेवाओं की जानकारी पहुंचाई जाए। उन्होंने महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता, गोपनीयता और मानवीय दृष्टिकोण अपनाने पर विशेष बल दिया तथा त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मिशन शक्ति केंद्र महिलाओं की सुरक्षा और सहायता का एक महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इसलिए सभी अधिकारी और कर्मचारी पूरी जिम्मेदारी, संवेदनशीलता और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें, जिससे प्रत्येक पीड़ित महिला को शीघ्र न्याय, आवश्यक सहयोग और सुरक्षित वातावरण मिल सके। बैठक के अंत में उन्होंने अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए मिशन शक्ति केंद्रों की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित बनाने के निर्देश दिए, ताकि महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण के उद्देश्यों को बेहतर ढंग से साकार किया जा सके।

केंद्रीय विद्यालयों में दूसरी पाली शुरू करने की मांग, सांसद ने शिक्षा मंत्री को सौंपा ज्ञापन

मोदीनगर (शिखर समाचार)। बागपत मोदीनगर लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान ने नई दिल्ली में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात कर गाजियाबाद, मेरठ और बागपत के केंद्रीय विद्यालयों में विद्यार्थियों की लगातार बढ़ती संख्या को देखते हुए दूसरी पाली शुरू करने तथा अतिरिक्त कक्षाओं की स्वीकृति देने की मांग उठाई। इस संबंध में उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री को एक विस्तृत ज्ञापन भी सौंपा। डॉ. राजकुमार सांगवान ने बताया कि दिल्ली और नोएडा के कई केंद्रीय विद्यालयों में विद्यार्थियों की बढ़ती संख्या के कारण दूसरी पाली का संचालन सफलतापूर्वक किया जा रहा है, जिससे अधिक से अधिक छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिल रहा है। इसके विपरीत राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का हिस्सा होने के बावजूद गाजियाबाद, मेरठ और बागपत के केंद्रीय विद्यालयों में ऐसी व्यवस्था पर्याप्त रूप से उपलब्ध नहीं है। उन्होंने कहा कि इन तीनों जनपदों में बड़ी संख्या में आर्थिक रूप से कमजोर तथा मेधावी विद्यार्थी केंद्रीय विद्यालयों में प्रवेश के इच्छुक रहते हैं, लेकिन सीमित सीटों और स्वीकृत

कक्षाओं की संख्या कम होने के कारण अनेक पात्र छात्र प्रवेश से वंचित रह जाते हैं। सांसद ने कहा कि प्रवेश नहीं मिलने की स्थिति में अभिभावकों को मजबूरीवश महंगे निजी विद्यालयों में बच्चों का दाखिला कराना पड़ता है, जिससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता है। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री से अनुरोध किया कि विद्यार्थियों और अभिभावकों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए गाजियाबाद, मेरठ और बागपत के सभी केंद्रीय विद्यालयों में शीघ्र दूसरी पाली शुरू कराने के साथ अतिरिक्त कक्षाओं की भी स्वीकृति प्रदान की जाए। उन्होंने विश्वास जताया कि इस मांग पर सकारात्मक निर्णय होने से हजारों विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ मिल सकेगा।

परिवर्तन योजना: पुराने ट्रक-बस स्क्रैप करने पर 10 साल तक टैक्स में राहत, नए वाहन पर पंजीकरण शुल्क भी माफ

हापुड़ (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण कम करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा लागू परिवर्तन योजना के तहत पुराने बीएस-3 और बीएस-4 ट्रक एवं बसों को स्क्रैप कर नए या इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने पर वाहन स्वामियों को कर और शुल्क में विशेष राहत मिलेगी। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) छवि सिंह एवं एआरटीओ रमेश चंद ने बताया कि योजना का लाभ केवल एनसीआर में पंजीकृत बीएस-1 से बीएस-4 श्रेणी के ट्रक एवं बस मालिकों को मिलेगा। अधिसूचना जारी होने की तिथि से दो वर्ष के भीतर आवेदन किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि पुराने वाहनों को अधिकृत स्क्रैपिंग सेंटर (आरवीएसएफ) में स्क्रैप कराना अनिवार्य होगा। बीएस-4 वाहनों को एनसीआर से बाहर भी बेचा जा सकता है। प्रतिस्थापन में खरीदा जाने वाला नया वाहन इलेक्ट्रिक अथवा नया होना चाहिए तथा उसका पंजीकरण एनसीआर में होना आवश्यक है। योजना के तहत नए वाहन के पंजीकरण पर 10 वर्ष तक 100 प्रतिशत मोटर वाहन कर एवं पंजीकरण शुल्क में छूट मिलेगी। यदि बीएस-4 वाहन को एनसीआर से बाहर बेचकर नया वाहन खरीदा जाता है तो 10 वर्ष तक 50 प्रतिशत कर में छूट का प्रावधान है। इसके अलावा एक वर्ष से अधिक के बकाया कर एवं शास्ति भी माफ की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि वाहन निमार्ता कंपनियां नए वाहन की खरीद पर 8 प्रतिशत तक अग्रिम छूट देंगी। डीजल और सीएनजी वाहनों के लिए पांच वर्ष तक ब्याज अनुदान तथा मासिक ईंधन वाउचर का भी लाभ मिलेगा।

2 सगे भाइयों ने मिलकर माता-पिता को उतारा मौत के घाट, पुलिस ने लिया हिरासत में

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र के भीम नगर में एक दिल दहला देने वाली डबल मर्डर की वारदात हुई है। यहां दो सगे भाइयों पर अपने ही माता-पिता की हत्या करने का आरोप लगा है। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने दोनों आरोपित भाइयों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है और मामले की गहन जांच की जा रही है। इसी कड़ी में थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र के भीम नगर में गंगाशरण अपने परिवार के साथ रहते थे। परिवार में उनकी पत्नी विमलेश, दो बेटे दीपक और ललित भी शामिल थे। बताया जा रहा है कि परिवार के सदस्यों के बीच लंबे समय से संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा था और अक्सर किसी न किसी बात को लेकर झगड़े होते रहते थे। घरेलू मुद्दे को लेकर परिवार के सदस्यों के बीच विवाद शुरू हुआ, जो देखते ही देखते इतना बढ़ गया कि हिंसक रूप ले लिया। विवाद के दौरान गंगाशरण और उनकी पत्नी विमलेश पर हमला किया गया, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल दंपति को उपचार

के लिए अस्पताल भिजवाया। हालांकि अस्पताल में डॉक्टरों ने उपचार के दौरान दोनों को मृत घोषित कर दिया। माता-पिता की मौत की खबर मिलते ही क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल बन गया। पड़ोसियों और स्थानीय लोगों का कहना है कि परिवार में लंबे समय से तनाव की स्थिति बनी हुई थी। आए दिन होने वाले विवादों के कारण आसपास रहने वाले लोग भी परेशान रहते थे। कई बार परिवार के बीच हुए झगड़ों की आवाजें बाहर तक सुनाई देती थीं। इसके अलावा मृतक गंगाशरण क्षेत्र में अखबार की न्यूज एजेंसी चलाते थे और अपने काम के कारण इलाके में अच्छी पहचान रखते थे।वह चाहते थे कि उनके दोनों बेटे कोई रोजगार या नौकरी करें और परिवार की जिम्मेदारियों में हाथ बंटाएं। लेकिन दोनों बेटे बेरोजगार थे। यही बात अक्सर परिवार के भीतर विवाद का कारण बनती थी। दीपक और ललित दोनों की शादी हो चुकी है और उनके बच्चे भी हैं। हालांकि बेरोजगारी और पारिवारिक विवादों के कारण उनकी पत्नियां और बच्चे उनके साथ नहीं रहते थे। गंगाशरण अपने बेटों को लगातार नौकरी करने और जीवन में जिम्मेदार बनने की सलाह देते थे, लेकिन इसी बात को लेकर अक्सर घर में कहासुनी और विवाद होता रहता था। दोनों बेटे संपत्ति अपने नाम पर करवाना चाहते थे और इसी बात को लेकर पहले कहासुनी हुई और फिर मामला मारपीट तक पहुंच गया। विवाद इतना बढ़ गया कि गंगाशरण और उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। जब तक पुलिस और अन्य लोग मौके पर पहुंचते, दोनों की हालत बेहद नाजुक हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए और मामले की जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच के आधार पर पुलिस ने दोनों बेटों दीपक और ललित को हिरासत में ले लिया है। उनसे पूछताछ की जा रही है ताकि घटना के पीछे की वास्तविक वजह सामने आ सके।

आईटीएस स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में एस्पिरेशन्स-2026 का शुभारंभ, उद्योग विशेषज्ञों ने साझा किए सफलता के सूत्र

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मोहन नगर स्थित आईटीएस स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में पीजीडीएम (2026-28) के 31वें बैच के स्वागत के लिए आयोजित पांच दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम 'एस्पिरेशन्स-2026' का शुभारंभ उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। संस्थान के निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय कुमार ने नवप्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें आत्मविश्वास, चरित्र निर्माण, प्रभावी संवाद, टीम भावना और निरंतर सीखने की आदत विकसित करने का संदेश दिया। उन्होंने संस्थान की शैक्षणिक उपलब्धियों, उत्कृष्ट प्लेसमेंट और मूल्य आधारित शिक्षा व्यवस्था की भी जानकारी दी।

पीजीडीएम चेयरपर्सन डॉ. डी.के. पाण्डेय ने विद्यार्थियों से ओरिएंटेशन कार्यक्रम के प्रत्येक सत्र में सक्रिय

सहभागिता करने का आह्वान किया। वहीं आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के जनसंपर्क निदेशक सुरेन्द्र सूद ने युवाओं से केवल रोजगार तलाशने के बजाय रोजगार सृजित करने की सोच विकसित करने का आग्रह किया।

उद्घाटन सत्र में उद्योग जगत के कई वरिष्ठ विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। पीबी फिनटेक (पॉलिसीबाजार एवं पैसाबाजार) के ग्रुप प्रेसिडेंट राजीव कुमार गुप्ता ने ईमानदारी, मजबूत व्यावसायिक नेटवर्क और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रभावी उपयोग को सफलता की आधारशिला बताया। हीरो साइकिल्स लिमिटेड के मुख्य महाप्रबंधक नारायण ने सकारात्मक सोच, जिम्मेदारी और व्यक्तिगत पहचान के महत्व पर प्रकाश डाला। ईएक्सएल के उपाध्यक्ष (रणनीतिक भागीदारी एवं गठबंधन) विनय आनंद ने बदलते कारोबारी परिवेश में स्वयं को निरंतर अपडेट रखने की आवश्यकता बताई। ऑटोब्रिज के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी धीरज त्रिपाठी ने उद्देश्य, लोगों और सिद्धांतों को प्रभावी नेतृत्व का आधार बताया, जबकि रेटिनाएचआर प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेश त्रिपाठी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के साथ मानवीय बुद्धिमत्ता विकसित करने पर बल दिया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने नेतृत्व, नवाचार, नैतिक मूल्यों और कॉर्पोरेट जगत की अपेक्षाओं से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। संस्थान के अनुसार यह ओरिएंटेशन कार्यक्रम विद्यार्थियों के सफल प्रबंधकीय करियर की मजबूत शुरूआत साबित होगा।

संक्षिप्त समाचार

बारिश थमी लेकिन घरों में अब भी भरा पानी, टुल्लू पंप से निकाल रहे

गोरखपुर। बारिश कम होने के बाद भी शहर में परेशानी कम नहीं हुई है। खरैया पोखरा, बशारतपुर स्थित भोलाजीपुरम कॉलोनी के करीब 10 घरों में पानी भर गया है। लोग टुल्लू पंप लगाकर पानी बाहर निकाल रहे हैं लेकिन स्थायी समाधान नहीं होने से समस्या बनी हुई है। लोगों ने नगर निगम से जलनिकासी कराने की मांग की है। कॉलोनी निवासी श्रवण शर्मा के घर के नीचे के सभी कमरों में पानी भर गया है। रविवार को भी वह टुल्लू पंप से पानी निकालते रहे। कमरों में पानी भरने से घरेलू सामान भीगकर खराब हो गया है। उनका पूरा परिवार दूसरी मंजिल पर रहने को मजबूर है। इसी कॉलोनी में रहने वाले सोनू और अलीसा के घर में भी पानी भरा हुआ है। दोनों परिवार टुल्लू पंप लगाकर पानी बाहर निकाल रहे हैं। कमरों में रखा फर्नीचर, बिस्तर और अन्य सामान भीग गया है। घरों में नमी और गंदगी बढ़ रही है, जिससे बीमारी फैलने का भी डर सता रहा है। मोहल्ले के आशुतोष का कहना है कि हर बार बारिश के बाद यही स्थिति बन जाती है।

राप्ती कॉम्प्लेक्स में जलभराव से व्यापारियों को हुआ लाखों का नुकसान

गोरखपुर , एजेंसी। पिछले दो दिनों की बारिश ने असुरन स्थित राप्ती कॉम्प्लेक्स के व्यापारियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। शनिवार को कॉम्प्लेक्स की कई दुकानों में पानी घुसने से लाखों रुपये का सामान भीगकर खराब हो गया। रविवार को पानी तो कुछ कम हुआ लेकिन परिसर में कीचड़ फैले रहने से ग्राहकों की आवाजाही कम रही। इससे व्यापार प्रभावित हुआ। व्यापारियों ने रविवार का पूरा दिन दुकानों की सफाई, पानी निकालने और भीगे हुए सामान को अलग करने में बिताया। सबसे अधिक नुकसान गारमेंट और कॉस्मेटिक कारोबारियों को हुआ। बारिश के कारण कई दुकानों में रखा नया स्टॉक भी खराब हो गया। व्यापारियों का कहना है कि अभी बारिश का मौसम शुरू ही हुआ है और यदि लगातार तेज बारिश हुई तो स्थिति और गंभीर हो सकती है ।शनिवार को मेयर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव व नगर आयुक्त अजय जैन ने राप्ती कॉम्प्लेक्स का निरीक्षण कर हालात का जायजा लिया था। इसके बावजूद व्यापारियों का कहना है कि जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान जरूरी है। उन्होंने कहा कि वे जल्द ही जनप्रतिनिधियों से मिलकर हुए नुकसान और जलनिकासी की समस्या से अवगत कराएंगे।

15 सेंटीमीटर बढ़ा गंगा का जलस्तर, छोटी नावों पर रोक की तैयारी

वाराणसी , एजेंसी। गंगा का जलस्तर रविवार को बढ़कर 60.82 मीटर पहुंच गया। शनिवार को शीतला घाट का आरती स्थल जलमग्न हो गया था। अब पानी उसके ऊपर की सीढ़ियों तक पहुंच गया है। इसे देखते हुए जल पुलिस छोटी नावों के संचालन पर रोक लगाने की तैयारी में है ।केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के आंकड़ों के अनुसार शनिवार को गंगा का जलस्तर 60.67 मीटर था। रविवार को इसमें 15 सेंटीमीटर की बढ़ोतरी दर्ज की गई। पिछले वर्ष 19 जुलाई को गंगा का जलस्तर 65.34 मीटर था। गंगा का जलस्तर औसतन तीन सेंटीमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ रहा है। जलस्तर बढ़ने से स्थानीय लोगों के साथ ही धार्मिक गतिविधियां भी प्रभावित हो रही हैं। इसे देखते हुए जल पुलिस और एनडीआरएफ ने सतर्कता बढ़ा दी है। एनडीआरएफ के नवागत सीओ अनूप सिंह बिष्ट ने बताया कि लगातार बढ़ते जलस्तर को देखते हुए नावों के संचालन पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। सबसे पहले हस्तचलित नावों का संचालन बंद कराया जाएगा। इसके अलावा किसी भी नाव का संचालन बिना लाइफ जैकेट के नहीं होने दिया जाएगा।

स्पर्श के डर और कोविड की यादों में घूमता है अजानुबाहु

बरेली, एजेंसी। दूर से देखने पर कार्ल सेगन को यह धरती ब्रह्मांड में धुंधले नीले बिंदु सी नजर आई थी। दया दृष्टि चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष और रंग विनायक रंगमंडल के मुख्य संरक्षक डॉ. ब्रजेश्वर सिंह का नाटक 'पेल ब्लू डॉट' इसका ठीक उल्टा करता है। एक पुरानी याद, अंगुलियों से फिसलता रिश्ता, गुजरे हुए कल का डरावना सच, कुछ कविताएं, एक अधूरा गीत इस नाटक में ब्रह्मांड जितना बड़ा लगता है ।रविवार को विंडरमेयर थिएटर में मंचित इस नाटक का कथानक स्पर्श के डर से जूझते अजानुबाहु की कहानी और कोविड के जाल में फंसी दुनिया के इर्द-गिर्द घूमता है। नाटक कोविड के भयावह दौर से शुरू होता है, मगर अजानुबाहु के अतीत से हर पल जुड़ा रहता है। कोविड के कारण सारे लोग छूने से डरते हैं, मगर अजानुबाहु तो न जाने कब से स्पर्श से सहमा रहा है। अजानुबाहु के अपने एक-एक करके कोविड का शिकार हो रहे हैं और वह पागल होता जा रहा है। आखिर में एक ऐसा किरदार अजानुबाहु को बचाने आता है, जिसके आने की कोई उम्मीद नहीं थी। मगर अब बहुत देर हो चुकी है। अगर कुछ बचा है तो सिर्फ यादें, कविताएं और दिल को हिलाकर रख देने वाली खामोशी। भरी-पूरी दुनिया महज़ 'पेल ब्लू डॉट' बनकर रह जाती है।

श्रावण मास में मांस-मदिरा की दुकानें बंद रखने की मांग, शामली में बोले विनीत अग्रवाल शारदा

शामली (शिखर समाचार)। भारतीय जनता पार्टी व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक एवं श्री अग्रसेन सेवा ट्रस्ट उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष विनीत अग्रवाल शारदा ने श्रावण मास और कांवड़ यात्रा के दौरान प्रदेश में मांस एवं मदिरा की दुकानें बंद रखने की मांग की। उन्होंने कांवड़ मार्ग पर स्थित दुकानों पर संचालकों के नाम स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किए जाने की भी बात कही। मंगलवार को शामली में आयोजित पत्रकार वार्ता में विनीत अग्रवाल शारदा ने कहा कि मेरठ में निमार्णाधीन श्री अग्रोधाम देश का दूसरा सबसे भव्य अग्रोधाम होगा, जो सनातन संस्कृति, सेवा, संस्कार और सामाजिक समरसता का प्रमुख केंद्र बनेगा। उन्होंने बताया कि श्री अग्रसेन सेवा ट्रस्ट ने संगठन के विस्तार के लिए उत्तर प्रदेश को छह क्षेत्रों-पश्चिम उत्तर प्रदेश, ब्रज, कानपुर-बुंदेलखंड, अवध, गोरखपुर-गोरक्षेत्र और काशी-में विभाजित कर प्रत्येक क्षेत्र एवं जनपद में संगठनात्मक इकाइयों के गठन का निर्णय लिया है। इसी क्रम में सर्वसम्मति से विशाल गुप्ता को श्री अग्रसेन सेवा ट्रस्ट, शामली का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया। उन्होंने बताया कि मेरठ में बन रहे श्री अग्रोधाम परिसर में महाराजा अग्रसेन का भव्य मंदिर, कुलदेवी महालक्ष्मी मंदिर, शिव-पार्वती परिवार मंदिर, भगवान शिव मंदिर, विशाल यज्ञशाला, सभागार, वरिष्ठ नागरिकों के लिए आधुनिक वृद्धाश्रम, 72 स्टूडियो अपार्टमेंट तथा लगभग 50 शैय्या वाला आधुनिक अस्पताल स्थापित किया जा रहा है।विनीत अग्रवाल शारदा ने मुख्यमंत्री से मांग की कि श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखते हुए मांस एवं मदिरा की दुकानों पर आवश्यक प्रतिबंध लगाने अथवा उन्हें बंद रखने पर विचार किया जाए। कार्यक्रम का संयोजन विशाल गुप्ता ने किया। इस अवसर पर अरविन्द संगल, राजेश गोयल, दीपक गुप्ता, वैभव गोयल, परवीन अग्रवाल, पवन बजरंगी, गौरीशंकर, रमेश अग्रवाल, शुभम तायल, चंचल गोयल, अमित बंसल, तरण अग्रवाल, महेश गोयल, अंकित गुप्ता और अमित मित्तल सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

कांवड़ यात्रा के लिए मेरठ परिक्षेत्र में 1,242 संकेतक लगाए जाएंगे

शामली (शिखर समाचार)। भारतीय जनता पार्टी व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक एवं श्री अग्रसेन सेवा ट्रस्ट उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष विनीत अग्रवाल शारदा ने श्रावण मास और कांवड़ यात्रा के दौरान प्रदेश में मांस एवं मदिरा की दुकानें बंद रखने की मांग की। उन्होंने कांवड़ मार्ग पर स्थित दुकानों पर संचालकों के नाम स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किए जाने की भी बात कही।

मंगलवार को शामली में आयोजित पत्रकार वार्ता में विनीत अग्रवाल शारदा ने कहा कि मेरठ में निमार्णाधीन श्री अग्रोधाम देश का दूसरा सबसे भव्य अग्रोधाम होगा, जो सनातन संस्कृति, सेवा, संस्कार और सामाजिक समरसता का प्रमुख केंद्र बनेगा। उन्होंने बताया कि श्री अग्रसेन सेवा ट्रस्ट ने संगठन के विस्तार के लिए उत्तर प्रदेश को छह क्षेत्रों-पश्चिम उत्तर प्रदेश, ब्रज, कानपुर-बुंदेलखंड, अवध, गोरखपुर-गोरक्षेत्र और काशी-में विभाजित कर प्रत्येक क्षेत्र एवं जनपद में संगठनात्मक इकाइयों के गठन का निर्णय लिया है। इसी क्रम में सर्वसम्मति से विशाल गुप्ता को श्री अग्रसेन सेवा ट्रस्ट, शामली का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया।

उन्होंने बताया कि मेरठ में बन रहे श्री अग्रोधाम परिसर में महाराजा अग्रसेन का भव्य मंदिर, कुलदेवी महालक्ष्मी मंदिर, शिव-पार्वती परिवार मंदिर, भगवान शिव मंदिर, विशाल यज्ञशाला, सभागार, वरिष्ठ नागरिकों के लिए आधुनिक वृद्धाश्रम, 72 स्टूडियो अपार्टमेंट तथा लगभग 50 शैय्या वाला आधुनिक अस्पताल स्थापित किया जा रहा है।

विनीत अग्रवाल शारदा ने मुख्यमंत्री से मांग की कि श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखते हुए मांस एवं मदिरा की दुकानों पर आवश्यक प्रतिबंध लगाने अथवा उन्हें बंद रखने पर विचार किया जाए। कार्यक्रम का संयोजन विशाल गुप्ता ने किया। इस अवसर पर अरविन्द संगल, राजेश गोयल, दीपक गुप्ता, वैभव गोयल, परवीन अग्रवाल, पवन बजरंगी, गौरीशंकर, रमेश अग्रवाल, शुभम तायल, चंचल गोयल, अमित बंसल, तरण अग्रवाल, महेश गोयल, अंकित गुप्ता और अमित मित्तल सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

अलीगढ़ में बने पोर्क के व्यंजनों का लुत्फ उठाएंगे एशिया और यूरोप वाले

अलीगढ़ , एजेंसी। भैंस के मांस (बफैलो मीट) निर्यात से दुनिया में पहचान बना चुका अलीगढ़ अब सुअर के मांस (पोर्क) से बने उत्पादों के क्षेत्र में कदम बढ़ाने वाला है।

सीडीएफ के छेरत स्थित औद्योगिक क्षेत्र में तीन लाख वर्गफीट क्षेत्रफल में पोर्क एक्सपोर्ट यूनिट स्थापित करने की तैयारी शुरू हो गई है। यहां पोर्क से चिप्स, सॉसेस, रेडी टू ईट उत्पाद बनाए जाएंगे। इन्हें पहले एशिया और बाद में यूरोप के देशों में निर्यात किया जाएगा। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) से स्वीकृत शहर में स्थापित होने वाली यह पुणे के बाद देश की दूसरी सबसे बड़ी व आधुनिक यूनिट होगी।

दिल्ली की कंपनी बेरीना फूड्स लिमिटेड ने यूनिट की स्थापना के लिए सीडीएफ छेरत में 1.25 लाख रुपये महीने के किराये पर भूमि ली है। सालाना 100 करोड़ रुपये के टर्नओवर का लक्ष्य रखा गया है। स्थानीय स्तर पर लोगों को इससे रोजगार भी मिलेगा। वर्तमान में अलीगढ़ में बफैलो मीट की सात एक्सपोर्ट यूनिटें कार्यरत हैं जिनका सालाना टर्नओवर लगभग 7300 करोड़ रुपये तक है।

स्थानीय स्तर पर लार्ज व्हाइट यार्कशायर, हैम्पशायर, घुंघरू और देसी नस्ल के सूअर की प्रजातियां अच्छी मात्रा में उपलब्ध हैं। एक्सपोर्ट यूनिट 220 रुपये किलो के भाव से इनकी खरीद करेगी। फिलहाल इसका स्थानीय भाव 180 रुपये किलो तक है। इससे शूकर पालन को बढ़ावा मिलने के साथ पालकों की आय बढ़ेगी।

अमेरिका व्यापार समझौते और गन्ना भुगतान को लेकर कलेक्ट्रेट पर गरजे किसान

बिजनौर (शिखर समाचार)। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के बैनर तले मंगलवार को जिलेभर से आए किसानों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट पर जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। ट्रैक्टर-ट्रालियों के बड़े काफिले के साथ पहुंचे किसानों ने सरकार और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। किसानों का काफिला चक्कर चौराहे से रेलवे फाटक, शक्ति चौराहा और नुमाइश ग्राउंड होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचा, जिससे शहर के प्रमुख मार्गों पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा। धरने को संबोधित करते हुए किसान नेताओं ने केंद्र सरकार के प्रस्तावित अमेरिका व्यापार समझौते का विरोध करते हुए कहा कि इससे देश के किसानों के हित प्रभावित होंगे और कृषि क्षेत्र पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। किसानों ने बिलाई चीनी मिल पर बकाया गन्ना मूल्य का तत्काल भुगतान कराने की मांग उठाई। साथ ही आरोप लगाया कि किसानों पर बिना निष्पक्ष जांच के मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं। विद्युत विभाग द्वारा उपभोक्ताओं की सहमति के बिना विद्युत भार बढ़ाए जाने पर भी नाराजगी व्यक्त करते हुए इसे किसानों और आम उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बताया। किसानों ने प्रशासन के माध्यम से सरकार को ज्ञापन सौंपकर राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण के लिए अधिग्रहित भूमि का बाजार मूल्य के अनुसार मुआवजा देने, सर्किल रेट में वृद्धि करने, गुलदार, हाथी और अन्य जंगली जानवरों से किसानों एवं फसलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, रावली से बालावाली तथा जलीलपुर के सामने गंगा किनारे पक्का तटबंध बनाने तथा यूरिया, डीएपी सहित सभी उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की। प्रदर्शन में जिला अध्यक्ष सुनील प्रधान, राजेंद्र सिंह, अंकुर चौधरी, दिनेश कुमार, राम अवतार सिंह, नरदेव सिंह, मुकेश, कुलदीप सिंह, संदीप त्यागी, विनीत मौर्य सहित भाकियू (टिकैत) के सैकड़ों पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। किसान नेताओं ने चेतावनी दी कि मांगों पर ठोस और लिखित कार्रवाई नहीं होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

युवती से बनाए संबंध, फिर दोस्तों ने भी लूटी अस्मत सामूहिक दुष्कर्म के बाद फरेबी ने दिया एक और दर्द

आगरा, एजेंसी। आगरा के इरादतनगर गांव के युवक ने 18 वर्षीय युवती को अपने जाल में फंसाया। उसे बहला कर खेत में लेकर गया। खुद संबंध बनाए और फिर दोस्तों के आगे परोस दिया। दोस्तों ने भी उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म कर डाला। युवती युवक से गुहार लगाती रही पर आरोपी नहीं माने। उसका आपत्तिजनक वीडियो भी बना लिया। किसी से शिकायत करने पर वीडियो वायरल कर बदनाम करने की धमकी दी। एक महीने बाद एक दोस्त ने वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इस पर पुलिस ने वीडियो को संज्ञान में लेकर आरोपी और उसके दोस्त पर प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया। मामले में तीन आरोपियों को नामजद किया गया है।

रविवार को इरादतनगर क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली युवती का आपत्तिजनक अवस्था में वीडियो वायरल हुआ है।वीडियो में युवती खेत में आपत्तिजनक अवस्था में रो -रोकर युवक पर धोखा देने का आरोप लगा रही है। अब मैं तुम पर विश्वास नहीं करूंगी। मैंने तुम पर भरोसा किया और तुमने मेरे साथ क्या किया। पीड़िता रोते हुए हाथ जोड़ रही है। उसे छोड़ने के लिए कह रही है। अन्य युवक हंसते हुए मजाक उड़ा रहे हैं। उसी वीडियो में एक अन्य स्थान का वीडियो भी एडिट कर जोड़ा गया है। वीडियो बनाने वाला दो युवकों से युवती के साथ गलत काम करने के बारे में आपत्तिजनक बातें पूछ रहा है। युवक भी खुद के गलत काम करने के बारे में बता रहे हैं। इसी दौरान एक अन्य युवक बाइक से आता है और युवती के साथ हुई घटना के बारे में आपत्तिजनक चर्चा कर रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने संज्ञान लिया।

डीसीपी पूर्वी अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि पुलिस टीम ने पहले वीडियो में दिख रही युवती का पता लगाया। जानकारी हुई की वीडियो एक माह पूर्व बनाया गया था। पीड़िता ने पूछताछ में बताया कि 17 जून को गांव का युवक छोटे उनके घर आया। कहा कि तुम्हारी मां खेत पर गुटखा मंगा रही हैं। वह दुकान से गुटखा लेकर खेत जाने लगी।

रास्ते में छोटे,विशाल और आकाश ने रोक लिया। आकाश ने हाथ पकड़े और खेत में ले गया। छोटे ने दुष्कर्म किया और विशाल ने वीडियो बना लिया। वीडियो वायरल करने की धमकी देकर बीच-बीच में मिलते रहने के लिए कहा। वह डर गई थी इसलिए शिकायत नहीं की। आज पता चला कि आरोपियों ने उसका वीडियो वायरल कर दिया।

पुलिस ने छोटे और विशाल को हिरासत में लिया है। युवती की तहरीर पर सामूहिक दुष्कर्म और आईटी एक्ट समेत अन्य धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। जांच के बाद अगर कोई अन्य भी शामिल पाया गया तो उनके भी नाम दर्ज किए जाएंगे।

बिजली नहीं आने पर बिजलीघर पर जड़ दिया ताला

अलीगढ़ , एजेंसी। भीषण गर्मी और उमस में शनिवार को कई घंटे बिजली नहीं आने से भड़के कटरा मलोई और गांगरौल के किसान विजयगढ़ बिजलीघर पहुंचे और नारेबाजी करते हुए ताला जड़ दिया। किसानों ने कहा कि जब तक उनके गांव की बिजली नहीं आएगी, तब तक कहीं और भी आपूर्ति नहीं होने देंगे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीन घंटे की मशक्कत के बाद ताला खुलवाया। शुक्रवार को भी रात भर बिजली नहीं आई थी, शनिवार को भी संकट होने से किसान भड़क गए थे।

किसान शनिवार रात आठ बजे बिजलीघर पर पहुंचे। उन्होंने एसएसओ रामशरण फौजी से कहा कि गांव की बिजली गुल है, धान की रोपाई चल रही है। नलकूप नहीं चलने से रोपाई में दिक्कत आ रही है। एसएसओ ने बताया कि लाइनमैन शाम सात बजे नलकूप की लाइन जोड़कर आए हैं। इसी बीच तकनीकी खराबी से रात आठ बजे फिर बिजली चली गई।

इससे गुस्साए लोग इकट्ठा होकर बिजलीघर पहुंच गए और एसएसओ से कहा कि कस्बा व क्षेत्र की आपूर्ति बंद करें, जब उन्हें बिजली नहीं मिल रही तब तक दूसरे क्षेत्र में भी आपूर्ति नहीं होने देंगे। ग्रामीणों ने रात नौ बजे पूरे क्षेत्र की आपूर्ति बंद करा दी। बिजली घर पर ताला लगा दिया और चाभी लेकर सभी लोग फर्श बिछाकर धरना देने लगे। एसएसओ लगातार समझा रहे थे, लेकिन उन्होंने कोई बात नहीं सुनी।इस बीच जिन इलाकों की आपूर्ति ठप की गई, वहां के लोग भी बिजली घर पहुंच गए और उनकी किसानों से कहासुनी होने लगी। इसी बीच सूचना मिलने पर पुलिस भी पहुंच गई।

एमएससी भौतिकी में विश्वविद्यालय टॉपर बने दक्ष नामदेव, स्वर्ण पदक से सम्मानित

शामली (शिखर समाचार)। मां शाकुंभरी विश्वविद्यालय से संबद्ध आरके कॉलेज, शामली के भौतिकी विभाग के छात्र दक्ष नामदेव ने एमएससी भौतिकी परीक्षा में 8.4 सीजीपीए प्राप्त कर विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया है। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के चतुर्थ दीक्षांत समारोह में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल ने उन्हें स्वर्ण पदक प्रदान कर सम्मानित किया। छात्र की सफलता से महाविद्यालय और जनपद में खुशी का माहौल है।

दक्ष नामदेव ने भौतिकी विभागाध्यक्ष एवं शिक्षक डॉ. संजीव कुमार के निर्देशन में अपनी एमएससी शोध परियोजना पूरी की। उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर उन्हें विश्वविद्यालय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त हुआ। मंगलवार को आयोजित चतुर्थ दीक्षांत समारोह में उन्हें एमएससी भौतिकी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक प्रदान किया गया।

दक्ष नामदेव ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों और निरंतर परिश्रम को देते हुए कहा कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत पूरी ईमानदारी से की जाए तो सफलता अवश्य मिलती है। उन्होंने विद्यार्थियों से भी पूरी लगन और अनुशासन के साथ अध्ययन करने का आह्वान किया।

छात्र की उपलब्धि पर आरके कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर एम.के. जल्ली ने बधाई देते हुए कहा कि दक्ष नामदेव की सफलता महाविद्यालय के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों को भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने भी दक्ष नामदेव को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कांवड़ यात्रा को लेकर अंतरजनपदीय समन्वय बैठक, शून्य दुर्घटना लक्ष्य के साथ तैयारियां तेज

बिजनौर (शिखर समाचार)। कांवड़ यात्रा-2026 को सकुशल, शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से बरकातपुर स्थित उत्तम शुगर मिल में बिजनौर तथा पड़ोसी जनपदों के प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों की समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी जसजीत कौर ने करते हुए सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान 'शून्य घटना एवं शून्य दुर्घटना' के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए सभी विभाग पूरी सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ अपनी ड्यूटी निभाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि यातायात परिवर्तन योजना का कड़ाई से पालन कराया जाए तथा शिवभक्त कांवड़ियों को किसी प्रकार की असुविधा न होने दी जाए। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के पड़ोसी जनपदों के अधिकारियों के साथ लगातार समन्वय बनाकर श्रद्धालुओं के सुगम एवं सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि जनपद का नियंत्रण कक्ष पूरी तरह सक्रिय रखा जाए और पड़ोसी जनपदों के नियंत्रण कक्षों से निरंतर संपर्क बनाए रखा जाए। साथ ही रोडवेज बसों का संचालन निर्धारित मार्ग परिवर्तन योजना के अनुरूप कराया जाए तथा सभी वाहनों की गति सीमा का पालन सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिए कि कोई भी चालक नशे की हालत में वाहन न चलाए तथा सभी चालकों को यात्रा अवधि के दौरान पालन किए जाने वाले आवश्यक दिशा-निर्देश उपलब्ध कराए जाएं। बैठक में बिजनौर जनपद के विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा पड़ोसी जनपदों के प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे और कांवड़ यात्रा को सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाने के लिए आवश्यक तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के लक्ष्य समय पर पूरे करने के निर्देश, प्रचार-प्रसार तेज करने पर जोर

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी मेधा रूपम की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में योजना की प्रगति, शासन से प्राप्त लक्ष्य और आगामी कार्ययोजना की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को पात्र लाभार्थियों तक योजना का लाभ पहुंचाने तथा निर्धारित लक्ष्य की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी मेधा रूपम ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना प्रदेश सरकार की महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजना है। सभी संबंधित अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर पात्र जोड़ों के अधिक से अधिक आवेदन कराएं तथा योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करें, ताकि कोई भी पात्र परिवार योजना के लाभ से वंचित न रहे।

मुख्य विकास अधिकारी भाल चंद्र त्रिपाठी ने बताया कि जनपद गौतमबुद्धनगर को 40 जोड़ों के विवाह का लक्ष्य मिला है। इसके लिए सभी अधिशासी अधिकारियों, खंड विकास अधिकारियों और जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी को विशेष अभियान

चलाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने शासन के नए प्रावधानों की जानकारी देते हुए बताया कि अब उपहार सामग्री पर 25 हजार रुपये के स्थान पर 21 हजार रुपये खर्च किए

जाएंगे, जबकि पहले चांदी के सामान के लिए निर्धारित 4 हजार रुपये की राशि अब सीधे लाभार्थी कन्या के बैंक खाते में भेजी जाएगी। इससे बैंक खाते में मिलने वाली सहायता राशि 60 हजार रुपये से बढ़ाकर 64 हजार रुपये हो गई है। विवाह आयोजन के लिए 15 हजार रुपये की व्यवस्था पूर्ववत रहेगी। इस प्रकार प्रति जोड़ा कुल एक लाख रुपये की सहायता प्रदान की जाएगी।

बैठक में बताया गया कि वर्तमान में योजना के अंतर्गत सात आवेदन लंबित हैं। जिलाधिकारी मेधा रूपम ने सभी लंबित आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर सत्यापन कर समयबद्ध तरीके से विवाह संपन्न कराने तथा जनपद को आवंटित लक्ष्य की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी भाल चंद्र त्रिपाठी, तहसीलदार जेवर प्रतीक चौहान, दादरी नगर पालिका की अधिशासी अधिकारी शालिनी गुप्ता तथा समाज कल्याण विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर बीकेयू की पंचायत, यमुना एक्सप्रेसवे पर सुविधाएं बढ़ाने की उठाई मांग

जेवर (शिखर समाचार)। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर मंगलवार को भारतीय किसान यूनियन ने क्षेत्रीय एवं किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर यमुना एक्सप्रेसवे के खुर्जा अंडरपास पर पंचायत आयोजित की। पंचायत में बड़ी संख्या में किसान और क्षेत्रवासी शामिल हुए। इसके बाद संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने नायब तहसीलदार तथा सहायक पुलिस आयुक्त को मुख्यमंत्री एवं संबंधित अधिकारियों के नाम ज्ञापन सौंपकर विभिन्न मांगों के शीघ्र समाधान की मांग की। भारतीय किसान यूनियन के नेता पवन महेंद्र सिंह चौरौली ने कहा कि यमुना एक्सप्रेसवे के खुर्जा अंडरपास पर स्थानीय लोगों की सुविधा के लिए राजमार्ग पर चढ़ने और उतरने हेतु सीढ़ियों का निर्माण कराया जाए। उन्होंने मांग की कि नोएडा आने-जाने वाले स्थानीय किसानों, युवाओं और अन्य जरूरतमंद नागरिकों को आधार कार्ड के आधार पर टोल शुल्क से मुक्त किया जाए। इसके अलावा भूमि अधिग्रहण से जुड़े मामलों, किसानों के लंबित मुआवजे, युवाओं के रोजगार तथा क्षेत्र की अन्य जनसमस्याओं के समाधान की भी मांग उठाई गई। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि प्रशासन ने जल्द ही मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं की तो प्रस्तावित तिरंगा यात्रा केवल जेवर तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि यमुना एक्सप्रेसवे पर भी निकाली जाएगी। उन्होंने कहा कि भारतीय किसान यूनियन किसानों और क्षेत्रवासियों के अधिकारों की रक्षा के लिए लगातार संघर्ष करती रहेगी और किसी भी स्तर पर उनके हितों से समझौता नहीं किया जाएगा।

महापंचायत में जाने से पहले गीता भाटी को किया नजरबंद, भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के विरोध में सौंपा ज्ञापन

रबूपुरा (शिखर समाचार)। भारत-अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते के विरोध में दिल्ली के किसान घाट पर आयोजित संयुक्त किसान महापंचायत में शामिल होने जा रही भारतीय किसान यूनियन (महासभा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष गीता भाटी को पुलिस ने उनके आवास पर नजरबंद कर दिया। संगठन का आरोप है कि पुलिस लगातार दो दिन तक उनके आवास पर तैनात रही, जिसके कारण संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता दिल्ली में आयोजित महापंचायत में शामिल नहीं हो सके। इसके बाद संगठन की ओर से प्रशासनिक अधिकारियों एवं थाना प्रभारी के माध्यम से प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन में भारत-अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते को तत्काल निरस्त करने की मांग की गई। संगठन का कहना है कि इस समझौते से किसानों, मजदूरों, छोटे व्यापारियों तथा आम जनता के हित प्रभावित हो सकते हैं। भारतीय किसान यूनियन (महासभा) ने कहा कि किसी भी अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक समझौते में किसानों के हितों की अनदेखी स्वीकार नहीं की जाएगी। संगठन ने आशंका जताई कि यदि यह समझौता लागू हुआ तो न्यूनतम समर्थन मूल्य व्यवस्था, सरकारी खरीद, डेयरी, गन्ना, गेहूं, धान, दलहन, फल, सब्जियां सहित अन्य कृषि उत्पादों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इससे देश की खाद्य सुरक्षा और आत्मनिर्भर कृषि व्यवस्था भी प्रभावित होने की संभावना है। संगठन ने केंद्र सरकार से मांग की कि कृषि क्षेत्र से जुड़े किसी भी महत्वपूर्ण निर्णय से पहले किसान संगठनों से व्यापक स्तर पर विचार-विमर्श किया जाए। संगठन ने स्पष्ट किया कि किसानों के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए उसका संघर्ष लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीके से आगे भी जारी रहेगा। इस दौरान संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

उद्योग विहार एक्सटेंशन में घर-घर कूड़ा संग्रहण शुरू, अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में भी मिलेगी सुविधा

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने उद्योग विहार एक्सटेंशन, इकोटेक-2 में मंगलवार से घर-घर कूड़ा संग्रहण व्यवस्था शुरू कर दी है। लंबे समय से इस सुविधा की मांग कर रहे उद्यमियों को अब राहत मिल गई है। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि चरणबद्ध तरीके से अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में भी यह व्यवस्था लागू की जाएगी। प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एनजी रवि कुमार के निर्देश पर यह पहल की गई है। इंडस्ट्रियल बिजनेस एसोसिएशन की मांग पर अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सेवा शुरू कराई। इस दौरान अपर महाप्रबंधक आरडी पांडेय, वरिष्ठ प्रबंधक (स्वास्थ्य) चेतराम सिंह तथा स्वास्थ्य एवं निर्माण विभाग की टीम ने एसोसिएशन के अध्यक्ष अमित कुमार उपाध्याय, कोषाध्यक्ष राकेश अग्रवाल, वरिष्ठ उद्यमी चंचल कुमार और जेड रहमान की मौजूदगी में व्यवस्था का शुभारंभ

कराया।

निरीक्षण के दौरान प्राधिकरण की टीम ने क्षेत्र में सफाई, कूड़ा निस्तारण और जल निकासी व्यवस्था का जायजा लिया तथा एक सप्ताह के भीतर आवश्यक कार्य पूरे कराने का आश्वासन दिया। साथ ही सड़क सुधार, अतिक्रमण हटाने, पौधरोपण, हरित पट्टी के विकास, स्ट्रीट लाइट, श्रमिक सुविधा केंद्र और सार्वजनिक शौचालय जैसी आधारभूत सुविधाओं के विकास पर भी जोर दिया गया। प्राधिकरण ने इकोटेक-2 को आदर्श औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकसित करने की योजना पर भी चर्चा की।

इंडस्ट्रियल बिजनेस एसोसिएशन के अध्यक्ष अमित कुमार उपाध्याय ने उद्यमियों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए प्राधिकरण की सराहना की। अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस ने कहा कि अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में भी चरणबद्ध तरीके से घर-घर कूड़ा संग्रहण की व्यवस्था शुरू कराई जाएगी।

नींद की झपकी से अनियंत्रित होकर नाले में गिरा सरियों से भरा ट्रक, दो घंटे की मशक्कत के बाद निकाला चालक, मौत

दादरी (शिखर समाचार)। बादलपुर कोतवाली क्षेत्र में जीटी रोड पर छपरौला गांव के समीप सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में सरियों से भरा ट्रक अनियंत्रित होकर नाले में जा गिरा। हादसा उस समय हुआ जब ट्रक चालक को चलते वाहन में नींद की झपकी आ गई। ट्रक बिजली का खंभा तोड़ते हुए नाले में पलट गया, जिससे चालक केबिन में बुरी तरह फंस गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने हाइड्रा और गैस कटर की मदद से करीब दो घंटे तक राहत एवं बचाव अभियान चलाकर चालक को बाहर निकाला, लेकिन अस्पताल में चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बादलपुर कोतवाली प्रभारी विजय गुप्ता ने बताया कि बुलंदशहर जनपद के जेहरा गांव निवासी 28 वर्षीय आमिर ट्रक चालक था। वह सरियों से भरा ट्रक लेकर दादरी से गाजियाबाद की ओर जा रहा था। छपरौला गांव के पास पहुंचते ही उसे नींद की झपकी आ गई, जिससे ट्रक का संतुलन बिगड़ गया और वह बिजली का खंभा तोड़ते हुए नाले में जा पलटा। दुर्घटना के दौरान ट्रक में लदी सरिया केबिन तक पहुंच गई, जिससे चालक गंभीर रूप से फंस गया। हादसे की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने बचाव दल की सहायता से हाइड्रा और गैस कटर के जरिए ट्रक के केबिन को काटकर चालक को बाहर निकाला और तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया तथा दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

एटीएम में चोरी का प्रयास नाकाम, तोड़फोड़ कर कीपटल ले जाने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

बिजनौर (शिखर समाचार)। शहर कोतवाली पुलिस ने पंजाब नेशनल बैंक की मुख्य शाखा के एटीएम में चोरी का प्रयास करने और असफल होने पर मशीन में तोड़फोड़ करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उनके कब्जे से एटीएम का चोरी किया गया कीपटल, वारदात में प्रयुक्त औजार तथा एक मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के अनुसार 20 और 21 जुलाई की मध्यरात्रि को सिविल लाइंस स्थित पंजाब नेशनल बैंक की मुख्य शाखा के बाहर लगे एटीएम कक्ष में दो बदमाश घुस गए। उन्होंने एटीएम मशीन से नकदी निकालने के लिए काफी प्रयास किए, लेकिन नकदी कक्ष नहीं खुलने पर मशीन को क्षतिग्रस्त कर दिया। जाते समय आरोपी एटीएम का कीपटल उखाड़कर अपने साथ ले गए। बैंक अधिकारियों के अनुसार मशीन को हुए नुकसान की अनुमानित कीमत लगभग 50 हजार रुपये है। घटना की जानकारी सुबह बैंक अधिकारियों को हुई, जिसके बाद बैंक अधिकारी मनीष भारती ने शहर कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की और मुखबिर की सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए दो संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों की पहचान अनित निवासी ग्राम गुड़ियापुर तथा गोलू निवासी जलालपुर काजी के रूप में हुई। दोनों ने पूछताछ के दौरान एटीएम में चोरी का प्रयास और तोड़फोड़ करने की घटना स्वीकार कर ली। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी किया गया कीपटल, घटना में प्रयुक्त औजार और मोटरसाइकिल बरामद कर दोनों को न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटी रालोद, सभी वर्गों को साथ लेकर बढ़ेगा संगठन : त्रिलोक त्यागी

मोदीनगर (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री त्रिलोक त्यागी ने कहा कि पार्टी आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों में पूरी तरह जुट गई है। इसके लिए प्रदेशभर में कार्यकर्ता सम्मेलन, जनसभाएं और संगठनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। पार्टी का उद्देश्य संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना और सभी वर्गों को साथ लेकर आगे बढ़ना है, क्योंकि किसी भी राजनीतिक संगठन की सबसे बड़ी ताकत उसकी एकजुटता और समन्वय होता है। त्रिलोक त्यागी मंगलवार को युवा राष्ट्रीय लोकदल के जिला अध्यक्ष जयदीप सिंह की ओर से आयोजित आम पार्टी में कार्यकताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल ने हमेशा किसान, गरीब, श्रमिक और आमजन के हितों की लड़ाई लड़ी है। पहले पार्टी विपक्ष में रहकर किसानों और जनता की समस्याओं को लेकर संघर्ष करती थी, लेकिन अब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का हिस्सा होने के कारण सरकार के भीतर रहकर किसानों सहित विभिन्न वर्गों की समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न से सम्मानित किया जाना किसानों के सम्मान की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। इसके साथ ही प्रदेश सरकार के सख्त रुख के कारण मोदीनगर और मलकपुर चीनी मिलों द्वारा किसानों के गन्ने का भुगतान पहले की अपेक्षा समय पर कराया गया है। उन्होंने कहा कि पहले किसानों को भुगतान के लिए लगभग एक वर्ष तक इंतजार करना पड़ता था, जबकि अब स्थिति में सुधार आया है। कार्यक्रम में सत्येंद्र तोमर, रेखा चौधरी, राम भरोसे लाल मौर्य, सुमन चौधरी, पूर्व जिला अध्यक्ष अमित त्यागी, बिट्टू, अजीत खंजरपुर सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दिल्ली गाजियाबाद बॉर्डर पर कांवड़ यात्रा की तैयारियों का लेकर यातायात अधिकारियों ने संयुक्त किया निरिक्षण

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आगामी कांवड़ यात्रा को सः,कुशल, व्यवस्थित एवं सुगम बनाने के उद्देश्य से पुलिस उपायुक्त यातायात तथा अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त यातायात गाजियाबाद ने दिल्ली पुलिस के पुलिस उपायुक्त एवं यातायात निरीक्षकों के साथ दिल्ली-गाजियाबाद बॉर्डर क्षेत्र का संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कांवड़ियों की सुरक्षा, यातायात प्रबंधन तथा वाहनों के निर्बाध आवागमन को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं का गहनता से अवलोकन किया गया। अधिकारियों ने कांवड़ यात्रा के दौरान संभावित यातायात दबाव को ध्यान में रखते हुए बॉर्डर क्षेत्र में मौजूद प्रमुख मार्गों, डायवर्जन प्वाइंट, पार्किंग स्थलों तथा संवेदनशील स्थानों का निरीक्षण किया। इस दौरान दिल्ली और गाजियाबाद पुलिस के अधिकारियों के बीच समन्वय बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें यात्रा के दौरान आने वाली चुनौतियों और उनके समाधान पर विस्तार से चर्चा

की गई। संयुक्त निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कहा कि कांवड़ यात्रा के समय लाखों श्रद्धालु विभिन्न मार्गों से होकर गुजरते हैं, जिससे यातायात पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। ऐसे में दिल्ली और गाजियाबाद पुलिस के बीच बेहतर तालमेल एवं समन्वय आवश्यक है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और आम नागरिकों का आवागमन भी प्रभावित न हो। अधिकारियों ने यातायात व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने के लिए आवश्यक रणनीति पर विचार-विमर्श किया तथा विभिन्न मार्गों पर लागू किए जाने वाले यातायात प्रबंधन उपायों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान सड़क मार्गों की स्थिति, बैरिकेडिंग व्यवस्था, संकेतक बोर्ड, आपातकालीन सेवाओं की उपलब्धता तथा भीड़ नियंत्रण संबंधी तैयारियों का भी जायजा लिया गया। अधिकारियों ने संबंधित विभागों को आवश्यक सुधार कार्य समय से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। साथ ही यात्रा मार्गों पर तैनात किए जाने वाले पुलिसकर्मियों एवं यातायात कर्मियों की जिम्मेदारियों को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। अधिकारियों ने अधीनस्थ कर्मचारियों को निर्देशित किया कि कांवड़ यात्रा के दौरान यातायात संचालन में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखने, यातायात संकेतों का पालन सुनिश्चित कराने तथा आम जनता को वैकल्पिक मार्गों की जानकारी समय-समय पर उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि दिल्ली और गाजियाबाद पुलिस के संयुक्त प्रयासों से कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुगम यात्रा का अनुभव मिलेगा। प्रशासन द्वारा यात्रा अवधि में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए जा रहे हैं। संयुक्त निरीक्षण के माध्यम से दोनों राज्यों की पुलिस के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है, जिससे आगामी कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया जा सके।

विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान पाने पर अमीषा गोयल को स्वर्ण पदक से सम्मानित

शामली (शिखर समाचार)। शहर के हिन्दू महिला महाविद्यालय की मेधावी छात्रा अमीषा गोयल ने बीकॉम सत्र 2025-26 की परीक्षा में 82.75 प्रतिशत अंक प्राप्त कर मां शाकुंभरी विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के चतुर्थ दीक्षांत समारोह में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने उन्हें स्वर्ण पदक और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। मंगलवार को आयोजित दीक्षांत समारोह में अमीषा गोयल को शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए सम्मानित किए जाने पर महाविद्यालय परिवार में हर्ष का वातावरण रहा। छात्रा की इस सफलता को महाविद्यालय के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। अमीषा की मेहनत और उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए

शिक्षकों और विद्यार्थियों ने भी उन्हें शुभकामनाएं दीं। महाविद्यालय की प्राचार्या मंजू गर्ग ने अमीषा गोयल को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान उनकी कठिन मेहनत, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने कहा कि अमीषा की उपलब्धि न केवल महाविद्यालय का गौरव बढ़ाने वाली है, बल्कि अन्य छात्राओं के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि भविष्य में भी महाविद्यालय के विद्यार्थी शिक्षा के क्षेत्र में इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान का नाम रोशन करते रहेंगे। अमीषा गोयल की इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्राओं ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सेक्टरों की समस्याएं सुनने घर-घर पहुंची प्राधिकरण की टीम, अल्फा वन से अभियान की शुरूआत

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने आवासीय सेक्टरों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए नया अभियान शुरू किया है। इसके तहत प्राधिकरण की टीम स्वयं सेक्टरों में पहुंचकर निवासियों से शिकायतें सुन रही है और उनके निस्तारण की प्रक्रिया मौके पर ही शुरू कर रही है। मंगलवार को इस अभियान की शुरूआत सेक्टर अल्फा-वन से हुई। प्राधिकरण ने बताया कि आने वाले दिनों में यह अभियान शहर के अन्य आवासीय सेक्टरों में भी चलाया जाएगा। मुख्य कार्यपालक अधिकारी एनजी रवि कुमार के निर्देश पर अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस ने परियोजना, स्वास्थ्य, उद्यान, विद्युत अभियांत्रिकी तथा जल-सीवर विभाग के अधिकारियों की संयुक्त टीम गठित की है। परियोजना विभाग के उप महाप्रबंधक विजय कुमार रावल के नेतृत्व में टीम ने सेक्टर अल्फा-वन

का निरीक्षण किया। इस दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा सेक्टर की आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष शेर सिंह भाटी और अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान टीम ने सड़कों के किनारे निर्माण सामग्री और मलबा पड़े होने, पेइंग गेस्ट आवासों के आसपास फैली गंदगी तथा अन्य नागरिक समस्याओं का संज्ञान लिया। अधिकारियों ने पेइंग गेस्ट संचालकों को नोटिस जारी करने, मलबा हटवाने और उसका खर्च संबंधित मकान मालिक से वसूलने के निर्देश दिए। साथ ही नागरिकों से कूड़ा केवल कूड़ा संग्रहण वाहन में डालने की अपील की गई तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर जुमार्ना लगाने की चेतावनी दी गई। आरडब्ल्यूए ने जर्जर स्ट्रीट लाइट के खंभे बदलने, पार्कों के रखरखाव, सड़कों पर मार्किंग, स्पीड ब्रेकर और बाजार क्षेत्र में सार्वजनिक शौचालय के निर्माण की मांग रखी। प्राधिकरण की टीम ने इन सभी समस्याओं के प्राथमिकता के आधार पर समाधान का आश्वासन दिया।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के विरोध में किसानों का प्रदर्शन, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

शामली (शिखर समाचार)। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर मंगलवार को भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों और किसानों ने कलक्ट्रेट परिसर में धरना-प्रदर्शन कर विभिन्न मांगों को लेकर राष्ट्रपति के नाम जिलाधिकारी कार्यालय में ज्ञापन सौंपा। किसानों ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते सहित ऐसे किसी भी मुक्त व्यापार समझौते का विरोध किया, जिससे भारतीय कृषि, डेयरी क्षेत्र, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) व्यवस्था और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका हो। भाकियू के जिलाध्यक्ष सांता प्रधान के नेतृत्व में पहुंचे किसानों ने कहा कि खेती की बढ़ती लागत, फसलों का उचित मूल्य न मिलना, गन्ना भुगतान में देरी, उर्वरकों की कमी और प्राकृतिक आपदाओं के कारण किसान लगातार आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। उन्होंने स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के अनुरूप सभी फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी, सरकारी खरीद कानून लागू करने तथा गन्ने का न्यूनतम मूल्य 500 रुपये प्रति क्विंटल घोषित करने की मांग की। साथ ही लंबित गन्ना भुगतान ब्याज सहित कराने, किसानों एवं कृषि मजदूरों की संपूर्ण ऋण माफी और ब्याज मुक्त कृषि ऋण उपलब्ध कराने की भी मांग उठाई।

किसानों ने कृषि कार्य के लिए निःशुल्क बिजली, घरेलू एवं ग्रामीण उपभोक्ताओं को 300 यूनिट निःशुल्क विद्युत

आपूर्ति, स्मार्ट मीटर व्यवस्था और बिजली के निजीकरण की प्रक्रिया वापस लेने की मांग की। ज्ञापन में डीएपी, यूरिया सहित सभी उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने, प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा देने, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की समीक्षा करने तथा मनरेगा के तहत 200 दिन रोजगार और 700 रुपये प्रतिदिन मजदूरी सुनिश्चित करने की भी मांग शामिल रही।

किसान नेताओं ने कहा कि कृषि देश की खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। यदि किसानों की समस्याओं का समय रहते समाधान नहीं किया गया तो इसका व्यापक प्रभाव देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। इस अवसर पर मास्टर जाहिर, विदेश मलिक, आशीष चौधरी, देवराज पहलवान, कुलदीप पंवार, नौशाद सहित अनेक किसान उपस्थित रहे।

संपादकीय

युवा आक्रोश, राजनीतिक टकराव और जवाबदेही की कसौटी

देश की राजधानी दिल्ली एक बार फिर लोकतांत्रिक असहमति, छात्र आक्रोश और राजनीतिक टकराव का केंद्र बन गई है। शिक्षा व्यवस्था को लेकर उपजे असंतोष ने अब केवल छात्रों के आंदोलन तक स्वयं को सीमित नहीं रखा, बल्कि यह संसद, सड़क और सत्ता के गलियारों तक पहुँच चुका है। मंगलवार को प्रधानमंत्री आवास के बाहर कांग्रेस सांसदों ने राहुल गांधी के नेतृत्व में धरना दिया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। इस दौरान राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव सहित कई नेताओं को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि उसके नेताओं के साथ दुर्व्यवहार किया गया, जबकि पुलिस का कहना है कि सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कार्रवाई की गई। दूसरी ओर जंतर मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का प्रदर्शन भी लगातार जारी है, जहाँ शिक्षा मंत्री के इस्तीफे और परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार की मांग दोहराई जा रही है। यह घटनाक्रम केवल राजनीतिक संघर्ष नहीं, बल्कि उस गहरे अविश्वास का संकेत है जो देश के लाखों युवाओं के मन में प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता और भविष्य को लेकर पैदा हुआ है। बीते कुछ समय में परीक्षा प्रणाली से जुड़े विवादों ने छात्रों का विश्वास बुरी तरह प्रभावित किया है। जब किसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा पर प्रश्न उठते हैं, तो उसका असर केवल एक परीक्षा तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे शिक्षा तंत्र की विश्वसनीयता पर पड़ता है। लाखों विद्यार्थी वर्षों की मेहनत, आर्थिक संसाधन और मानसिक ऊर्जा लगाकर इन परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। यदि उन्हें यह महसूस होने लगे कि उनकी मेहनत से अधिक प्रभाव किसी लापरवाही, भ्रष्टाचार या अव्यवस्था का है, तो यह केवल एक प्रशासनिक विफलता नहीं बल्कि सामाजिक संकट बन जाता है। यही कारण है कि छात्र आंदोलन धीरे धीरे व्यापक जनसमर्थन प्राप्त कर रहा है। विपक्ष इस पूरे मुद्दे को सरकार की जवाबदेही से जोड़ रहा है। उसका कहना है कि जब शिक्षा व्यवस्था पर इतना बड़ा प्रश्नचिह्न लग चुका है तो नैतिक जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। वहीं सरकार का पक्ष है कि दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है, गिरफ्तारियाँ हुई हैं, जांच एजेंसियाँ सक्रिय हैं और परीक्षा प्रणाली को अधिक सुरक्षित बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। लोकतंत्र में दोनों पक्षों का अपना अपना तर्क हो सकता है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या इन तर्कों के बीच उन छात्रों की आवाज कहीं दब तो नहीं रही जिनकी चिंता से यह पूरा विवाद शुरू हुआ था। राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं की हिरासत ने इस आंदोलन को नया राजनीतिक आयाम दे दिया है। संसद के भीतर चर्चा की मांग और संसद के बाहर विरोध प्रदर्शन, दोनों यह संकेत देते हैं कि संवाद की कमी लगातार बढ़ रही है। लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन कोई असामान्य बात नहीं है। संविधान प्रत्येक नागरिक को शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखने का अधिकार देता है। लेकिन यह भी उतना ही आवश्यक है कि विरोध प्रदर्शन कानून और व्यवस्था की सीमाओं के भीतर रहे तथा प्रशासन भी संयम और संवेदनशीलता के साथ स्थिति का सामना करे। यदि आंदोलन हिंसक हो जाए या पुलिस बल प्रयोग की नौबत आए तो दोनों पक्षों को आत्ममंथन करना चाहिए, क्योंकि अंततः नुकसान लोकतांत्रिक संस्कृति का ही होता है। इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि शिक्षा जैसे गंभीर विषय पर राजनीतिक प्रतिस्पर्धा इतनी तीव्र हो गई है कि मूल मुद्दा पीछे छूटने का खतरा पैदा हो गया है। देश के युवाओं को किसी राजनीतिक दल की जीत या हार से अधिक चिंता अपने भविष्य की है। उन्हें यह भरोसा चाहिए कि उनकी परीक्षा निष्पक्ष होगी, उनका चयन योग्यता के आधार पर होगा और उनकी मेहनत किसी व्यवस्था संबंधी खामी की भेंट नहीं चढ़ेगी। यदि यह भरोसा मजबूत नहीं किया गया तो केवल कानून बनाकर या जांच बैठाकर समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकलेगा।

~ मौलिक चिंतन ~

जो अपने आप को सुधार लेता है, वह सबसे बड़ा समाजसेवी होता है।

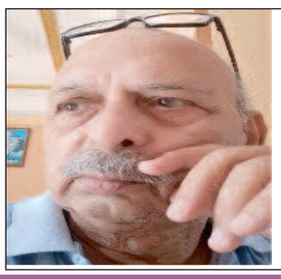

© विनय संकोची

भारत से टकराने की जिद बड़ी भारी पड़ती है, 'हिंदुस्तान के हिस्से का बिल' भी भर रहा है पाकिस्तान!

नीरज कुमार दुबे

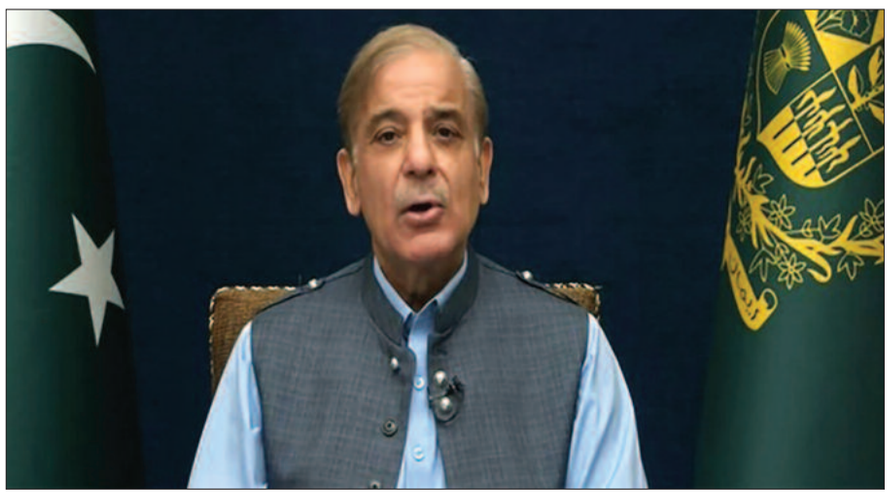

सीमापार आतंकवाद को अपनी सरकारी नीति बना चुके पाकिस्तान की आज ऐसी दुर्गति हो चुकी है कि वह भारत के खिलाफ साजिश रचने की कीमत भी अपनी जेब से चुका रहा है। दरअसल, सिंधु जल संधि को लेकर भारत को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर घेरने की नाकाम कोशिश में इस्लामाबाद न केवल अपनी ओर से खर्च उठा रहा है, बल्कि भारत के हिस्से का व्यय भी खुद अदा कर रहा है। यानी जिस देश को वह कटघरे में खड़ा करना चाहता है, उसी का बिल भी उसे भरना पड़ रहा है। यह दृश्य पाकिस्तान की आर्थिक बदहाली, कूटनीतिक बेबसी और बौखलाहट का सबसे बड़ा प्रमाण है। दुनिया के सामने भारत को घेरने निकला पाकिस्तान आज अपनी ही बनाई चाल में फंसकर उपहास का पात्र बन गया है।

हम आपको बता दें कि सिंधु जल संधि वर्ष 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुई थी। इस व्यवस्था के अंतर्गत छह नदियों के जल के बंटवारे का ढांचा तय किया गया था। दशकों तक भारत ने संधि का पूरी निष्ठा से पालन किया, जबकि दूसरी ओर पाकिस्तान लगातार आतंकवाद को संरक्षण देता रहा। पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले के बाद भारत ने साफ संदेश दिया कि जब तक पाकिस्तान सीमापार आतंकवाद का विश्वसनीय और स्थायी रूप से परित्याग नहीं करता, तब तक सामान्य स्थिति की उम्मीद नहीं की जा सकती। इसी क्रम में भारत ने संधि से जुड़ी कार्यवाहियों में अपनी भागीदारी स्थगित कर दी।

भारत का रुख बिल्कुल स्पष्ट है। नई दिल्ली का कहना है कि मौजूदा परिस्थितियां 1960 जैसी नहीं रहीं। जलवायु परिवर्तन, बढ़ती आबादी, ऊर्जा की आवश्यकता, नई प्रौद्योगिकी और सबसे बढ़कर पाकिस्तान प्रायोजित सीमापार आतंकवाद ने पूरे परिदृश्य को बदल दिया है। ऐसे में संधि की समीक्षा और नए सिरे से विचार स्वाभाविक आवश्यकता है।

इसके विपरीत पाकिस्तान हर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत को घेरने की नाकाम कोशिश कर रहा है। लेकिन विडंबना देखिए कि जिस मध्यस्थता प्रक्रिया से वह भारत पर दबाव बनाना चाहता है, उसी का पूरा आर्थिक बोझ भी उसे स्वयं उठाना पड़ रहा है। यह उस कूटनीतिक दिवालियेपन का प्रतीक है जिसमें पाकिस्तान दुनिया के सामने अपनी दलीलें जीवित रखने के लिए किसी भी कीमत पर तैयार दिखाई देता है।

सच्चाई यह भी है कि सिंधु जल संधि से दशकों तक सबसे बड़ा लाभ पाकिस्तान को मिला। भारत, ऊपरी प्रवाह वाला देश होने के बावजूद, संधि की कठोर शर्तों का पालन करता रहा। अनेक विशेषज्ञ लंबे समय से यह प्रश्न उठाते रहे हैं कि यह व्यवस्था भारत के हितों के अनुरूप नहीं रही। इसके बावजूद भारत ने जिम्मेदार राष्ट्र का परिचय दिया। लेकिन जब पड़ोसी देश आतंकवादियों को शरण दे, प्रशिक्षण दे और भारत के निर्दोष नागरिकों का रक्त बहाने वालों को संरक्षण प्रदान करे, तब केवल सद्भावना के आधार पर संबंध नहीं चल सकते।

पाकिस्तान को यह समझ लेना चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर शोर मचाने से वास्तविकता नहीं बदलती। आतंकवाद और बातचीत, आतंकवाद और सहयोग, आतंकवाद और विश्वास, ये तीनों एक साथ नहीं चल सकते। यदि इस्लामाबाद यह सोचता है कि वह एक ओर आतंकियों को पालता रहेगा और दूसरी ओर जल समझौतों तथा वैश्विक संस्थाओं की आड़ लेकर भारत पर दबाव बनाएगा, तो यह उसकी सबसे बड़ी भूल है। भारत ने बार-बार संयम दिखाया है, लेकिन संयम को कमजोरी समझना पाकिस्तान की पुरानी आदत रही है। अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं। भारत अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा, जल हितों और संप्रभु अधिकारों से किसी प्रकार का समझौता करने वाला नहीं है। यदि पाकिस्तान वास्तव में क्षेत्र में शांति चाहता है तो उसे सबसे पहले अपनी धरती से संचालित सीमापार आतंकवाद की फैक्ट्रियों पर स्थायी ताला लगाना होगा।

बहरहाल, पाकिस्तान के नीति-निमार्ताओं के लिए यह घटनाक्रम स्पष्ट संदेश है। जो देश आज भारत का हिस्सा भी अपनी जेब से भरने को विवश है, उसे पहले अपनी अर्थव्यवस्था, अपने शासन और अपनी प्राथमिकताओं पर ध्यान देना चाहिए। भारत को धमकियों या अंतरराष्ट्रीय मंचों की कार्यवाहियों से झुकाया नहीं जा सकता।

भारत की ओर से संदेश बिल्कुल स्पष्ट है कि यदि पाकिस्तान ने सीमापार आतंकवाद को हमेशा के लिए बंद नहीं किया, तो उसे केवल आर्थिक ही नहीं, कूटनीतिक, सामरिक और रणनीतिक स्तर पर भी और बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है। शांति का मार्ग आतंकवाद छोड़ने से होकर जाता है, न कि दुनिया भर में शिकायतों का पुलिंदा लेकर घूमने से। समय रहते पाकिस्तान को यह सच्चाई स्वीकार करनी होगी, क्योंकि नया भारत अपनी सुरक्षा और अपने राष्ट्रीय हितों पर किसी भी प्रकार का समझौता करने के लिए तैयार नहीं है।

क्या समाज में दम तोड़ रही मानवीय वेदना, संवेदना और इंसानियत?

रंजन चौधरी

-हजारीबाग में पिछले एक सप्ताह में 7 शवों का लावारिश हालत में मिलना खड़ा करता है कई यक्ष प्रश्न..., अस्पताल कैंपस से मिले दो अज्ञात शव चिंता का विषय

-अमन-चैन व सौहार्द वातावरण के शहर हजारीबाग के सामाजिक ताने- बाने पर उठ रहें हैं कई सवाल

आधुनिक युग में जहां पाश्चात्य संस्कृति हावी है वही समाज में मानवीय वेदना, संवेदना और इंसानियत के भाव का भी आभाव दिखता है। हजारीबाग जिसे अमन-चैन और सौहार्दपूर्ण वातावरण के लिए जाना जाता रहा है लेकिन कुछ ऐसी घटनाएं घटती है जो इस सामाजिक सौहार्द के लिए भविष्य में चिंता का सबब बन जाती है।

ताजा उदाहरण है हजारीबाग शहर और आसपास के विभिन्न थाना क्षेत्रों से बीते एक सप्ताह के दौरान 7 शव लावारिश अवस्था में बरामद हुए। इन घटनाओं ने पूरे हजारीबाग को झकझोर कर रख दिया है। सबसे अधिक चिंतनीय बात यह है कि इनमें से 5 शव अब भी अज्ञात है और उनके पहचान के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के पोस्टमार्टम हाउस में मोचुर्री पर रखा गया है। अबतक इनकी पहचान नहीं हो सकी है। पुलिसिया जाँच के साथ ये समाज के सामने एक अत्यंत ही गंभीर और ज्वलंत सामाजिक प्रश्न खड़े करता है कि आखिर इन शवों का पहचान हो पाएगा भी या नहीं? या कई लावारिश शवों की तरह ही इनका भी अंतिम संस्कार हो जाएगा और ये काल के गाल में हमेशा के लिए लुप्त हो जाएंगे ।

ऐसे इन सभी शवों को पुलिस की मौजूदगी में मुक्तिधाम सेवा संस्थान के सचिव सह वार्ड पार्षद प्रतिनिधि नीरज कुमार ने बड़े मशक्कत के बाद सम्मानपूर्वक उठाकर फिलवक्त पहचान के लिए रखवाया है। हीराबाग चौक के समीप गहरे दलदल के एक नाली से एक शव को निकालने के क्रम में वे हादसा के शिकार भी हो सकते थे लेकिन उन्होंने डंडे के सहारे पहले दलदल की गहराई नापी फिर शव को निकाला। ऐसे कई दिनों से पड़े शवों के दुर्गंध को सहकर उन्होंने इस सेवा क्षेत्र में जो मिसाल पेश किया है वह सराहनीय है। नीरज कुमार और उनकी टीम का कार्य निसंदेह मानवीय संवेदनाओं का उत्कृष्ट उदाहरण है। जब सबों की पहचान नहीं हो पाएगी तब इनके द्वारा ही सम्मानपूर्वक इनका अंतिम संस्कार कर दिया जाएगा। अब सवाल यह उठता है कि इनका अंतिम संस्कार करके क्या हम अपने सामाजिक दायित्व से मुक्त हो सकते हैं? या फिर हमें उन कारणों की तलाश भी करनी चाहिए, जिसकी वजह से लोग इस स्थिति तक पहुंच रहे हैं?

हजारीबाग में पिछले एक सप्ताह के दौरान इन शवों की लावारिश हालत में झील के मत्स्य विभाग के समीप से मिलना, हीराबाग स्थित बिजली विभाग के सामने के नाले से मिलना, नगवां- चुरचू के पत्थर एक माइंस से मिलना, रेलवे स्टेशन के बोगी से मिलना तो रहस्यमय है ही लेकिन शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के भीतर से दो शवों का बरामद होना बेहद ही चिंतनीय और गंभीर सवाल खड़ा करता है। यहां लोग जीवन बचाने की आस लेकर पहुंचते हैं लेकिन बीते एक सप्ताह के भीतर वार्ड से एक शव और एक शव ट्रामा सेंटर के बाहर से बरामद होना व्यवस्था और सामाजिक संवेदनशीलता दोनों पर सवाल खड़े करती है। वर्तमान समाज में मानसिक तनाव, अवसाद, आर्थिक दबाव, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति और आपसी विवाद लगातार बढ़ रहे हैं। कई बार लोग किसी दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को देखकर मुँह मोड़ लेते हैं तो कई बार अस्पताल के बाहर छोड़कर चंपत हो जाते हैं। ऐसे लोग कौन हैं? उनकी जिम्मेवारी कैसे तय होगी और कौन तय करेगा? क्या हमारी संवेदनाएं इतनी कमजोर हो गई है कि हम किसी जरूरतमंद को मदद नहीं कर सके या किसी जरूरतमंद को अस्पताल पहुंचाकर यहां भर्ती कराने या उसके परिजनों तक सूचना पहुंचाने का भी प्रयास नहीं कर सकते?

अब समय सिर्फ शासन- प्रशासन को दोष देने का नहीं है। समाज को ऐसे विषयों पर सामाजिक रूप से मिलकर चिंतक- मंथन करना होगा। हमें आत्म मंथन करना होगा। परिवारों में संवाद कम हो रहे हैं, सामाजिक रिश्ते कमजोर पड़ रहे हैं और अकेलापन बढ़ता जा रहा है। मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बात करने की जरूरत है। समाज में नशा मुक्ति अभियान को सामाजिक आंदोलन बनाना होगा। मानसिक अवसाद में जीने वाले लोगों को सामाजिक रूप से संबल देने की आवश्यकता है। हम सभी को अपने अंदर संवेदना के भाव को जागृत रखना होगा और इसे मानवीय कर्तव्य समझकर इसे अपने दैनिक जीवन में चरितार्थ करना होगा ।

प्रशासन को भी शहर के ऐसे सुनसान जगहों के साथ-साथ अस्पताल जैसे संवेदनशील जगहों पर सीसीटीवी निगरानी रखनी होगी ताकि बेसहारा एवं अज्ञात लोगों की पहचान और पुनर्वास की व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा सके। राजनीतिक और सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवकों और आम नागरिकों को भी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन ईमानदारी पूर्वक करना होगा।

हजारीबाग अपनी सामाजिक चेतना और मानवीय मूल्यों के प्रति संवेदना के लिए जाना जाता रहा है। ऐसी असामाजिक और अमानवीय घटनाओं पर अगर इसे महज खबर समझकर इग्नोर करते रहें तो भविष्य में यह स्थिति और व्यापक हो सकती है। लावारिस अवस्था में मिले इन शवों की भी अपनी मौत की कहानी होते हैं जो समाज की असंवेदनाओं, व्यवस्था की कमियों और टूटते सामाजिक रिश्तों का मौन आईना होते है। पिछले एक सप्ताह में हजारीबाग में मिले इन शवों में से कई शवों को करीब से देखा तो यह एहसास मन में हुआ कि इसे शेयर किया जाय और इस पर सामाजिक रूप से चर्चा की जरूरत है अन्यथा आने वाले समय में हम इंसान तो होंगे लेकिन समाज में वेदना, संवेदना और इंसानियत का भाव का घोर आभाव हो जायेगा और हम इंसान और जानवरों में कोई अंतर नहीं रह जाएगा।

संविधान और संप्रभु भारत का अमर प्रतीक तिरंगा

श्वेता गोयल

तीन रंगों की पट्टियों वाले राष्ट्रीय ध्वज की सबसे ऊपर की केसरिया रंग की पट्टी त्याग, बल और पौरूष की प्रतीक है जबकि बीच वाली सफेद पट्टी शांति और सत्य की प्रतीक है और सबसे नीचे की हरे रंग की पट्टी हरियाली, समृद्धि एवं सम्पन्नता की प्रतीक है। झंडे के बीचों-बीच सफेद पट्टी में स्थित गहरे नीले रंग का अशोक चक्र आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। 24 तीलियों वाला अशोक चक्र देश की प्रगति, राष्ट्र के कानून और धर्म के पहिये का प्रतीक है।

तिरंगे की शान, भारत की पहचान...

विश्व में प्रत्येक राष्ट्र का अपना-अपना राष्ट्रीय ध्वज है। राष्ट्रीय ध्वज ही उसकी मयार्दा और अस्मिता से जुड़ा होता है लेकिन इस मायने में हमारा राष्ट्र ध्वज 'तिरंगा' अन्य राष्ट्र ध्वजों के मुकाबले अनेक विशेषताएं धारण किए हुए है। चूंकि अंग्रेजों से भारत की मिली आजादी के चंद दिन पहले ही 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने वर्तमान भारतीय तिरंगे को देश के आधिकारिक ध्वज के रूप में अपनाया था, इसीलिए भारत में प्रतिवर्ष 22 जुलाई को 'राष्ट्रीय ध्वज दिवस' मनाया जाता है। आधिकारिक रूप में तिरंगे को अपनाने के बाद से यह देश की एकता, साहस, और आकांक्षाओं का प्रतीक बन गया। राष्ट्रीय ध्वज दिवस भारत की सम्प्रभु राष्ट्र बनने की यात्रा का स्मरण कराता है। तिरंगा भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, स्वतंत्रता के लिए इसके कठिन संघर्ष और एकजुट एवं समृद्ध राष्ट्र के लिए अपने लोगों की आकांक्षाओं का प्रतीक है। हमारा राष्ट्र ध्वज न केवल राष्ट्र की एकता, अखंडता, गरिमा, गौरव, शक्ति, आदर्श और आकांक्षाओं का प्रतीक है बल्कि समूचे विश्व को त्याग की भावना एवं शाति का संदेश भी देता है। यह हमारी स्वतंत्रता का भी प्रतीक है क्योंकि आजादी की लड़ाई में क्रांतिकारियों को एकजुट करने में इसकी बहुत अहम भूमिका रही। तिरंगे ने ही भारतवासियों को एकता और भाईचारे का संदेश देकर उन्हें एक सूत्र में पिरोकर अंग्रेजों से लोहा लेने को प्रेरित किया था। तब क्रांतिकारियों के लिए राष्ट्र ध्वज का सम्मान अपने प्राणों से भी बढ़कर होता था, इसीलिए अंग्रेजों की लाठियां व गोलियां खाते हुए भी उन्होंने इसे कभी झुकने नहीं दिया।

तीन रंगों की पट्टियों वाले राष्ट्रीय ध्वज की सबसे ऊपर की केसरिया रंग की पट्टी त्याग, बल और पौरूष की प्रतीक है जबकि बीच वाली सफेद पट्टी शांति और सत्य की प्रतीक है और सबसे नीचे की हरे रंग की पट्टी हरियाली, समृद्धि एवं सम्पन्नता की प्रतीक है। झंडे के बीचों-बीच सफेद पट्टी में स्थित गहरे नीले रंग का अशोक चक्र आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। 24 तीलियों वाला अशोक चक्र देश की प्रगति, राष्ट्र के कानून और धर्म के पहिये का प्रतीक है। डा. सर्वपल्ली राधकृष्णन के शब्दों में कहें तो जो लोग इस ध्वज के नीचे कार्य करेंगे, उन्हें सत्य और सदाचार के सिद्धांतों का पालन करना होगा। राष्ट्र ध्वज के नीचे कार्य करने वालों से उनका तात्पर्य सरकारों और नौकरशाहों से था। राष्ट्र

कोकिला सरोजिनी नायडू ने भी राष्ट्र ध्वज की महत्ता का उल्लेख करते हुए संविधान सभा में राष्ट्र ध्वज का प्रस्ताव पेश करते समय 22 जुलाई 1947 को कहा था कि नए भारत के सभी नागरिकों को इस राष्ट्र ध्वज को प्रणाम करना होगा और इसके नीचे कोई छोटा-बड़ा नहीं होगा।

राष्ट्र ध्वज का सफर 7 अगस्त 1906 को आरंभ हुआ था। हरे, पीले और लाल रंग की तीन पट्टियों से बना यह राष्ट्रीय ध्वज कलकत्ता के पारसी बागान में फहराया गया था। उस ध्वज पर ऊपर की हरी पट्टी पर एक ही पंक्ति में सफेद रंग के आठ कमल अंकित थे जबकि बीच वाली पीली पट्टी पर देवनागरी में गहरे नीले रंग से वंदेमातरम् लिखा था और नीचे की लाल पट्टी पर बायीं ओर एक सफेद सूर्य और दायीं ओर एक-एक सफेद चन्द्रमा और तारा अंकित थे। 'भारत का झंडा' नामक यह ध्वज हालांकि भारत के सभी धर्मों, सम्प्रदायों और साम्प्रदायिक सद्भावना को मद्देनजर रखते हुए तैयार किया गया था लेकिन यह ध्वज सर्वमान्य नहीं हो पाया। 1917 में डा. एनी बेसेंट और लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक द्वारा 'होमरूल आन्दोलन' चलाया गया था। उस समय एक नया राष्ट्रीय ध्वज तैयार किया गया, जिसमें लाल और हरे रंग की एक के बाद एक कुल 9 समानान्तर और तिरछी पट्टियां थी। उस ध्वज के बीचों-बीच 7 तारे थे और एक कोने में चांद व तारा अंकित थे जबकि उसके ऊपरी बायें कोने में ह्यूनियन जैकह्व का चित्र (झंडे का चौथाई भाग) बनाया गया था। झंडे में यूनियन जैक के इस चित्र को सम्मिलित किए जाने के कारण ही यह अधिकांश लोगों द्वारा नापसंद कर दिया गया क्योंकि इस चित्र को राष्ट्रीय ध्वज में स्थान देने का अर्थ यही माना गया कि भारतीय समाज की ब्रिटिश सम्प्रभुत्ता के प्रति स्वीकृति है। तब एक ऐसे ध्वज की आवश्यकता महसूस की गई, जो प्रत्येक धर्म, सम्प्रदाय और विचारधाराओं के लोगों का प्रतिनिधित्व करने के साथ देशवासियों के लिए जीवन-मरण का प्रतीक भी बन सके। 1921 में विजयवाड़ा में कांग्रेस के अधिवेशन में आंध्र प्रदेश के पिंगली वैंकैया नामक क्रांतिकारी युवक ने महात्मा गांधी को एक ऐसा ध्वज भेंट किया, जिसमें लाल व हरे रंग की केवल दो पट्टियां थी लेकिन पंजाब के एक बुजुर्ग नेता रायजादा पंडित हंसराज ने गांधी जी को सुझाव दिया कि इस ध्वज में चरखे को भी अंकित किया जाए और तब गांधी जी ने यह सुझाव स्वीकारते हुए हिन्दुओं के लिए केसरिया रंग, मुस्लिमों के लिए हरा रंग तथा अन्य सम्प्रदायों के लिए ध्वज में सफेद रंग को भी शामिल किया। 31 दिसम्बर 1929 को रावी नदी के तट पर इसी तिरंगे को फहराते हुए पूर्ण स्वतंत्रता की मांग की गई थी। हालांकि बहुत से लोगों को राष्ट्रीय ध्वज को जातियों व धर्म-सम्प्रदाय से जोड़ना उचित नहीं लगा, अतः 1931 में राष्ट्रीय ध्वज के स्वरूप के निर्धारण के लिए कराची कांग्रेस ने 7 व्यक्तियों की एक समिति बनाई और समिति ने एक ही रंग (केसरिया) के ध्वज में नीचे बायीं ओर लाल रंग के चरखे का चिन्ह अंकित करने का सुझाव दिया, जिसे अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने अस्वीकार कर दिया। तत्पश्चात पं. जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की एक बैठक हुई और उस बैठक में तिरंगे ध्वज को ही बीच की सफेद पट्टी में चरखे सहित मान्यता प्रदान की गई और उस निर्णय को सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया लेकिन इसमें सबसे अहम बात यह रही कि तीनों पट्टियों के रंगों को धर्म-सम्प्रदायों से न जोड़कर उनके गुणों के आधार पर ही स्वीकार किया गया। इस ध्वज का आकार लम्बाई और चौड़ाई में 3:2 रखा गया।

1924 में आजादी के लिए संघर्षरत श्यामलाल गुप्त 'पार्षद' ने झंडा गीत 'विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा' की रचना की और महात्मा गांधी ने उस गीत के दूसरे और तीसरे भाग को हटाकर उसे ज्यों का त्यों स्वीकार कर लिया। वह गीत पहली बार कानपुर में 1925 में कांग्रेस सम्मेलन में सामूहिक रूप से गाया गया। बाद में नेताजी सुभाष चंद्र बोष ने भी इसे एक लाख लोगों के साथ गाया और देखते ही देखते यह गीत क्रांतिकारियों का सबसे लोकप्रिय गीत बन गया। चाहे कांग्रेस का कोई सम्मेलन हो, कोई प्रभात फेरी हो अथवा क्रांतिकारियों का कोई आन्दोलन, ऐसे हर अवसर पर यही झंडा गीत बड़े ही जोशीले अंदाज में गाया जाने लगा। स्वतंत्रता प्राप्ति के चंद दिनों पहले जब भारत के सम्मान और स्वाभिमान के प्रतीक स्वरूप स्वतंत्र भारत के लिए राष्ट्रीय ध्वज की चर्चा चली तो 1931 में सर्वसम्मति से स्वीकार किए गए ध्वज को ही पुनः राष्ट्र ध्वज के रूप में स्वीकार किया गया लेकिन 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा की एक बैठक में पं. नेहरू ने चरखे के स्थान पर इसमें देश की प्रगति, राष्ट्र के कानून और धर्म के पहिये के प्रतीक 24 तीलियों वाले अशोक चक्र को रखने का सुझाव दिया। संविधान सभा के सभी सदस्य इस सुझाव से सहमत हो गए और उसी दिन से राष्ट्रीय ध्वज को नए रूप में स्वीकार लिया गया। इस प्रकार हमारे राष्ट्रीय ध्वज को वर्तमान स्वरूप तक पहुंचने के लिए करीब 41 वर्षों का बहुत लंबा सफर तय करना पड़ा।

पत्रकारिता

में कॅरियर की इंद्रधनुषी सम्भावनाएं

भारत में विकास तथा गवर्नेंस का क्षेत्र हाल ही में एक नया उदाहरण बना है, जिसका मुख्य आधार नई नीतिगत अर्थ व्यवस्था, परिवर्तित व्यवसाय, परिवेश और ज्ञान की शक्ति का सर्वस्वीकृत होना है। नए हालातों में पत्रकारिता की प्रासंगिकता व्यापक रूप से बढ़ गई है। आज लोकतंत्र का यह चौथा स्तम्भ अपने महत्व और विस्तार के मद्देनज़र केन्द्रीय भूमिका में आ गया है। पत्रकारिता के बढ़ रहे महत्व को देखते हुए,कई मीडिया संस्थाएं, शैक्षिक संस्थाएं और इलेक्ट्रॉनिक चैनल स्थापित किए गए हैं।

दरअसल मीडिया आज समाज तथा शासन का वास्तविक दर्पण बन गया है। इसे लोक शिक्षक के रूप में देखा है। मीडिया जन-साधारण की समस्याओं को उजागर करने,उनकी आवाज़ बुलंद करने तथा उन्हें न्याय दिलाने का एक प्रभावी साधन यानी मंच बन गया है। लिहाज़ा, कोई आश्चर्य नहीं कि कॅरियर की दृष्टि भी पत्रकारिता का क्षेत्र पहले से ज्यादा विस्तृत और आकर्षक बन गया है।

पत्रकारिता के क्षेत्र में एक सफल करियर के रूप में किसी भी व्यक्ति को जिज्ञासु,दृढ़ इच्छा शक्ति वाला, सूचना को वास्तविक, संक्षिप्त तथा प्रभावी रूप में प्रस्तुत करने की अभिरुचि रखने वाला, किसी के विचारों को सुव्यवस्थित करने तथा उन्हें भाषा तथा लिखित-दोनों रूपों में स्पष्ट रूप से अभिव्यक्त करने में कुशल होना चाहिए। दबाव में कार्य करने के दौरान भी नम्र एवं शांत चित्त बने रहना एक अतिरिक्त योग्यता होती है। जीवन के सभी क्षेत्रों से व्यक्तियों का साक्षात्कार लेते समय पत्रकार को व्यावहारिक, आत्मविश्वासपूर्ण तथा सुनियोजित रहना चाहिए। उसे प्रासंगिक तथ्यों को अप्रासंगिक तथ्यों से अलग करने में सक्षम होना चाहिए। अनुसंधान तथा सूचना की व्याख्या करने के लिए विश्लेषण कुशलता होनी चाहिए।

बदलते परिवेश ने वैसे देखा जाय तो प्रायः प्रत्येक करियर की संभावनाओं में आमूल परिवर्तन कर दिया है। इस लिहाज़ से पत्रकारिता एक प्रतिष्ठित व्यवसाय है और कुछ मामलों में एक उच्च वेतन देने वाला व्यवसाय है,जो युवाओं की बड़ी संख्या को आकर्षित कर रहा है। इससे कौन इंकार कर सकता है कि किसी भी राष्ट्र के विकास में पत्रकारिता अहम भूमिका निभाती है। इसमें आजकल नागरिकों की सीधी भागीदारी की मांग बढ़ती है।यह वह साधन है, जिसके माध्यम से हमें समाज की दैनिक घटनाओं के बारे में सूचना प्राप्त होती है। वास्तव में पत्रकारिता का उद्देश्य जनता को सूचना देना, समझाना, शिक्षा देना और उन्हें प्रबुद्ध करना है।

कलम तलवार से कहीं अधिक प्रभावशाली है, इसे आज की पत्रकारिता ने सिद्ध कर दिखाया है। अब सिर्फ खबर देना पत्रकारिता नहीं है। घटनाओं की मात्र साधारण रिपोर्ट देना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि रिपोर्टिंग में अधिक विस्तार, स्पष्टता , विशेषज्ञता और व्यावसायिकता होना आवश्यक है। यही कारण है कि पत्रकार अपनी योग्यता प्रमाणित करने के लिए समाचारपत्रों एवं पत्र-पत्रिकाओं के लिए राजनीति शास्त्र,वित्त,अर्थशास्त्र,कला, संस्कृति एवं खेल जैसे विविध क्षेत्रों के अलावा अनगिन क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त करते हैं। घटनाओं और चीज़ों पर पकड़ के अलावा इसे भाषा पर भी अधिकार हासिल करना होता है।

अब एक करियर के रूप में अगर देखें तो तीन ऐसे मुख्य क्षेत्र हैं जिनमें पत्रकारिता के इच्छुक व्यक्ति रोजगार ढूंढ़ सकते हैं-

शिक्षण एवं अनुसंधान
प्रिंट पत्रकारिता
इलेक्ट्रॉनिक (श्रव्य/दृश्य) पत्रकारिता।

शिक्षण एवं अनुसंधान-उच्च शिक्षा, पत्रकारों के लिए रोजगार का एक महत्वपूर्ण स्रोत है, किंतु अनुसंधान भी पत्रकारिता में एक सामान्य करियर विकल्प है। पत्रकारिता में उच्च शिक्षा और पी.एचडी. उपाधि धारक कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थाओं में रोजगार तलाशते हैं। कई अध्यापन पदों पर विशेष रूप से विश्वविद्यालयों और संस्थानों में अनुसंधान सम्बन्धी कार्यकलाप अपेक्षित होते हैं। यद्यपि यह निश्चित तौर पर सत्य है कि पुस्तकों अथवा लेखों को प्रकाशित करना कार्य - सुरक्षा तथा पदोन्नति का मुख्य मार्ग है और अधिकांश विश्वविद्यालयों में वेतन वृद्धि होती है, यह अपेक्षा ऐसी स्थापनाओं में अधिक लागू होती है जहां मूल छात्रवृत्ति को महत्व तथा समर्थन दिया जाता है। तथापि कई संस्थाएं उन्नति के एक प्रारंभिक मार्ग के रूप में अनुसंधान अथवा अध्यापन पर अधिक बल देती है।

इसके परिणामस्वरूप यद्यपि कुछ व्यवसायों में पत्रकारिता में कोई डिग्री विशेष रूप से अपेक्षित होती है, तथापि, ऐसा शैक्षिक प्रशिक्षण विविध प्रकार के व्यवसायों में जाने की एक महत्वपूर्ण योग्यता हो सकती है। पत्रकारिता में कला-स्नातक या मास्टर ऑफ आर्टस अथवा अनुसंधान (पीएच.डी.) डिग्रियों के लिए, गैर-लाभ भोगी क्षेत्र में, कोई विश्वविद्यालय, कोई संस्थान कोई व्यावसायिक या मीडिया फर्म रोजगार का क्षेत्र हो सकती है।

अवसर

पत्रकारिता में कोई पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद, कोई भी व्यक्ति किसी मीडिया अनुसंधान संस्थान या किसी सरकारी संगठन में एक अनुसंधान वैज्ञानिक बन सकता है। अनुसंधान कार्य के दौरान भी कोई व्यक्ति अन्य अनुदानों तथा सुविधाओं के अतिरिक्त, मासिक वृत्तिका प्राप्त कर सकता है। कोई भी व्यक्ति किसी समाचारपत्र में या इलेक्ट्रॉनिक चैनल में एक पत्रकार के रूप में कार्यग्रहण कर सकता है और अच्छा वेतन अर्जित कर सकता है। प्रेस अधिकारी के रूप में अपनी दक्षता सिद्ध कर सकता है।

प्रिंट पत्रकारिता- प्रिंट पत्रकारिता समाचार पत्रों पत्रिकाओं तथा दैनिक पत्रों के

लिए समाचारों को एकत्र करने एवं उनके सम्पादन से संबद्ध हैं। समाचार पत्र एवं पत्रिकाएं, वे बड़ी हों या छोटी, हमेशा विश्वभर में समाचारों तथा सूचना का मुख्य स्रोत रही हैं और लाखों व्यक्ति उन्हें प्रतिदिन पढ़ते हैं। कई वर्षों से प्रिंट पत्रकारिता बड़े परिवर्तन की साक्षी रही है। आज समाचार-पत्र एवं पत्रिकाएं विविध विशेषज्ञतापूर्ण वर्गों जैसे राजनीतिक घटनाओं व्यवसाय समाचारों, सिनेमा, खेल, स्वास्थ्य तथा कई अन्य विषयों पर समाचार प्रकाशित करते हैं, जिनके लिए व्यावसायिक रूप से योग्य पत्रकारों की मांग होती है। प्रिंट पत्रकारिता में कोई भी व्यक्ति सम्पादक, संवाददाता, रिपोर्टर, आदि के रूप में कार्य कर सकता है।

इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता- इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता का विशेष रूप से प्रसारण के माध्यम से जन-समुदाय पर पर्याप्त प्रभाव है। दूरदर्शन, रेडियो, श्रव्य, दृश्य (ऑडियो, वीडियो) और वेब जैसे इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने दूर -दराज के स्थानों में समाचार, मनोरंजन एवं सूचनाएं पहुंचाने का कार्य किया है। वेब में, कुशल व्यक्तियों को वेब समाचार पत्रों (जो केवल वेब की पूर्ति करते हैं और इनमें प्रिंट संस्करण नहीं होते और लोक प्रिय समाचारपत्रों तथा पत्रिकाओं को जिनके अपने वेब संस्करण होते हैं, साइट रखनी होती है। इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता में कोई भी व्यक्ति रिपोर्टर, लेखक, सम्पादक, अनुसंधानकर्ता, संवाददाता और एंकर बन सकता है।

शिक्षा- स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम एवं अनुसंधान चलाने वाले कई विश्वविद्यालय तथा संस्थान हैं, उनमें कुछ निम्नलिखित हैं-

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी
जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली
भारतीय जन संचार संस्थान, नई दिल्ली
मुद्रा संचार संस्थान
सिम्बियोसिस पत्रकारिता एवं संचार संस्थान
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय खुला विश्वविद्यालय, नई दिल्ली कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्व विद्यालय,रायपुर

स्वरोजगार

टॉय डिजाइनिंग ढेरों संभावनाएं

खिलौने सभी बच्चों को बेहद पसंद होते हैं। ये सिर्फ खेलने के नजरिए से नहीं, बल्कि उनके मानसिक विकास में भी मदद करते हैं। वैसे भी आजकल बाजार में इतने नए-नए खिलौने आ गए हैं कि कई बार लेने से पहले सोचना पड़ता है। कहते हैं अपने अंदर का बच्चा कभी न मरने दें और खिलौनों की दुनिया का यह नया स्वरूप खिलौने के निर्माण में कॅरियर की भी ढेरों संभावनाएं पैदा करता है। टॉय डिजाइनर का काम खिलौनों से बच्चों का मनोरंजन तो हो ही, साथ ही, ऐसे खिलौने बनाना भी है जिनसे बच्चों को मनोरंजन के साथ-साथ शिक्षा भी मिले। टॉय डिजाइनिंग में दो चीजें हैं - एक क्रिएटिविटी और दूसरा बच्चों की क्षमता को समझना, जिससे बच्चे खेलें भी और उन्हें नई चीजें सीखने का मौका भी मिले। खिलौने भी दो प्रकार के होते हैं - एक जिनसे बच्चे कुछ सीखते हैं और जिसे परिवार के साथ भी खेला जा सकता है, दूसरा सिर्फ मौज-मस्ती के लिए। पुराने समय में खिलौने प्राकृतिक चीजों से बनते थे जैसे- लकड़ी, पत्थर या मिट्टी लेकिन आजकल यह प्लास्टिक, फर और अन्य कृत्रिम पदार्थ। टॉय डिजाइनर खिलौनों को डिजाइन करते हैं और फिर बनाते हैं। उनका काम शुरू होता है ड्रॉइंग, स्केचिंग या कंप्यूटर से मॉडल तैयार करने से, फिर यह तय करना कि खिलौने का हर हिस्सा कैसे बनना है और फिर उसका एक नमूना तैयार करना। खिलौनों को बाजार में दो प्रकार के उपभोक्ताओं के लिए रखा जाता है - एक तो बच्चे जो उनसे खेलते हैं और दूसरे उन ग्राहकों के लिए जो खिलौने एकत्रित करते हैं। गुडिया से लेकर मैकेनिकल सेट, टॉय डिजाइनर, बोर्ड गेम्स, पजल्स, कम्प्यूटर गेम्स, स्टफ्ड एनिमल्स, रिमोट कंट्रोल कार, नवजात शिशु के लिए खिलौने आदि बनाते हैं। आजकल के दौर के हिसाब से खिलौने बनाने के लिए डिजाइनर को न केवल बाजार के ट्रेंड से अवगत रहना चाहिए बल्कि अलग-अलग आयु वर्ग के बच्चों की जरूरतों को भी पता होना चाहिए। इस कॅरियर में ग्राफिक डिजाइन, मैकेनिकल ड्रॉइंग और कलर के चुनाव की जानकारी हो तो अच्छी सफलता प्राप्त हो सकती है। टॉय डिजाइनर बच्चों के विशेषज्ञ के साथ काम करते हैं जिससे उन्हें हर आयु के बच्चों की जरूरत का पता चलता है। उनकी सफलता अच्छे, मनोरंजक, कल्पनाशील और सुरक्षित खिलौने बनाने पर निर्भर

करती है।

इस कॅरियर के लिए व्यापार और प्रबंधन क्षमता होना जरूरी है। इस कॅरियर में विशिष्ट कोर्स कम हैं लेकिन ग्राफिक डिजाइन, इंडस्ट्रियल डिजाइन या कार्टूनिंग की जानकारी के साथ काम किया जा सकता है। इसमें कंप्यूटर की जानकारी होना जरूरी है। इसके अलावा, इंजीनियरिंग और मार्केटिंग में अनुभव भी प्राप्त कर सकते हैं। शिक्षक, विशेषज्ञ, साइकोलॉजिस्ट, इंजीनियर, आर्किटेक्ट और कंप्यूटर साइंस ग्रेजुएट भी टॉय डिजाइनिंग का कोर्स कर सकते हैं। इंजीनियरिंग का ज्ञान तकनीक द्वारा निर्मित खिलौने के लिए होना जरूरी है। शिक्षक, विशेषज्ञ और मनोवैज्ञानिक हर आयु के बच्चों की जरूरतें आसानी से समझ सकते हैं इसलिए परामर्शदाता के तौर पर वह इस क्षेत्र में पैर जमाने में सक्षम हैं। कंप्यूटर साइंस ग्रेजुएट खिलौनों की सॉफ्टवेयर संबंधित कार्यात्मकता प्रदान कर सकते हैं। कुछ टॉय डिजाइनर एजुकेशनल खिलौनों में भी विशेषज्ञता प्राप्त कर सकते हैं, कुछ सामान्य खिलौनों में या फिर कोई विशिष्ट क्षेत्र में कोर्स कर सकते हैं जैसे- मॉडल मेकिंग, बोर्ड गेम्स, सॉफ्ट टॉय या पुराने खिलौनों की प्रतिकृति आदि। आजकल पालतू जानवरों के लिए खिलौने बनाना भी बढ़ती हुई इंडस्ट्री है। टॉय डिजाइनर अगर चाहें तो किसी कंपनी में भी काम कर सकते हैं या स्वतंत्र रूप से खिलौने भी बना सकते हैं। अगर चाहें तो अपनी मैनुफैक्चरिंग यूनिट भी खोल सकते हैं। टॉय डिजाइन पर किताब लिख सकते हैं या किसी इंस्टिट्यूट में बतौर शिक्षक भी नौकरी की जा सकती है। इसके अलावा, बतौर इंटीरियर डिजाइनर बच्चों के कमरे या प्ले स्कूल थीम बेस्ड टॉय का इस्तेमाल करके डिजाइन कर सकते हैं। टॉय डिजाइन कंस्लटेंट या इसमें फ्रीलांसिंग भी की जा सकती है। एक बार डिजाइनर के तौर पर अपने आपको स्थापित करने के बाद अवसरों और आय की कमी नहीं होगी। लेकिन इस कॅरियर में सफलता आपकी रचनात्मकता पर निर्भर करती है।

हंसो, हंसाओ लाइफ बनाओ

जिंदगी में दुख और तकलीफें कम नहीं, ऐसे में हंसने का मौका मिल जाए तो क्या कहने! यही वजह है कि हंसी के गुब्बारे छोड़ते लोग टीवी, रेडियो और फिल्में में खूब दिखने लगे हैं। कहा जाता है कि हंसाना आसान काम नहीं है, लेकिन यदि आपमें वह हुनर है कि आप रोते को भी हंसा दें तो फिर देर किस बात की, बना डालिए हंसी के क्षेत्र में करियर और कमा लीजिए ढेर सारा प्यार और रुपये। जी हां, कभी लोगों के चेहरे से दूर रहने वाली हंसी अब हर टीवी चैनल, रेडियो स्टेशन और फिल्मों में दिखने लगी है। यही वजह है कि इस समय हंसी के क्षेत्र में करियर बनाने के कई विकल्प हैं।

अपने शब्दों के साथ ही अपने चेहरे के हाव-भाव को कुछ डिफरेंट बना सकते हैं कि सामने वाला पेट पकड़े बिना न रह पाए तो मिमिक्री, आरजे, वीजे, टीवी धारावाहिक, स्टेज शो, एंकरिंग, थिएटर, फिल्म, स्क्रिप्ट लेखन, कवि गोष्ठी किसी क्षेत्र में भी हाथ आजमा सकते हैं। इस समय इस क्षेत्र से संबंधित कई इंस्टीट्यूट कुकुरमुत्ते की तरह उग आए हैं, लेकिन ध्यान रखिए कि किसी भी इंस्टीट्यूट में वह माद्दा नहीं है जो आपको इसमें पारंगत बना दे। इसे खुद ही निखारा जा सकता है, खूब सारी प्रैक्टिस करके। हंसी के क्षेत्र में बढ़ती करियर की संभावनाओं के बारे में पढिये इस लेख में-

स्टैंडअप कॉमेडियन

द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज, कॉमेडी सर्कस जैसे टीवी शोज के जरिए स्टैंडअप कॉमेडियन को न सिर्फ इज्जत मिलने लगी है, बल्कि ये कमाई का बेहतरीन जरिया भी बन चुके हैं। आप जितना अधिक खुद पर हंस सकते हैं, दूसरों पर बिना प्रहार किए उन्हें हंसी का केंद्र बना सकते हैं, आप उतनी ही जल्दी प्रसिद्धि के शिखर पर पहुंच सकते हैं। क्या कभी आप अपने दोस्तों के बीच खड़े होकर उन्हें पेट पकड़कर हंसने पर मजबूर कर चुके हैं, यदि आपका जवाब हां में है तो आपमें स्टैंडअप कॉमेडियन बनने की काबिलियत है। इसके जरिए आप शुरुआत में दस हजार रुपये आसानी से कमा सकते हैं। प्रसिद्धि पाने के बाद तो यह कीमत एक लाख रुपये तक जा सकती है। इसके लिए क्रिएटिव राइटिंग या मीडिया से संबंधित कोई कोर्स सहायक हो सकता है। जरूरी है कि आपमें बेहतर कम्यूनिकेशन स्किल, सेंस ऑफ ह्यूमर, अच्छी पर्सनालिटी, निरंतरता जैसी खूबियां हों।

रेडियो जॉकी

इन दिनों रेडियो स्टेशनों पर आरजे श्रोताओं को हंसाते हुए नजर आते हैं। बातचीत चाहे फिल्मों की हो या राजनीति की, इनकी बातों में हंसी का पुट खूब रहता है। एक हंसोड़ आरजे बनने के लिए आपमें सेंस ऑफ ह्यूमर, निरंतरता, बेहतरीन आवाज, कम्यूनिकेशन स्किल का होना जरूरी है। इन गुणों के अलावा पुणे स्थित फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट, नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा, जेवियर्स इंस्टीट्यूट ऑफ कम्यूनिकेशन ट्रेनिंग प्रदान करता है। आरजे खुरापाती नितिन के सभी श्रोता इसलिए फैन हैं, क्योंकि वह अपनी बातों से खूब हंसाते हैं।

वीडियो जॉकी

वीजे का काम भी काफी हद तक आरजे से मिलता है। बस यहां खुशनुमा व्यक्तित्व का होना आवश्यक है। व्यक्तित्व ऐसा हो, जिसे देखते दर्शकों को अच्छा महसूस हो। साथ में फटाफट जवाब देने की कुशलता का होना आवश्यक है। वीजे सायरस ब्रोचा ऐसे ही हैं, जो अपनी वीजेइंग में कॉमेडी का पुट ऐसा जोड़ते हैं कि दर्शक हंसे बिना रह ही नहीं पाते।

एंकर

एंकर बनने के लिए सबसे पहली खूबी तो यह होनी चाहिए कि भीड़ में आपका आत्मविश्वास खुलकर दिखे। आप जब बोलें तो लोग आपको ध्यान से सुनें। जरूरी तो यह भी है कि आपकी पर्सनालिटी खुशनुमा हो, आवाज साफ और खुली होने के साथ शब्दों का उच्चारण सही करना आता हो। साजिद खान, अली असगर, पूरबी जोशी जैसे एंकर इसलिए हिट हैं, क्योंकि उनमें ये सारी खूबियां हैं।

स्क्रिप्ट राइटर

टीवी चैनलों पर बढ़ते हास्य धारावाहिकों या कॉमेडी के शोज को देखते हुए भारी मांग बढ़ी है स्क्रिप्ट लेखकों की। कई बड़े और नामी कॉमेडी आर्टिस्ट समय की कमी के कारण खुद के लिए स्क्रिप्ट लिखवाते हैं। तो हास्य धारावाहिकों में भी स्क्रिप्ट लेखक की आवश्यकता पड़ती है, जो दर्शकों को खुद की लिखी लाइनें सुनते ही हंसने पर मजबूर कर दे। यही मांग कॉमेडी फिल्मों और रेडियो के लिए भी है। इस हुनर को सीखा नहीं जा सकता, यह व्यक्ति के अंदर होता है। हां, इसे निखारा जरूर जा सकता है। सही लेखन के लिए मास कम्यूनिकेशन का कोर्स किया जा सकता है। शुरुआत में थोड़ा संघर्ष हो सकता है, लेकिन बाद में प्रति माह चालीस-पचास हजार रुपये आसानी से कमाए जा सकते हैं।

हंसने-हंसाने के क्षेत्र में इस समय करियर की संभावनाएं बेहतरीन हैं। चाहें तो लाइव शोज में एंकरिंग कर लें, स्टैंडअप कॉमेडियन बन जाएं या लिखना शुरू कर दें। बस जरूरत है थोड़ी ग्रूमिंग की और स्टेज प्रेजेंस तगड़ा (लेखन छोड़कर) बनाने की। इसके लिए जरूरत है प्रेजेंस ऑफ माइंड बढ़िया हो। इसके साथ ही एक्सट्रोवर्ट होना चाहिये। जनरल अवेयरनेस, अच्छी मेमोरी, ग्रहण करने की बेहतर क्षमता, कम्यूनिकेशन स्किल,सेंस ऑफ ह्यूमर अन्य जरूरी गुण हैं। इन खूबियों को ऐसे लोगों के साथ रहकर ग्रूम भी किया जा सकता है। इसके बाद स्क्रिप्ट राइटिंग, एंकरिंग, स्टैंडअप कॉमेडियन, रेडियो जॉकी, वीडियो जॉकी, लाइव शो प्रेजेंटर में से कोई भी विकल्प चुना जा सकता है।

एसीएमई सोलर ने सेकी के साथ किया बिजली खरीद समझौता

नई दिल्ली ।

एसीएमई सोलर होल्डिंग्स ने 300 मेगावाट की अंतरराज्यीय पारेषण प्रणाली (आईएसटीएस) से जुड़ी पवन-सौर हाइब्रिड नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना के लिए भारतीय सौर ऊर्जा निगम (सेकी) के साथ बिजली खरीद समझौता (पीपीए) किया है। कंपनी ने मंगलवार को बयान में कहा कि उसकी अनुषंगी कंपनी एसीएमई रिन्यूटेक फिफ्थ प्राइवेट लिमिटेड ने इस परियोजना के लिए सेकी के साथ 25 वर्ष की अवधि का बिजली खरीद समझौता किया है। बयान के अनुसार इस परियोजना के लिए शुल्क को केंद्रीय और राज्य नियामकों से पहले ही मंजूरी मिल चुकी है।

रिलायंस का कैंपा कोल्ड ड्रिंक बाजार में छाया, बना तीसरा खिलाड़ी

कई बाजारों में दोहरे अंकों की हिस्सेदारी, कोका-कोला व पेप्सिको को कड़ी टक्कर

नई दिल्ली ।

रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (आरसीपीएल) का सॉफ्ट ड्रिंक ब्रांड कैंपा भारतीय बाजार में तेजी से पैठ बना रहा है। अब यह देश के गैर-मादक रेडी-टू-ड्रिंक (एनएआरटीडी) पेय बाजार की तीसरी सबसे बड़ी खिलाड़ी बन गई है, जो कोका-कोला और पेप्सिको जैसे स्थापित ब्रांडों को कड़ी चुनौती दे रही है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के अनुसार, जून तिमाही में पेय कारोबार से लगभग 2,900 करोड़ रुपए का राजस्व मिला, जो उल्लेखनीय वृद्धि है। कैंपा और इंडिपेंडेंस जैसे ब्रांडों की बदौलत कंपनी ने कई क्षेत्रीय बाजारों में पहले ही दोहरे अंकों की बाजार हिस्सेदारी हासिल कर ली है। 2023 में दोबारा लॉन्च के बाद, कैंपा ने आक्रामक मूल्य निर्धारण, व्यापक वितरण नेटवर्क और उत्पाद विविधता के दम पर तेजी से विस्तार किया है। कंपनी ने कोला के अलावा लेमन, ऑरेंज और एनर्जी ड्रिंक जैसे उत्पादों को अपने पोर्टफोलियो में शामिल किया है। बढ़ती मांग के मद्देनजर रिलायंस अपनी विनिर्माण क्षमता बढ़ा रही है और नए बैवरेज प्लांट का एक हिस्सा शुरू कर चुकी है। कंपनी अंतरराष्ट्रीय विस्तार पर भी ध्यान दे रही है, जैसे ऑस्ट्रेलिया में कैंपा कैन का उत्पादन और अफ्रीकी बाजारों में प्रवेश। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह गति बनी रही तो भारतीय सॉफ्ट ड्रिंक बाजार में प्रतिस्पर्धा और तेज होगी।

रुपए की तेज गिरावट शेयर बाजार के लिए असली खतरा, स्तर नहीं!

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 96.64 के स्तर पर, इस साल 7 फीसदी कमजोर

नई दिल्ली ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये पर लगातार दबाव बना हुआ है, जो मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 96.64 के स्तर तक पहुंच गया। पश्चिम एशिया में जारी तनाव, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और विदेशी निवेशकों की सतर्कता के चलते इस साल अब तक रुपया डॉलर के मुकाबले करीब 7 फीसदी कमजोर हो चुका है। ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि क्या रुपये की यह लगातार कमजोरी भारतीय शेयर बाजार के लिए भी खतरे की घंटी है? एक ब्रोकरेज फर्म की रिपोर्ट इस पर अहम जानकारी देती है। 18 साल के आंकड़ों पर आधारित रिपोर्ट के मुताबिक, शेयर बाजार के लिए रुपये का किसी खास स्तर (जैसे 96 या 100) पर पहुंचना उतनी बड़ी चिंता नहीं है, जितनी उसकी कमजोरी की रफ्तार। रिपोर्ट बताती हैं कि शेयर बाजार रुपये में होने वाली 2 से 3 फीसदी की सामान्य गिरावट को तो आसानी से स्वीकार कर लेता है। लेकिन जब रुपये के कमजोर होने की गति पिछले साल के मुकाबले अचानक तेज हो जाती है, तब बाजार इसे अर्थव्यवस्था में बढ़ते जोखिम का संकेत मानता है और इसका असर शेयरों पर भी दिखाई देता है। रिपोर्ट बताती है कि 2008 में जब रुपये की सालाना गिरावट करीब 7 फीसदी तक पहुंच गई थी (पहले यह 2 फीसदी थी), तब निफ्टी का रिटर्न 20 फीसदी से घटकर सिर्फ 4 फीसदी रह गया था।` रिपोर्ट के अनुसार रुपये की तेज गिरावट का असर तीन बड़े रास्तों से शेयर बाजार तक पहुंचता है- कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और चालू खाते का घाटा, विदेशी निवेशकों की निकासी, और आयातित कच्चे माल पर निर्भर कंपनियों की लागत में वृद्धि, जिससे मुनाफे पर दबाव पड़ता है।

100-200 ही नहीं, 50 रुपये के नकली नोट से भी रहें सतर्क

नई दिल्ली ।

अक्सर हम बड़ी खरीदारी में ही नोटों की जांच करते हैं, लेकिन अब भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 50 रुपये जैसे छोटे नोटों पर भी सतर्क रहने की अपील की है। बाजार में 50 रुपये के नकली नोटों के चलन बढ़ने की खबरों के बीच आरबीआई ने आम जनता के लिए असली नोटों की पहचान करने के कुछ महत्वपूर्ण फीचर्स साझा किए हैं ताकि धोखाधड़ी से बचा जा सके। आपकी थोड़ी सी भी लापरवाही आपको आर्थिक नुकसान पहुंचा सकती है। आरबीआई के अनुसार, लोग अक्सर 50, 20 या 10 रुपये के नोटों को बिना जांचे जेब में रख लेते हैं, जिसका फायदा ठग उठाते हैं। असली 50 रुपये के नोट की पहचान के लिए इन प्रमुख बिंदुओं पर ध्यान दें-सी-थ्रू फीचर- नोट के नीचे बाईं ओर 50 का एक पारदर्शी अंक होता है, जो रोशनी में रखने पर साफ दिखाई देता है।देवनागरी में 50- नोट पर 50 का अंक हिंदी (देवनागरी लिपि) में भी अंकित होता है।- महात्मा गांधी का चित्र- नोट के बीचों-बीच महात्मा गांधी की स्पष्ट तस्वीर छपी होती है।- गवर्नर के हस्ताक्षर- नोट के दाईं ओर आरबीआई का लोगो, गवर्नर के हस्ताक्षर और भुगतान का वादा (गारंटी क्लॉज) मौजूद होता है। बढ़ते क्रम में सीरियल नंबर- ऊपर बाईं और नीचे दाईं ओर लिखे सीरियल नंबर के अंक छोटे से बड़े आकार में बढ़ते क्रम में होते हैं।अशोक स्तंभ- नोट के नीचे दाईं ओर राष्ट्रीय चिन्ह अशोक स्तंभ का प्रतीक बना होता है।रिजर्व बैंक समय-समय पर लोगों से अपील करता है कि वे नकली नोटों के जाल में फंसने से बचने के लिए सुरक्षा फीचर्स की पूरी जानकारी रखें। विशेषज्ञों का मानना है कि इन फीचर्स को इतनी बारीकी से डिजाइन किया गया है कि इनकी हूबहू नकल करना नामुमकिन है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 15 पैसे की गिरावट के साथ ही 96.27 पर बंद हुआ। वहीं आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया छह पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.42 पर आ गया। वैश्विक अनिश्चितता बढ़ने से भी एशिया की अधिकतर मुद्राओं की तरह रुपया भी दबाव में रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि निवेशकों के सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख करने से अमेरिकी डॉलर की मांग बढ़ी जिससे भी रुपये पर दबाव बना। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 96.41 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.42 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से छह पैसे की गिरावट है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.36 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी की मामूली बढ़त के साथ 100.97 पर रहा।

हॉलीवुड की 81 अरब डॉलर की मेगा डील पर कोर्ट ने लगाई अस्थायी रोक

कोर्ट ने दोनों कंपनियों को दो सप्ताह तक इस सौदे को आगे नहीं बढ़ाने का आदेश दिया

वाशिंगटन ।

हॉलीवुड के इतिहास की सबसे बड़ी कारोबारी डील पर फिलहाल ब्रेक लग गया है। पैरामाउंट और वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी के बीच प्रस्तावित 81 अरब डॉलर के मेगा मर्जर पर अमेरिकी फेडरल कोर्ट ने अस्थायी रोक लगा दी है। कोर्ट का यह फैसला उन 12 राज्यों के पक्ष में आया है, जिन्होंने इस सौदे को प्रतिस्पर्धा के लिए खतरा बताते हुए चुनौती दी थी। अमेरिकी फेडरल कोर्ट ने दोनों कंपनियों को कम से कम दो सप्ताह तक इस सौदे को आगे नहीं बढ़ाने का आदेश दिया है। राज्यों का तर्क है कि यदि दोनों मीडिया दिग्गज एक हो गए तो हॉलीवुड में प्रतिस्पर्धा कमजोर होगी, जिसका सीधा असर दर्शकों के विकल्पों और जेब पर पड़ेगा। फेडरल डिस्ट्रिक्ट जज अरासेली मार्टिनेज-ओल्गुइन ने राज्यों की याचिका पर सुनवाई के बाद यह अस्थायी रोक लगाई है, ताकि उन्हें अपने आरोपों के समर्थन में सबूत पेश करने का पर्याप्त समय मिल सके। कैलिफोर्निया की अगुवाई में इन 12 राज्यों ने तर्क दिया है कि विलय से मनोरंजन उद्योग में प्रतिस्पर्धा कम होगी, दर्शकों के पास कंटेंट के विकल्प घटेंगे और केबल टीवी व मनोरंजन सेवाओं की कीमतें बढ़ सकती हैं। राज्यों ने पहले दोनों कंपनियों से अदालत के फैसले तक डील को टालने का अनुरोध किया था, लेकिन उनके इनकार के बाद ही कोर्ट से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की गई, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। फिलहाल यह रोक दो सप्ताह के लिए प्रभावी है। इस अवधि में अदालत मामले की अगली सुनवाई करेगी। यदि कोर्ट को राज्यों की दलीलें मजबूत लगीं, तो वह प्रारंभिक निषेधाज्ञा जारी कर सकता है, जिससे इस मेगा डील पर लंबे समय के लिए रोक लग सकती है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 238, निफ्टी 50 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दूनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज सबसे अधिक गिरावट एचडीएफसी बैंक और रिलायंस के शेयरों में रही। इसके अलावा अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। पश्चिम एशिया में जारी खराब हालातों को देखते हुए निवेशकों ने भी बाजार से दूरी बनायी हुई है। इसी कारण लगातार दूसरे दिन भी बाजार नीचे आया है। गत दिवस सोमवार को भी बाजार नीचे आया था।

आज दिन भर के कारोबार के बाद कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 238.41 अंक नीचे आकर 77,470.11 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 50.80 अंक फिसलकर 24,187.70 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 में से 10 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। एचडीएफसी बैंक के शेयरों में 2 फीसदी से ज्यादा गिरावट रही जबकि एसबीआई, रिलायंस, टीसीएस, इन्फोसिस, पावरग्रिड और ट्रेंट के शेयर भी टूटे। वहीं दूसरी ओर बजाज फिनवर्स के शेयरों में सबसे ज्यादा 1.95 फीसदी उछाला आया । इसके अलावा इंडिगो, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचसीएल टेक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाइटन, कोटक बैंक और मारुति के शेयर भी उछले।

निफ्टी में एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस और एसबीआई के शेयर सबसे ज्यादा गिरे। । ब्रॉडर बाजार में निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप में तेजी रही। सेक्टरवाइज देखें तो निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा गिरावट आई। वहीं, निफ्टी केमिकल और निफ्टी सीमेंट में सबसे ज्यादा तेजी रही।

इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार की हल्की बढ़त के साथ शुरुआत हुई । सुबह` निफ्टी 50 3.35 अंक की मामूली बढ़त के साथ 24,241.85 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं, बीएसई सेंसेक्स भी 8.79 अंक चढ़कर 77,717.31 पर पहुंच गया। बाजार में विदेशी पूंजी निकासी और बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव से भी दबाव बढ़ा।

सैमसंग का गैलेक्सी अनपैक्डः आज तीन नए फोल्डेबल स्मार्टफोन से उठेगा पर्दा

मुंबई, ।

तकनीक की दुनिया की दिग्गज कंपनी सैमसंग आज, 22 जुलाई को, अपना बहुप्रतीक्षित गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट आयोजित करेगी, जिसमें वह पहली बार तीन नए फोल्डेबल स्मार्टफोन पेश कर सकती है।

भारतीय समयानुसार यह कार्यक्रम शाम 6-30 बजे लंदन में शुरू होगा और इवेंट पर सबकी निगाहें टिकी हैं। हर साल की तरह इस बार भी कंपनी अपनी नई फोल्डेबल स्मार्टफोन श्रृंखला से पर्दा उठा सकती है, लेकिन इस बार संख्या और विविधता दोनों में कुछ नयापन देखने को मिल सकता है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, सैमसंग इस बार गैलेक्सी जेड फोल्ड 8, गैलेक्सी जेड फोल्ड 8 अल्ट्रा और गैलेक्सी जेड फ्लिप 8 को पेश कर सकता है। माना जा रहा है कि फोल्ड सीरीज़ में पहली बार एक अलग अल्ट्रा मॉडल शामिल किया जाएगा,

जो प्रीमियम अनुभव का वादा करता है। कंपनी ने गैलेक्सी जेड फोल्ड 8 की लगभग 28 लाख, जेड फोल्ड 8 अल्ट्रा की 20 लाख और जेड फ्लिप 8 की करीब 15 लाख यूनिट के उत्पादन का लक्ष्य रखा है, जो उनकी बाजार में अपेक्षित मांग को दर्शाता है।

लीक्स बताते हैं कि गैलेक्सी जेड फोल्ड 8 में चौड़े पासपोर्ट-स्टाइल फोल्डेबल डिजाइन के साथ 4-3 आस्पेक्ट रेशियो वाली डिस्प्ले मिल सकती है। यह मॉडल अल्ट्रा संस्करण की तुलना में आकार में छोटा हो सकता है और इसके पिछले हिस्से पर तीन की बजाय दो कैमरे दिए जाने की संभावना है।

इससे संकेत मिलता है कि कंपनी एक अपेक्षाकृत किफायती फोल्डेबल स्मार्टफोन भी बाजार में उतार सकती है ताकि अधिक उपभोक्ताओं तक पहुंच बनाई जा सके। हालांकि, इन सभी जानकारियों की आधिकारिक पुष्टि अभी बाकी है। यह इवेंट सैमसंग की आधिकारिक वेबसाइट, यूट्यूब चैनल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लाइव स्ट्रीम किया जाएगा

। फोल्डेबल स्मार्टफोन बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच सैमसंग का यह आयोजन काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि कंपनी अपनी नेतृत्व की स्थिति बनाए रखने के लिए नए इनोवेशन पेश कर रही है। नए स्मार्टफोनों के फीचर्स, कीमत और उपलब्धता से जुड़ी पूरी जानकारी आज शाम गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट के दौरान ही सामने आएगी।

ईयू का अलीएक्सप्रेस पर शिकंजा- 5,500 करोड़ का रिकॉर्ड जुर्माना

मुंबई ।

यूरोपीय यूनियन (ईयू) ने चीन की टेक दिग्गज अलीबाबा के ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अलीएक्सप्रेस पर 550 मिलियन यूरो (करीब 5,500 करोड़ रुपए) का भारी जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई प्लेटफॉर्म पर नकली, गैरकानूनी और असुरक्षित उत्पादों की बिक्री रोकने में विफलता के आरोप में की गई है। यूरोपीय अधिकारियों के अनुसार, अलीएक्सप्रेस पर बिक रहे कई उत्पाद यूरोपीय सुरक्षा और पर्यावरण मानकों का उल्लंघन कर रहे थे। इनमें खिलौने और कॉस्मेटिक जैसे उपभोक्ता उत्पाद शामिल हैं। जांच में यह भी सामने आया कि नियमों का उल्लंघन करने पर हटाए गए कई उत्पाद दोबारा प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हो गए और कुछ मामलों में तो ग्राहकों को उनकी सिफारिश भी की गई। यह कार्रवाई मार्च 2024 में शुरू हुई जांच के बाद ईयू के डिजिटल सर्विसेज एक्ट के तहत की गई है, जिसका उद्देश्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की जवाबदेही तय करना है। यह किसी ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म पर लगाया गया अब तक का सबसे बड़ा जुर्माना है। हालांकि, अलीएक्सप्रेस ने इस फैसले का विरोध करते हुए जुर्माने की राशि को अत्यधिक बताया है और कानूनी विकल्पों का उपयोग करने का संकेत दिया है। ईयू ने कंपनी को 20 अक्टूबर तक जुर्माने का भुगतान करने का निर्देश दिया है। यूरोप, अलीएक्सप्रेस का सबसे बड़ा बाजार है, जहां उसके लगभग 19.3 करोड़ सक्रिय उपयोगकर्ता हैं।

हॉलीवुड की 81 अरब डॉलर की मेगा डील पर कोर्ट ने लगाई अस्थायी रोक

कोर्ट ने दोनों कंपनियों को दो सप्ताह तक इस सौदे को आगे नहीं बढ़ाने का आदेश दिया

वाशिंगटन ।

हॉलीवुड के इतिहास की सबसे बड़ी कारोबारी डील पर फिलहाल ब्रेक लग गया है। पैरामाउंट और वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी के बीच प्रस्तावित 81 अरब डॉलर के मेगा मर्जर पर अमेरिकी फेडरल कोर्ट ने अस्थायी रोक लगा दी है। कोर्ट का यह फैसला उन 12 राज्यों के पक्ष में आया है, जिन्होंने इस सौदे को प्रतिस्पर्धा के लिए खतरा बताते हुए चुनौती दी थी। अमेरिकी फेडरल कोर्ट ने दोनों कंपनियों को कम से कम दो सप्ताह तक इस सौदे को आगे नहीं बढ़ाने का आदेश दिया है। राज्यों का तर्क है कि यदि दोनों मीडिया दिग्गज एक हो गए तो हॉलीवुड में प्रतिस्पर्धा कमजोर होगी।

जिसका सीधा असर दर्शकों के विकल्पों और जेब पर पड़ेगा। फेडरल डिस्ट्रिक्ट जज अरासेली मार्टिनेज-ओल्गुइन ने राज्यों की याचिका पर सुनवाई के बाद यह अस्थायी रोक लगाई है, ताकि उन्हें अपने आरोपों के समर्थन में सबूत पेश करने का पर्याप्त समय मिल सके।

कैलिफोर्निया की अगुवाई में इन 12 राज्यों ने तर्क दिया है कि विलय से मनोरंजन उद्योग में प्रतिस्पर्धा कम होगी, दर्शकों के पास कंटेंट के विकल्प घटेंगे और केबल टीवी व मनोरंजन सेवाओं की कीमतें बढ़ सकती हैं। राज्यों ने पहले दोनों कंपनियों से अदालत के फैसले तक डील को टालने का अनुरोध किया था, लेकिन उनके इनकार के बाद ही कोर्ट से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की गई, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया।

फलहाल यह रोक दो सप्ताह के लिए प्रभावी है। इस अवधि में अदालत मामले की अगली सुनवाई करेगी। यदि कोर्ट को राज्यों की दलीलें मजबूत लगीं, तो वह प्रारंभिक निषेधाज्ञा जारी कर सकता है, जिससे इस मेगा डील पर लंबे समय के लिए रोक लग सकती है।

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट के शेयर की एनएसई पर धमाकेदार लिस्टिंग

निवेशकों को प्रति शेयर 39.30 रुपए का फायदा

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी, एसबीआई फंड्स मैनेजमेंटके शेयरों ने मंगलवार को शेयर बाजारों में जोरदार एंट्री ली है। कंपनी के शेयर एनएसई पर 613.30 रुपए पर सूचीबद्ध हुए, जिससे निवेशकों को प्रति शेयर 39.30 रुपए का शानदार लिस्टिंग गेन मिला। बीएसई पर भी शेयर 610 रुपए पर लिस्ट हुआ, जो आईपीओ के अपर प्राइस बैंड 574 रुपए से ऊपर रहा। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट का आईपीओ 14 जुलाई को खुला था और 16 जुलाई को बंद हुआ था। इसका प्राइस बैंड 545 से 574 रुपए प्रति शेयर निर्धारित किया गया था। निवेशकों ने इस इश्यू में जबरदस्त रुचि दिखाई, जिसके परिणामस्वरूप यह समग्र रूप से 41.73 गुना सब्सक्राइब हुआ। योग्य संस्थागत खरीदारों की श्रेणी में इसे 140.11 गुना और गैर-संस्थागत निवेशकों की श्रेणी में 22.51 गुना बोलियां मिलीं, जबकि खुदरा निवेशकों ने भी 3.76 गुना सब्सक्रिप्शन दर्ज किया। यह इश्यू पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल था, जिसका अर्थ है कि आईपीओ से जुटाया गया पैसा कंपनी के बजाय प्रमोटरों, एसबीआई और अमुंडी के पास गया।एसबीआई ने इस आईपीओ के माध्यम से 9,95,01,649 शेयर बेचे, वहीं अमुंडी इंडिया होल्डिंग ने 7,14,54,982 शेयर बेचे। इस सौदे के बाद अब कंपनी में एसबीआई की हिस्सेदारी 60.32 फीसदी और अमुंडी की हिस्सेदारी 36.06 फीसदी रह गई है। बड़े निवेशकों ने भी इस आईपीओ में अपनी दिलचस्पी दिखाई। एसबीआई फंड्स ने एंकर निवेशकों से 2,662.96 करोड़ रुपए जुटाए थे।ब्लैकरॉक, अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी, मॉर्गन स्टेनली, गोल्डमैन सॉक्स और मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी जैसे 129 दिग्गज संस्थानों ने एंकर बुक के तहत शेयर खरीदे थे। वर्ष 1987 में स्थापित, एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड तिमाही औसत एसेट अंडर मैनेजमेंट के आधार पर भारत की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी है। नवीनतम उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2023 तक कंपनी के पास म्यूचुअल फंड में 12.51 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति थी और इसका मार्केट शेयर 15.3 फीसदी था।

रियल एस्टेट में वाराणसी ने लखनऊ-नोएडा को पछाड़ा

वीडीए लाएगा 500 एकड़ की मेगा टाउनशिप

वाराणसी ।

रियल एस्टेट की बढ़ती कीमतों में वाराणसी ने उत्तर प्रदेश के लखनऊ और नोएडा को पीछे छोड़ दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संसदीय क्षेत्र और काशी-विश्वनाथ कॉरिडोर के विकास ने यहां संपत्ति की कीमतें आसमान पर पहुंचा दी हैं। बेहतर कनेक्टिविटी और धार्मिक पर्यटन के कारण देशभर से लोग अब काशी में घर बनाना चाहते हैं। इस बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए वाराणसी विकास प्राधिकरण (वीडीए) ने अब कई नई टाउनशिप परियोजनाएं शुरू करने का निर्णय लिया है। वीडीए ने लैंड पूलिंग नीति के तहत 60 एकड़ से अधिक भूमि जुटाई है, जिसके बाद कल्लीपुर में आनंद काशी, मढ़नी में रुद्र विहार और गंजारी में स्पोर्ट्स सिटी जैसी 500 एकड़ से अधिक में फैली तीन बड़ी टाउनशिप विकसित की जा रही हैं। ये परियोजनाएं मुख्य शहर की भीड़भाड़ कम कर सुनियोजित विकास और काशी की विरासत को आधुनिकता से जोड़ने का लक्ष्य रखती हैं।

नीति आयोग ने काशी-विंध्य क्षेत्र में काशी थीम व वैदिक नामों पर आधारित 10 नई टाउनशिप का सुझाव दिया है।

वीडीए की पहली टाउनशिप आनंद काशी में अगस्त अंत या सितंबर तक बिक्री शुरू होने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त वीडीए कारोबार और संस्थानों के लिए एरोसिटी और मेडिसिटी की भी योजना बना रहा है, जिन्हें क्षेत्रीय आर्थिक मास्टर प्लान से जोड़ा जाएगा। हालांकि, वाराणसी अब यूपी के सबसे महंगे शहरों में शुमार है, इसलिए वीडीए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सभी के लिए आवास के विचार पर भी काम कर रहा है।

अमेरिका का कनाडा पर व्यापारिक वार, अधिकांश आयात पर 50 फीसदी शुल्क

आर्थिक अनिश्चितता और दोनों देशों के संबंधों में तनाव बढ़ने की आशंका

वॉशिंगटन ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा से आयात होने वाली अधिकतर वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा कर दोनों देशों के व्यापार संबंधों में नया तनाव पैदा कर दिया है। ट्रंप प्रशासन ने कनाडा पर अमेरिकी वाहनों, मादक पेय और डेयरी उत्पादों के साथ अनुचित भेदभाव करने का आरोप लगाया है। इस कदम से आर्थिक अनिश्चितता बढ़ने और मुद्रास्फीति में वृद्धि की आशंका जताई जा रही है। प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि चीन के अलावा कनाडा उन चुनिंदा देशों में से एक है जिसने ट्रंप द्वारा लगाए गए पिछले शुल्कों के जवाब में प्रतिशोधात्मक कार्रवाई की थी, और उसे अब इसके लिए जवाबदेह ठहराया जा रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने 1930 के व्यापार अधिनियम की धारा 338 के तहत इन शुल्कों को लागू करने के लिए तीन घोषणाओं पर हस्ताक्षर किए हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष कई डेमोक्रेटिक सांसदों ने इस धारा को समाप्त करने का प्रस्ताव रखा था, उनका तर्क था कि राष्ट्रपति इसका उपयोग अर्थव्यवस्था को अस्थिर करने के लिए कर सकते हैं। नए 50 प्रतिशत शुल्क के दायरे से ऊर्जा उत्पाद, पोटाश, मछली और महत्वपूर्ण खनिजों को बाहर रखा गया है। हालांकि, इसमें वे वस्तुएं शामिल होंगी जिन्हें पहले अमेरिका-मैक्सिको-कनाडा समझौते (यूएसएमसीए) के तहत आयात शुल्क से छूट प्राप्त थी।

वर्ष 2020 में लागू हुए इस व्यापार समझौते की समीक्षा और नए सिरे से वार्ता शुरू हुई है, जो 2036 तक इसकी अवधि बढ़ाने की दिशा तय कर सकती है। व्हाइट हाउस के तथ्य पत्रक के अनुसार, ये शुल्क 30 दिन बाद प्रभावी होंगे।

इंग्लैंड से हार के बाद शुभमन के निशाने पर आये कोच गंभीर और चयनकर्ता

-बढ़ सकती हैं गंभीर से दूरियां

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड दौरे में एकदिवसीय सीरीज में मिली हार के बाद जिस प्रकार से खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर नाराजगी जतायी है। उससे शुभमन ने एक प्रकार से चयनकर्ताओं और कोच पर निशाना साधा है। उनका नाराजगी विशेष रूप से टीम चयन और खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर थी, जिसने भारतीय क्रिकेट में एक नई बहस शुरु हो गयी है।

शुभमन का कहना है कि जब एक खिलाड़ी तीन मैचों की सीरीज भी पूरी नहीं खेल पा रहा है, तो ऐसे में आगामी एकदिवसीय विश्व कप के लिए टीम इंडिया की तैयारी कैसे हो पाएगी? ये बयान सीधे तौर पर चयनकर्ताओं पर सवाल खड़े करता है कि उन्होंने पूरी तरह से फिट नहीं होने वाले खिलाड़ियों को किस प्रकार से शामिल किया है?

इस मामले में कोच गंभीर भी फंसे हुए हैं क्योंकि चयन प्रणाली में उनकी भी अहम भूमिका रहती है। टीम चयन में गंभीर की भी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है क्योंकि सभी जानते हैं कि उनकी पसंद के खिलाड़ियों को ही टीम में शामिल किया जाता है। यही कारण है कि टीम में सीनियर खिलाड़ियों के साथ उनके मतभेद की खबरें आती रहती हैं। शुभमन को भी गंभीर की पसंद पर ही कप्तानी मिली थी पर इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में मिली हार के बाद शुभमन का बयान से साफ हैं कि वह गंभीर के फैसलों से सहमत नहीं हैं। शुभमन का मानना है कि अनफिट खिलाड़ियों के चयन के कारण ही टीम सीरीज में हारी है।

सीरीज शुरू होने से पहले ही टीम इंडिया के खिलाड़ियों के चोटिल होने का सिलसिला शुरू हो गया था। अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और नितीश रेड्डी दौरे से पहले ही चोटित होने के कारण बाहर हो गये। वहीं एकदिवसीय सीरीज की शुरुआत होते ही हर्षित राणा और उसके बाद वाशिंगटन सुंदर व अंत में जसप्रीत बुमराह भी फिटनेस से जुड़े मामलों के कारण पूरी सीरीज नहीं खेल पाये। लगातार चोटिल हो रहे खिलाड़ियों के कारण टीम इंडिया का संयोजन बुरी तरह से डगमगा गया जिससे उसे अपनी रणनीति में लगातार बदलाव करना पड़ा।

सिराज अब पुलिस अधिकारी की जिम्मेदारी निभा रहे

हैदराबाद (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज अब पुलिस की वर्दी में नजर आये हैं। वह खेल से मिली छुट्टी का उपयोग अपनी पुलिस अधिकारी की जिम्मेदारी निभाकर कर रहे हैं। सिराज को उनके शानदार प्रदर्शन के कारण तेलंगाना पुलिस में डीएसपी का पद मिला है। इसी जिम्मेदारी को निभाने वह राज्य के पुलिस महानिदेशक सी वी आनंद से मिले। इस मुलाकात के दौरान सिराज ने पुलिस महानिदेशक को भारतीय क्रिकेट टीम की एक जर्सी भी भेंट की, जो अब चर्चा का विषय बन गई है। यह घटना न केवल उनके दोहरे व्यक्तित्व को दर्शाती है, बल्कि एक राष्ट्रीय खिलाड़ी के तौर पर उनकी सामाजिक जिम्मेदारियों को भी उजागर करती है। जिसके तहत वह पुलिस अधिकारी के तौर पर काम करने मैदान में उतरे हैं। तेलंगाना पुलिस में डीएसपी के रूप में उनकी उपस्थिति राज्य पुलिस बल के लिए भी गर्व का विषय है और निश्चित रूप से युवा पीढ़ी को खेल के साथ-साथ नागरिक सेवा में योगदान देने के लिए प्रेरित करती है। टीम इंडिया से मिली छुट्टी के बावजूद सिराज घर में खाली नहीं बैठे, बल्कि उन्होंने अपनी पुलिस विभाग की जिम्मेदारियों को प्राथमिकता दी। सिराज का एक तरफ देश के लिए क्रिकेट खेलना और दूसरी तरफ तेलंगाना पुलिस में डीएसपी के तौर पर अपनी सेवाएं देना, निश्चित रूप से देश के युवाओं के लिए एक प्रेरणा का स्रोत है।

कुलदीप को अवसर नहीं मिलने का कारण शुभमन ने बताया

लंदन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव को इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में एक भी मुकाबला खेलने का अवसर नहीं मिला। यहां तक कि लॉर्ड्स में खेले गए निर्णायक तीसरे एकदिवसीय में भी उन्हें अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली जबकि मैच के दौरान स्पिनरों को काफी सहायता मिली। इसी को लेकर कप्तान शुभमन गिल ने सफाई दी है शुभमन ने कहा कि शुरुआती दोनों एकदिवसीय में पिच से स्पिनरों को अधिक सहायता नहीं मिली। इसी कारण टीम प्रबंधन ने अतिरिक्त स्पिनर खिलाने की जगह पर तेज गेंदबाजों पर भरोसा जताया था। गिल ने कहा, पहले दो मैचों में हमने देखा कि पिच स्पिनरों के लिए ज्यादा सहायक नहीं थी। जब स्पिनर गेंदबाजी करते थे तो हमें रक्षात्मक फील्ड लगानी पड़ती थी, जबकि तेज गेंदबाजों के साथ विकेट मिलने की संभावना ज्यादा दिख रही थी। इसी कारण से कुलदीप को टीम में जगह नहीं मिली।

लॉर्ड्स में हुए मैच को लेकर शुभकन ने कहा कि मुकाबला आगे बढ़ने के साथ विकेट धीमा हो गया और बाद में स्पिन गेंदबाजी ज्यादा प्रभावी साबित हो सकती थी। उन्होंने अपनी गलती मानते हुए कहा, अब देखें तो लगता है कि स्पिनर बेहतर विकल्प हो सकता था। जब हम गेंदबाजी कर रहे थे तब ऐसा नहीं लग रहा था कि विकेट इतना धीमा होगा, लेकिन दूसरी पारी में पिच काफी धीमी हो गई। भारत की यह रणनीति मैदान पर सफल नहीं रही। टीम के चारों तेज गेंदबाज काफी महंगे साबित हुए और महत्वपूर्ण विकेट लेने में नाकाम रहे।कुलदीप ने अपना पिछला एकदिवसय जून में अफगानिस्तान के खिलाफ लखनऊ में खेला था, जिसमें उन्हें कोई विकेट नहीं मिला थ। कुलदीप यादव का इंग्लैंड में रिकॉर्ड काफी सम्मानजनक रहा है। उन्होंने यहां अब तक 10 वनडे मुकाबले खेले हैं, जिनमें 15 विकेट लिए हैं। भारतीय टीम अब भारत अब सितंबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय सीरीज खेलेगी और देखना होगा कि उसमें कुलदीप को अवसर मिलत है या नहीं।

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से वापसी कर सकते हैं जडेजा और बुमराह

हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण सुंदर को नहीं मिलेगी जगह

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) शीघ्र ही श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम घोषित कर सकता है। भारतीय टीम को श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैच खेलने हैं। भारतीय टीम 4 अगस्त को श्रीलंका के लिए रवाना होगी और पहला टेस्ट मुकाबला गॉल में खेला जाएगा। टेस्ट सीरीज से पहले टीम इंडिया एक चार दिवसीय अभ्यास मैच भी खेलेगी, जिससे खिलाड़ियों को हालातों के अनुरुप ढ़लने का अवसर मिल जाएगा।

वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की इस टेस्ट सीरीज से टीम में वापसी की पूरी उम्मीदें हैं। जडेजा को हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ

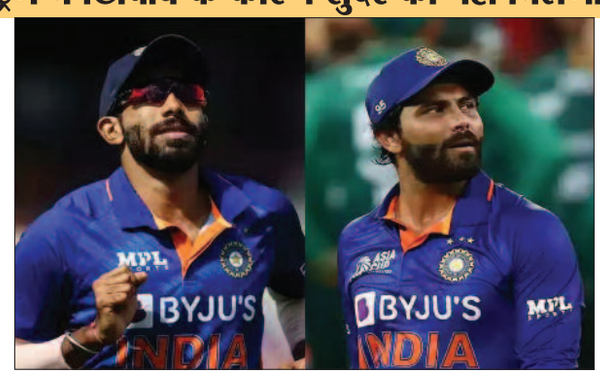

एकमात्र टेस्ट मैच में टीम में शामिल नहीं किया गया था, जबकि जसप्रीत बुमराह चोट के कारण लंबे समय से टेस्ट टीम से बाहर चल रहे थे। टीम चयन के दौरान कुछ खिलाड़ियों की फिटनेस पर भी नजरें रहेगी। वहीं स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर को हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर दूसरे मैच में हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था। ऐसे में उन्हें शामिल किये जाने क सवाल ही नहीं है। चयनकर्ता तो हर्ष दुबे को टीमें बनाये रख सकते हैं या फिर स्पिन आक्रमण को मजूबत करने के लिए ऑफ-स्पिनर सारांश जैन को अवसर दे सकते हैं। इसके अलावा उभरते हुए गेंदबाज मानव सुथार के अलावा अनुभवी स्पिनर कुलदीप यादव को भी टीम में बरकरार रखे जाने की संभावना है।

वहीं तेज गेंदबाज के तौर पर मोहम्मद सिराज, गुरनूर बराड़ और प्रसिद्ध कृष्णा की जगह टीम में बरकरार रहना तय है। दूसरी ओर बल्लेबाजी क्रम में किसी बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं है। यह सीरीज भारतीय टीम के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में क्वालीफाई करने की अपनी उम्मीदों को देखते हुए बेहद अहम है। भारतीय टीम का लक्ष्य श्रीलंका के खिलाफ दोनो मैच जीतकर अंक तालिका में अपनी स्थिति में सुधार करना रहेगा।

बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए सीए ने घोषित की टीम

मेलबर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। इसी सीरीज से नियमित कप्तान पैट कमिंस के अलावा जोश हेजलवुड, मिचेल स्टार्क और नाथन लियोन की भी वापसी होगी। इन सभी की वापसी से ऑस्ट्रेलियाई टीम की गेंदबाजी मजबूत होगी। पिछले कुछ समय से फिट नहीं होने के कारण ही ये चारों गेंदबाज बहुत कम अवसरों पर ही एक साथ खेल पाए थे। इससे पहले ये सभी आईपीएल में नजर आये थे। चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने इन गेंदबाजों की वापसी पर खुशी व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि वापसी करने वाले सभी गेंदबाज खेलने के लिए पूरी तरह से फिट हैं। बेली ने कहा, हम अभी से अंतिम ग्यारह को तय नहीं कर रहे हैं पर हम जानते हैं कि इस दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए हमारे पास एक बेहद मजबूत टीम है। मुझे पूरा भरोसा है कि भविष्य में भी यह चारों गेंदबाज एक साथ खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे।

मेसी बोले, हार से उबरने में लगेगा लंबा समय

रियो डि जिनेरियो। अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी फीफा विश्वकप फुटबॉल फाइनल में मिली बाहर के बाद से ही सदमे में हैं। खिताबी मुकाबले में स्पेन के हाथों मिली हार से उनका लगातार दूसरी बार खिताब जीतने का सपना टूट गया है। मेसी का कहना है कि इस बड़े झटके से उबरने में उन्हें लंबा समय लगेगा। इस टूर्नामेंट में मेसी ने बेहतरीन प्रदर्शन कर टीम को फाइनल तक पहुंचाया था पर खिताबी मुकाबले में वह अपने नाम के अनुरुप नहीं खेल पाये। वहीं स्पेन ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। फेरान टोरेस ने अतिरिक्त समय में निर्णायक गोल दागकर अपनी टीम को जीत दिला दी। मेसी के अनुसार, यह दर्द इतना गहरा है कि इसे भरने में वाकई लंबा समय लगेगा। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, दर्द बहुत गहरा है और इस घाव को भरने में समय लगेगा पर मैं उन सभी अच्छी यादों को भी संजोकर रखूंगा। उन्होंने अपनी पोस्ट में उन मैचों का जिक्र किया जिन्हें टीम ने अपनी पूरी ताकत लगाकर जीता था और सफलता के उन यादगार पलों को भी याद किया जो हमेशा टीम के साथ रहेंगे। मेसी ने पूरे देश के समर्थन के लिए भी आभार जताया है, जिसने टीम की कड़ी मेहनत और प्रयासों को सराहा है। गौरतलब है कि मेसी का 2030 में होने वाले अगले विश्व कप में खेलने की संभावना नहीं है हालांकि उन्होंने अभी तक अपने संन्यास को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

स्वदेश पहुंची स्पेन टीम का भव्य स्वागत, विक्ट्री परेड में उमड़े प्रशंसक

मैड्रिड। फीफा विश्वकप फुटबॉल खिताब जीतकर स्वदेश लौटी स्पेन टीम का जबरदस्त स्वागत हुआ है। टीम की एक झलक पाने के लिए प्रशंसक सड़कों पर उमड़ पड़े। टीम के खिलाड़ियों और उसके कोचिंग स्टाफ ने मैड्रिड पहुंचने पर शाही परिवार और फिर प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज से मुलाकात की। सांचेज ने कहा, ''आपके खेल की शानदार शैली, बेहतरीन प्रयास और जीत के लिए बहुत-बहुत बधाई। हमें आपको खेलते हुए देखकर वाकई बहुत आनंद आया।'' इसके बाद पूरी टीम एक खुली छत वाली बस में सवार होकर लोगों का अभिवादन स्वीकार करने के लिए मैड्रिड की सड़कों पर निकल गई। इस बस पर लिखा था ''सितारे एक साथ चमकते हैं'' और उस पर खिलाड़ियों की तस्वीरें भी लगी हुई थीं।

खिलाड़ियों के हाथों में विश्व कप ट्रॉफी थी और उन्होंने जो शर्ट पहन रखी थी उस पर स्पेनिश में लिखा था 'सोमोस कैम्पियोनेस' यानी 'हम चैंपियन हैं।' खिलाड़ी पूरी परेड के दौरान नाचते-गाते और प्रशंसकों से बातचीत करते रहे। वहीं स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने परेड शुरू होने से पहले कहा, ''ऐसे जोशीले और समर्पित प्रशंसकों वाले एक अद्भुत देश का प्रतिनिधित्व करना भावनात्मक और गौरवपूर्ण अनुभव रहा है। हम बहुत उत्साहित हैं।'' यह परेड प्रधानमंत्री के आधिकारिक निवास मोनक्लोआ पैलेस के पास से शुरू हुई और मैड्रिड की सड़कों से होते हुए सिबेल्स स्क्वायर तक गई, जहां उन्होंने एक स्वागत समारोह हमें हिस्सा लिया और अधिकारियों ने स्थानीय मीडिया को बताया कि इसमें एक लाख से अधिक लोग थे।

युवराज ने चयन पर उठाए सवाल, यशस्वी को पर्याप्त अवसर नहीं मिलने पर जतायी चिन्ता

-सीनियर खिलाड़ियों के लिए साफ रोडमैप जारी करें

चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के चयन मापदंडों पर सवाल उठाये हैं। उन्होंने युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को पर्याप्त अवसर नहीं मिलने और अनुभवी खिलाड़ियों के लिए एक स्पष्ट रोडमैप की कमी को लेकर अपनी चिंताएं साझा की हैं। युवराज ने कहा कि आगामी विश्व कप से पहले टीम प्रबंधन को इन महत्वपूर्ण मुद्दों पर गंभीरता से विचार करने की जरुरत है। युवराज ने कहा कि वह विशेष रूप से युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल लेकर चिन्ता जताती है। युवराज के अनुसार यश्स्वी ने हाल के अपने तीन एकदिवसीय मैचों में दो शानदार शतक लगाये हैं। इसके बाद भी उन्हें खेलने का मौका नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा, यशस्वी को खेलने का मौका नहीं मिल रहा है। ऐसे में अगर विश्व कप से पहले उन्हें खेलने का पर्याप्त समय नहीं मिलता और टीम में शामिल किया जाता है तो उन पर अचानक ही दबाव बन जाएगा। पिछले महीने चेन्नई में अफगानिस्तान के खिलाफ नाबाद शतक बनाने के बावजूद जायसवाल को इंग्लैंड के खिलाफ आगामी एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया था। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज की फॉर्म और टीम में उनकी जगह को लेकर अब सवाल उठ रहे हैं। इस पूर्व शानदार ऑलराउंडर ने जोर देकर कहा कि अगर जायसवाल टीम की विश्व कप योजनाओं का हिस्सा हैं, तो उन्हें बड़े टूर्नामेंट से पहले और अधिक मैच खेलने की आवश्यकता है जिससे वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुभव प्राप्त कर सकें और दबाव का सामना करना सीख सकें। युवराज ने 2019 विश्व कप का उदाहरण देते हुए चेतावनी दी, जहां चोट के कारण दो युवा खिलाड़ियों को बिना अधिक अनुभव के टीम में शामिल करना पड़ा था, और ऐसी पुरानी गलतियों को दोहराने से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा, अगर कोई खिलाड़ी चोटिल हो जाता है, तो आप क्या करेंगे? हमने पहले भी ऐसा होते देखा है। युवराज ने अनुभवी खिलाड़ियों के प्रति प्रबंधन के दृष्टिकोण पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि प्रबंधन को अपने सीनियर खिलाड़ियों को एक साफ रोडमैप देना चाहिए, चाहे वे टीम की दीर्घकालिक योजनाओं का हिस्सा हों या न हों। युवराज का मानना है कि आदर्श रूप से, टीम में अनुभव और युवा खिलाड़ियों का एक संतुलित मिश्रण होना चाहिए। उन्होंने कहा, अगर रोहित शर्मा और विराट कोहली विश्व कप के लिए आपकी योजनाओं का हिस्सा हैं, तो उन्हें अभी बताएं और उनकी जगह पक्की करें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उम्र और फॉर्म को लेकर बाहरी चर्चाएँ तो होती रहेंगी पर प्रबंधन को अपने सीनियर खिलाड़ियों

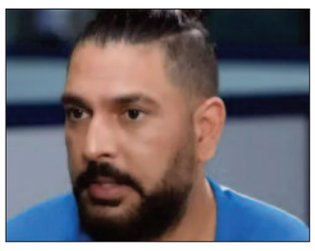

के साथ आंतरिक स्थिति बिल्कुल स्पष्ट रखनी चाहिए। युवराज ने ईमानदारी की वकालत करते हुए कहा, और अगर कोई आपकी योजनाओं में नहीं है, तो उनसे ईमानदारी से बात करें। यह एक मुश्किल फैसला होगा, बाहर से शायद यह बुरा लगे, लेकिन वे इस बात की तारीफ करेंगे कि आपने उनसे सीधे बात की। उनका मानना है कि इस तरह की स्पष्ट और सीधी बातचीत खिलाड़ियों में विश्वास पैदा करती है और उन्हें अपने भविष्य के बारे में फैसला लेने में मदद करती है, जो अंततः टीम के हित में ही होता है।

न्यूजीलैंड के स्मिथ ने जीता जून माह का आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के जून माह के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज नाथन स्मिथ मिला है। स्मिथ को ये अवार्ड इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में अच्छे प्रदर्शन के लिए दिया गया है। इस सीरीज में कीवी टीम ने 2-1 से जीत हासिल की थी। अवार्ड की दौड़ में भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल और बांग्लादेश के ऑलराउंडर थमोसाद्देक हुसैन भी थे। स्मिथ ने इंग्लैंड दौरे पर खेली गई तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में अपनी सधी हुई गेंदबाज से मेजबान टीम को कोई अवसर नहीं दिया था। उन्होंने 23 के शानदार औसत से 16 विकेट लिए। ये सीरीज में किसी भी गेंदबाज द्वारा लिए गए सबसे अधिक विकेट थे। अवार्ड हासिल करने के बाद स्मिथ ने एक बयान में अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, यह वाकई बहुत विशेष है। टीम के लिए इंग्लैंड का दौरा शानदार रहा और यह बहुत अच्छी बात है। स्मिथ ने आगे कहा कि वह आमतौर पर व्यक्तिगत पुरस्कारों के लिए नहीं खेलते हैं, लेकिन यह पहचान मिलना अच्छा लगता है और इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि मैंने सीरीज जीतने में योगदान दिया।

अभिषेक पोरेल रेप मामले में फंसे, गिरफ्तारी के आदेश जारी

कोलकाता। कोलकता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल की ओर से घरेल क्रिकेटर खेलने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज अभिषेक पोरेल की गिरफ्तारी का आदेश दिया है। अभिषेक पर कथित तौर पर एक युवती ने शादी का झांसा देकर रेप करने का आरोप लगाया है। इस पूरे मामले में हाई होर्ट ने अभिषेक के सभी इलेक्ट्रॉनिक गैजेट को जब्त करने के साथ उनकी गिरफ्तारी का आदेश दिया है। ऐसे में अब अभिषेक का करियर भी खतरे में नजर आ रहा है। अभिषेक अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग के लिए जाने जाते हैं। कोर्ट ने मोगरा पुलिस को शिकायतकर्ता की तस्वीरों के कथित तौर पर वायरल होने से रोकने के लिए पोरेल के सभी इलेक्ट्रॉनिक गैजेट को भी जब्त करने के निर्देश दिये हैं। इस मामले में पीड़ित युवती का आरोप है कि क्रिकेटर ने शादी का झांसा देकर उससे शारीरिक संबंध बनाए और उनके अंतरंग पलों को रिकॉर्ड किया। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि, 卐याचिकाकर्ता से एक पेन ड्राइव जब्त किया गया है। पेन ड्राइव में कुछ ऐसी चीजें मिली ऐसी हैं, जिससे साबित होता है कि पोरेल के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट को जब्त करने के लिए उन्हें गिरफ्तार किया जाना जरूरी है जिससे उसमें मौजूद डेटा दूसरों के साथ साझा नहीं किया जा सके।卐 एक रिपोर्ट के अनुसार पोरेल ने कथित तौर पर जनवरी 2023 में शिकायतकर्ता से संपर्क किया था, जिसके बाद दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई। 23 साल के क्रिकेटर पर आरोप है कि जब उनके माता-पिता बाहर थे तब वह महिला को मनकुंडू स्थित अपने फ्लैट पर ले गए थे। शिकायतकर्ता का आरोप है कि पोरेल ने उनके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए हालांकि, बाद में दोनों के परिवारों ने शादी पर चर्चा की थी, लेकिन बाद में शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उसे पता चला कि पोरेल के अन्य महिलाओं के साथ भी शारीरिक संबंध थे।

बांग्लादेश के कप्तान लिटन पर कार्रवाई कर सकती है बीसीबी

ढ़ाका। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के टी20 कप्तान लिटन दास की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। लिटन अपनी चीन यात्रा के कारण निशाने पर हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने उन्हें अनुबंधित खिलाड़ियों के लिए तय नियमों के उल्लंघन के आरोप में अनुशासन समिति के सामने पेश होने को भी कहा हहै। इस क्रिकेटर पर आरोप है कि कि चोट से उबरने के दौरान ही वह बोर्ड को बताये बिन ही चीन यात्रा पर गये थे। लिटन को 20 जुलाई को अपनी पिंडली (काफ) की चोट की विशेष जांच के लिए सिंगापुर जाना था। इसी चोट के चलते वह हालिया जिम्बाब्वे टी20 सीरीज और आगामी लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) 2026 से भी बाहर हो गए थे। हालांकि, इन महत्वपूर्ण चिकित्सा निर्देशों और टूर्नामेंट से अनुपस्थिति के बाद वह बिना किसी पूर्व सूचना या अनुमति के चीन गये थे। केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों के लिए बोर्ड की अनुमति के बिना विदेश यात्रा करना स्पष्ट रूप से नियमों का उल्लंघन माना जाता है और बीसीबी इसे किसी भी कीमत पर सहन करने के पक्ष में नहीं है। बोर्ड अब उनके द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण और प्रस्तुत की गई मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर ही आगे का निर्णय लेगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, बीसीबी के एक आंतरिक सूत्र ने इस मामले की पुष्टि करते हुए कहा, लिटन चीन गए थे, जिसे बोर्ड ने अत्यंत गंभीरता से लिया है। बोर्ड ने उन्हें बुलाकर यह जानने का प्रयास किया कि वह किसकी अनुमति से और किस उद्देश्य से चीन गए थे। इस घटना के लिटन ने बीसीबी को अपना जवाब दे दिया है। माना बीसीसबी की मेडिकल कमेटी लिटन दास के दावों और उनके द्वारा प्रस्तुत किए गए चिकित्सा दस्तावेजों की गहन जांच करेगी। इस जांच रिपोर्ट के आने के बाद ही बोर्ड यह तय करेगा कि उनके खिलाफ कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी या नहीं।

क्रिकेट को वैश्विक खेल बनाना है तो छोटी टीमों को बड़ी टीमों से मुकाबलों का अवसर मिले : अश्विन

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा है कि यदि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) क्रिकेट को वैश्विक खेल बनाना है तो उभरती हुई टीमों को नियमित अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलने का अवसर मिले। अश्विन के अनुसार हाल में आईसीसी ने जिस प्रकार से टीमों की संख्या बढ़ाई है उसका तब तक फायदा नहीं मिलेगा जब तक कि इन छोटी टीमों को बड़ी टीमों के खिलाफ पर्याप्त अवसर न मिले।

आईसीसी ने कुछ समय पहले ही एकदिवसीय विश्व कप और 2028 के टी-20 विश्व कप के प्रारूप में बड़े बदलावों की घोषणा की थी। नए प्रारूप के तहत साल 2027 के एकदिवसीय विश्व कप में 14 टीमें हिस्सा लेंगी और प्रतियोगिता को तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा। जिससे मुकाबलों की संख्या और प्रतिस्पर्धा दोनों बढ़ेंगी। वहीं, 2028 के टी-20 विश्व कप में भी दूसरे चरण में अधिक टीमों को शामिल करने की योजना है, ताकि टूर्नामेंट और अधिक रोमांचक बन सके।

अश्विन का मानना है कि प्रतिस्पर्धा के लिहाज से यह कदम सही दिशा में है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि, यदि अंतिम लक्ष्य क्रिकेट का वैश्विक विस्तार करना है, तो उभरते देशों के लिए एक मजबूत व्यवस्था तैयार करनी होगी। इस अनुभवी स्पिनर ने सुझाव दिया कि नीदरलैंड, स्कॉटलैंड, नेपाल, अमेरिका और आयरलैंड जैसी टीमों को हर द्विपक्षीय श्रृंखला में तीसरी टीम के रूप में शामिल किया जा सकता है। उनका तर्क है कि इससे इन देशों को केवल क्वालीफाइंग प्रतियोगिताओं पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, बल्कि उन्हें शीर्ष स्तर के देशों के खिलाफ नियमित अनुभव मिलेगा।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में, नेपाल, स्कॉटलैंड और अमेरिका जैसी टीमों ने सीमित अवसरों के बावजूद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है। टी-20 विश्व कप जैसे बड़े मंचों पर भी इन टीमों ने कई मजबूत देशों को कड़ी चुनौती देकर अपनी क्षमता साबित की है, जो दर्शाता है कि सही मंच मिलने पर ये टीमें क्रिकेट के स्तर को और ऊंचा उठा सकती हैं।

अश्विन ने इस बात पर जोर दिया कि यदि सभी देशों को बराबर अवसर मिलेंगे, तो क्रिकेट का स्तर और लोकप्रियता दोनों बढ़ेंगे। उनका मानना है कि सामूहिक विकास ही इस खेल को ओलंपिक जैसे वैश्विक मंच पर और अधिक आकर्षक बना सकता है। उन्होंने संकेत दिया कि भविष्य में क्रिकेट की सफलता केवल भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड या अन्य बड़ी टीमों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि नए देशों को भी आगे बढ़ने का समान अवसर मिलना चाहिए।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-6-9

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा
यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान की कोशिश करेगा। शुभांक-4-7-9

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-3-5

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। शुभांक-2-6-8

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानीयां स्वत: ही दूर होती प्रतीत होगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करे। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-3-7-8

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-6-8

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-5-8

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
जीवनसाथी अथवा दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 3955

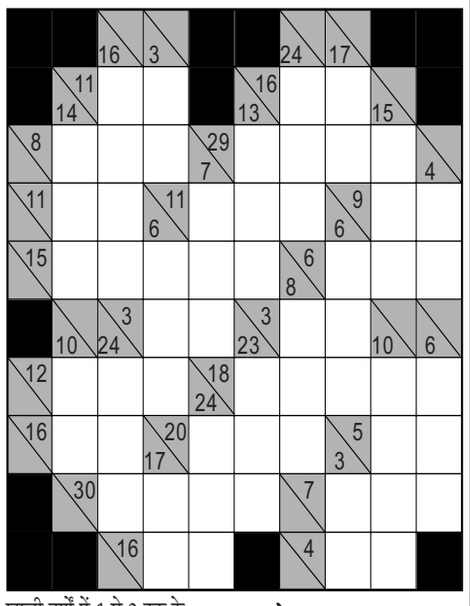

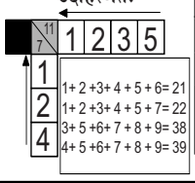

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

11 / 7 : 1 2 3 5 ; 1 2 4

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3954 का हल

लॉफिंग जोन

डॉक्टर ने रमन के सिर पर ड्रेसिंग करने के बाद पट्टी बाँध दी और पूछा कि चोट कैसे लगी है?

रमन- छोड़ो डॉक्टर! लंबी कहानी है।

डॉक्टर- फिर भी सुनना चाहता हूँ।

रमन- बात यह है कि पिछले हफ्ते पत्नी मायके गई हुई थी। मैं भी हवा बदलने रविवार को होटल में जा टिका। मेरे बगल के कमरे में एक खूबसूरत औरत थी। रात ग्यारह बजे उसने दरवाजा खटखटाया और माफी माँगते हुए कहा कि उसे ठंड लग रही है अगर मैं कुछ मदद कर सकूँ तो वह आभारी रहेगी। मैंने एक कम्बल दे दिया। थोड़ी देर बाद वह फिर आ गई और वही शिकायत करने लगी। मैंने उसे अपना ओवरकोट दे दिया।

आज जब मैं हथौड़ी से कील ठोंक रहा था तो अचानक मुझे समझ में आया कि उस दिन वह क्या चाह रही थी और बस, मैंने हथौड़ी अपने सिर पर दे मारी।

□ □ □

अफरीदी (शोएब से)- हम सचिन को सेंचुरी नहीं बनाने देंगे।

शोएब- मगर हम उसे रोकेंगे कैसे? वो तो फॉर्म में है।

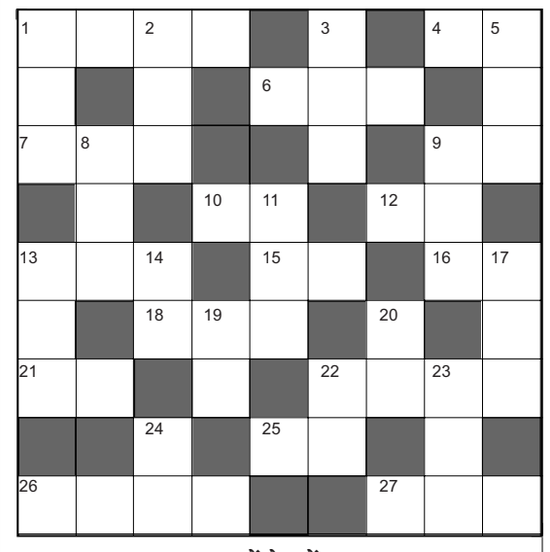

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली-3955

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की 'होरी खेले' गीत वाली फिल्म-४
४. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली अमिताभ, जैकी श्रॉफ, मधु सप्रे, कैटरीना कैफ, जीनत, सीमा की फिल्म-२
६. सुनील शेट्टी, सोनाली बेंद्रे की 'तुम से मिलने को' गीत वाली फिल्म-३
७. 'चढ़ गया ऊपर रे' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
९. अमजद, विनोद मेहरा, बिंदिया की 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली आफताब, युक्ता मुखी की फिल्म-२
१२. बलराज साहनी, नूतन की 'तु प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'मेरी पैंट भी सैक्सी' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-३
१५. अजय देवगन, पुजा, सोनाली की 'तुम आये तो' गीत वालीफिल्म-२
१६. 'दिल ही दिल में' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-२
१८. अजय, अभिषेक, बिपाशा की 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली फिल्म-३
२१. अमिताभ वाली फिल्म 'याराना' की नायिका कौन थी-२
२२. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी की फिल्म-४
२५. धर्मेन्द्र, हेमा की 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'अल्हड़ मस्त जवानी' गीत वाली अजय देवगन, ग्रेसी सिंह की फिल्म-४
२७. डिनो मोरिया, बिपाशा की 'जब दिल चुराये' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अक्षय, रवीना की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-३
२. 'ऑखों के रस्ते' गीत वाली बॉबी देओल रानी मुखर्जी की फिल्म-३
३. गोविंदा, करिश्मा की 'तुमसा कोई प्यारा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'चुपके से दिल' गीत वाली राजकुमार, राजेश खन्ना, मालासिन्हा की फिल्म-३
८. अनिल कपूर, श्रीदेवी, रवीना की 'लड़की है क्या' गीत वाली फिल्म-३
९. 'जागे जागे नैनों में' गीत वाली अमोल पालेकर, रंजीता की फिल्म-३
११. संजय, सलमान, माधुरी की 'जियें तो जियें' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'बन्नो तेरी आँखियाँ' गीत वाली सनी, जैकी, मनीषा की फिल्म-३
१४. डिनो, बिपाशा की 'कितना प्यारा है' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'रहें ना रहें हम' गीत वाली धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की फिल्म-३
१९. 'मैं चुप रहूँगी' में सुनीलदत्त के साथ नायिका कौन थी?-२
२०. फिल्म 'करीब' में बॉबी देओल के साथ नायिका कौन थी?-२
२२. आफताब, उर्मिला की 'सुना था देखा ना था' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'मैं तेरी दुश्मन' गीत वाली ऋषि कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-३
२४. जाकिर, शबाना, अरूणा की 'बादल चाँदी बरसाये' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3954

सूडोकु -3955

3	9			1	4			2
1	2		6		3		5	
		5		8	7			9
	7			6	9			8
2	1			5			4	6
4			3	2			9	
9			8	4		5		
	6		9		5		2	4
8			1	7			6	3

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3954 का हल

शब्द पहेली - 3955

बाएँ से दाएँ

1.फिल्म 'बॉबी' के निर्माता-निर्देशक -2,3
4.आश्चर्य, विलक्षणता-4
7.जीत, फतेह-2
8.आकाश रेखा, छोर-3
9.तल, पैंदा-2
10.थाती, धरोहर-4
11.मोटा आटा-2
13.सलाह, मशवरा-4
14.अन्य, वो, तिन-2
16.घर,गृह-3
18.धावक (अंग्रेजी-3)
19.नाम रखना-2,3
21.परामर्शदाता-5
24.सुनसान, नीरव-3
26.वन, जंगल-3
28.मिट्टी, रेत-2
29.चेतनाहीन-4
30.पराग कण-2
32.भयभीत होना-4
33.छोटी सवारी गाड़ी-2
35.फूलों का हार जो बालों में लगाते हैं,वेणी-3
36.द्वार,किवाड़-2
37.जनता की राय-4
38.नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.मत, सलाह-2
2.करतब-4
3.वह जंगल जो संरक्षित हो-3,2
4.अनश्वर, चिरयुवा-3
5.लीन, मग्न-2
6.जलाऊ लकड़ी-4
7.रनिवास 3,2
10.मूर्ख (उर्दू-4)
12.बांया-2
15.आनंदित होना-4
17.शत्रुघ्न सिन्हा व रीना राय की फिल्म-3
18.योद्धा-4
20.अमिताभ के तिहरे रोल वाली फिल्म-3
22.मुआवजा-4
23.चित्रपट, फिल्मी दुनिया-3,2
25.राज वंश-2,3
26.काम, कार्य-4
27.मादा का विलोम-2
29.उपद्रव फैलाने वाला-4
31.दुनिया, जहान-3
34.क्रिकेट में बनते हैं-2
36.पंख, पराया-2

शब्द पहेली -3954 का हल

चिल्का रोटी

सामग्री

- चावल: 1 1/2 कप
- चना दाल: 3/4 कप
- नमक: स्वाद के अनुसार

विधि

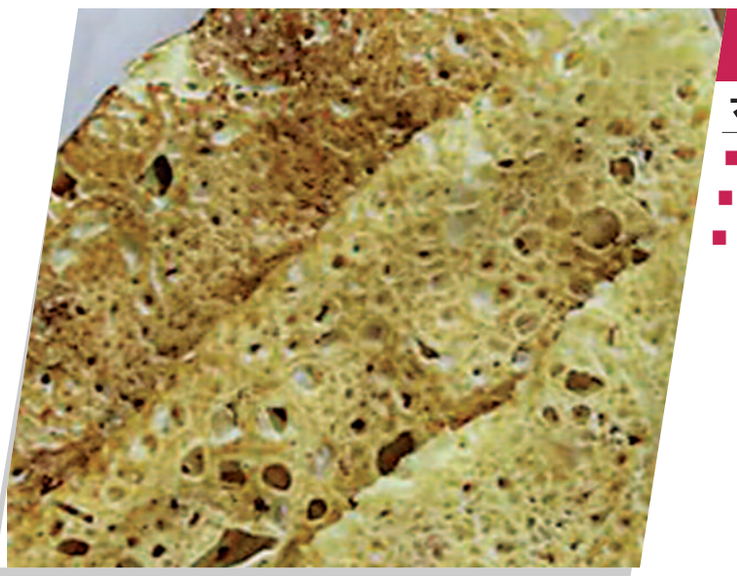

रोटी बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में चावल और चने की दाल को रातभर भिगोकर रख दें। सुबह पानी निकालकर छान लें। सुबह इसे ग्राइंडर जार में डालकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। अब एक बर्तन में पेस्ट डालें और इसमें नमक मिलाकर अच्छी तरह फेंट लें। मीडियम आंच पर तवा गर्म करने के लिए रख दें। अब हल्का-सा तेल लगाकर तवे को चिकना कर लें। अब पेस्ट का एक चम्मच तवे पर फैला दें और हल्का ब्राउन होने तक सिंकने दें। इसी तरह से दूसरी तरफ भी हल्का तेल लगाकर सेंक लें। इसी तरह सारी रोटियां सेंक लें। तैयार है चिल्का रोटी। इसे चटनी के साथ सर्व करें।

एंटी पॉल्यूशन सूप

सामग्री

- 4 आंवला
- 1 ब्रोकली
- 1 शिमला मिर्च
- 1 गाजर
- मूली: 1/2 कप
- 1 टमाटर
- कच्ची हल्दी: 2 टेबलस्पून / हल्दी पाउडर: 1/2 टीस्पून (ऑप्शनल)
- अलसी पाउडर: 2 टेबलस्पून
- काला नमक: 2 टेबलस्पून
- काली मिर्च पाउडर: 1/2 टीस्पून
- ऑलिव ऑयल: 1 टेबलस्पून

विधि

Anti Pollution Soup बनाने के लिए सबसे पहले सब्जियों को अच्छी तरह धो लें। इसके बाद सब्जियों को काटकर रख लें। मीडियम आंच पर प्रेशर कुकर में सारी सब्जियां, हल्दी पाउडर, अलसी पाउडर, काली मिर्च पाउडर, काला नमक, ऑलिव ऑयल और 4 कप पानी डालकर 2 सीटी आने तक पका लें। अब कुकर खोलकर छलनी से सूप को छान लें। सूप को कटोरी में डालकर सर्व करें। उबली हरी सब्जियों से मनपसंद सब्जी बना लें या फिर पराठे भी बना सकते हैं। आप चाहें तो पुलाव में भी इस्तेमाल कर सकते हैं। हरी सब्जियों को वेजिटेबल सलाद के तौर पर भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

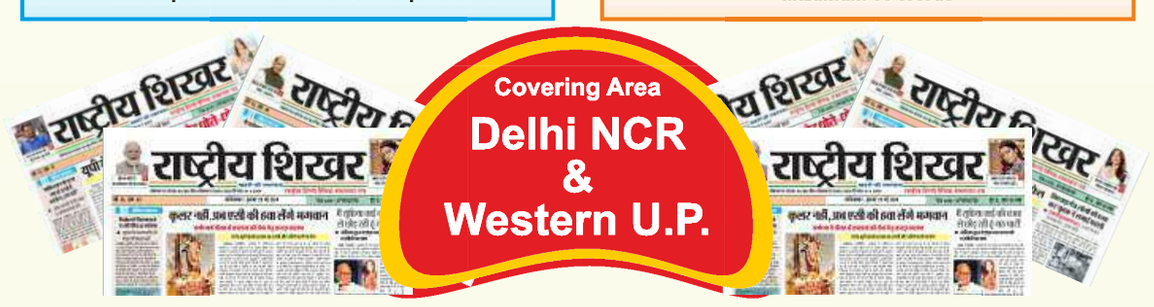

Front Page (Semi)	- 50%	Island Position	- 50%	Strip Advt.	- 15%
Front Page (Solus)	- 75%	Right Hand Page	- 10%	Political Advt.	- 50%
Back Page	- 25%	Top of AD Column	- 15%	Pull Outs	- 50%
Page Three	- 20%	Any Other Spl. Position	- 10%	Discount as per deal	

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

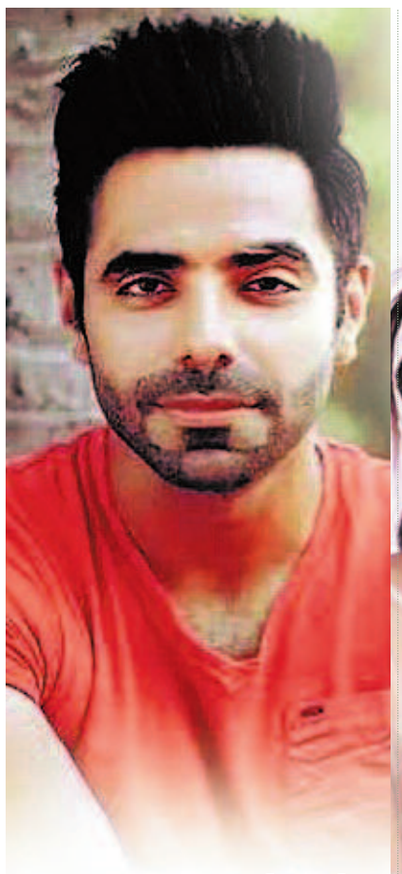

इमरान हाशमी की आगामी फिल्म में विलेन का रोल निभाएंगे अपारशक्ति खुराना

एक्टर अपारशक्ति खुराना अपने करियर में अलग-अलग तरह के किरदार निभाने के लिए जाने जाते हैं। अब अपारशक्ति इमरान हाशमी की आने वाली फिल्म 'गनमास्टर जी' में विलेन का रोल निभाते नजर आएंगे। हाल ही में सेट से उनकी पहली झलक सामने आई है, जिसमें एक नजर में उन्हें पहचानना तक मुश्किल हो रहा है।

अपारशक्ति खुराना ने दिखाई अपने किरदार की झलक

अपारशक्ति ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म से अपने लुक की झलक साझा की है। उन्होंने जबरदस्त एक्शन सीन की कई तस्वीरें और क्लिप्स शेयर कीं। साथ ही विलेन के रफ लुक में अपनी तस्वीरों और सेट की एक झलक भी दिखाई। इसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'विलेन की तरह चिल कर रहा हूं। सच में...'

एक्शन अवतार में नजर आएंगे इमरान हाशमी

'गनमास्टर जी' का निर्देशन आदित्य दत्त ने किया है, जिन्होंने 'आशिक बनाया आपने' को डायरेक्ट किया था। आदित्य दत्त 'क्रैक', 'टेबल नंबर 21' और 'कमांडो' फ्रैंचाइजी के लिए जाने जाते हैं। फिल्म में इमरान हाशमी और अपारशक्ति खुराना के अलावा जेनेलिया डिसूजा और अभिषेक सिंह भी हैं। इस फिल्म में इमरान हाशमी एक ऐसे एक्शन अवतार में दिखेंगे जैसा पहले कभी नहीं देखा गया। इसमें शानदार विजुअल्स और इमोशनल कहानी होगी जो ज्यादातर दर्शकों को पसंद आएगी।

अपारशक्ति को आखिरी बार सौरभ शुक्ला की डायरेक्ट की गई रोमांटिक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'जब खुली किताब' में देखा गया था। यह फिल्म सौरभ शुक्ला के ही इसी नाम के स्टेज प्ले पर आधारित है। फिल्म में पंकज कपूर और डिंपल कपाड़िया एक बुजुर्ग जोड़े के रोल में हैं, जो शादी के 50 साल बाद तलाक लेने का फैसला करते हैं। इसके बाद वह नवजोत गुलाटी की डायरेक्ट की गई कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'बदतमीज गिल' में नजर आएंगे। इस फिल्म में वाणी कपूर, अपारशक्ति खुराना, परेश रावल, शीबा चड्ढा, रिचर्ड भक्ति क्लेन और मोनिका चौधरी जैसे कलाकार हैं।

नाइला ग्रेवाल को कैसे मिली एटली की फिल्म 'राका'

फिल्ममेकर एटली एक नई फिल्म 'राका' लेकर आ रहे हैं। इस पर काम जारी है। इसमें अल्लू अर्जुन लीड रोल में होंगे। बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण भी इसमें अहम किरदार में होंगी। इस फिल्म से बॉलीवुड अभिनेत्री नाइला ग्रेवाल भी जुड़ी हैं। अभिनेत्री ने एटली के साथ काम करने के अपने अनुभव को बताया है।

नाइला ने की एटली की तारीफ

नाइला ग्रेवाल कहती हैं 'वे एक ऐसे व्यक्ति हैं जो बहुत बड़े पैमाने, ऊंचे मुकाम और अलग तरह की कहानी कहने के अंदाज पर काम करते हैं। इतनी बड़ी फिल्म को हकीकत का रूप देने के लिए जितनी लगन और मेहनत की जरूरत होती है वो वही कर सकते हैं।' नाइला ग्रेवाल बॉलीवुड में अपने 11 साल के करियर के बाद, 'राका' से साउथ में डेब्यू कर रही हैं। यह प्रोजेक्ट एटली और अल्लू अर्जुन के बीच पहला सहयोग भी है। ग्रेवाल बताती हैं कि यह मौका तब मिला जब उन्होंने अपनी पहली मुलाकात में एटली के साथ काम करने की इच्छा जाहिर की। उन्होंने कहा 'उन्होंने उस बातचीत को आगे बढ़ाया। उन्होंने किसी ऐसे व्यक्ति के साथ काम करने पर विचार किया, जिसने अब तक सिर्फ हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में काम किया हो।'

नाइला ग्रेवाल का वर्कफ्रंट

2015 में इम्तियाज अली की फिल्म 'तमाशा' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली यह एक्ट्रेस हाल ही में 'मामला लीगल है' के सीजन 2 में वकील के किरदार में नजर आई थीं। इसमें उनके साथ रवि किशन, निधि बिष्ट, अनंत जोशी और अंजुम बत्रा भी थे।

32 की लड़की, शादी का दबाव और किराए के दूल्हे की खोज... मजेदार है खुशाली की 'दुल्हनिया ले आएगी' का ट्रेलर

अभिनेत्री खुशाली कुमार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'दुल्हनिया ले आएगी' को लेकर सुर्खियों में हैं। यह एंटरटेनमेंट से भरपूर एक फैमिली ड्रामा फिल्म होगी। इसका ट्रेलर देखकर तो कुछ यही लग रहा है। फिल्म 'दुल्हनिया ले आएगी' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। फिल्म 'दुल्हनिया ले आएगी' का फर्स्ट लुक पोस्टर बीते महीने रिलीज हुआ था। आज गुरुवार को ट्रेलर सामने आया है। इसमें खुशाली कुमार के अलावा दिग्गज अभिनेता महेश मांजरेकर और पीयूष मिश्रा भी अहम भूमिकाओं में हैं। ट्रेलर की शुरुआत नव्या (खुशाली कुमार) की शादी की टेंशन से होती है। बरेली की रहने वाली नव्या की उम्र 32 हो चुकी है और शादी का बहुत दबाव है।

शादी से एक दिन पहले दूल्हे की खोज शुरू

ट्रेलर की शुरुआत ही तानों के साथ होती है, '32 की हो गई है और कितना टाइम लगेगा'। मगर, नव्या पर इसका जरा भी फर्क नहीं और वह जवाब देती है, 'हर लड़की 31 के बाद 32 की ही होती है।' जवाब मिलता है, 'हमारी रिश्तेदारी में कोई ऐसी लड़की नहीं है, जो 32 की है और उसकी शादी नहीं हुई'। कई लड़के रिजेक्ट करने के बाद एक लड़के से शादी का बात होती है, लेकिन यहां भी राह में रोड़ा है। शादी की तैयारियों के बीच चीजें बिखर जाती हैं। मां-बाप की अलग टेंशन है। ऐसे में किराए के दूल्हे की खोज शुरू होती है।

यश आहूजा के डेब्यू पर बोले गोविंदा; कहा- बेटे पर पूरा भरोसा है

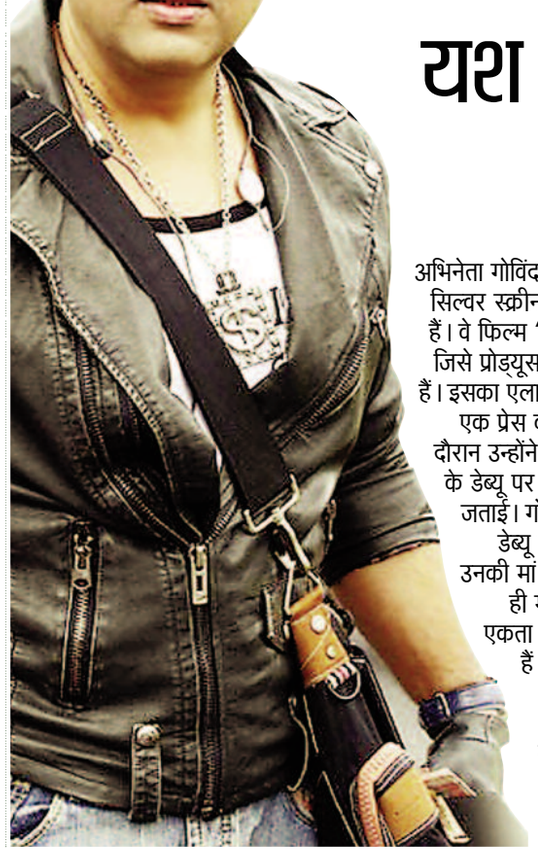

अभिनेता गोविंदा करीब सात साल बाद सिल्वर स्क्रीन पर वापसी करने वाले हैं। वे फिल्म 'रूपा' में नजर आएंगे, जिसे प्रोड्यूस भी गोविंदा ही कर रहे हैं। इसका एलान हाल ही में गोविंदा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में किया। इसी दौरान उन्होंने अपने बेटे यश आहूजा के डेब्यू पर भी बात की और खुशी जताई। गोविंदा के बेटे यश जल्द डेब्यू करने वाले हैं। यह बात उनकी मां सुनीता आहूजा ने हाल ही में बताई थी। फिल्म को एकता कपूर प्रोड्यूस कर रही हैं। अब गोविंदा ने भी बेटे यश के डेब्यू पर बात करते हुए खुशी जाहिर की। एक्टर ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यश उनसे भी ज्यादा कामयाबी हासिल करेंगे। अपनी आगामी फिल्म 'रूपा' की प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए गोविंदा ने अपने बेटे के प्रतिभा की तारीफ की। बेटे की काबिलियत पर भरोसा है गोविंदा ने यश को बेहद प्रतिभाशाली बताते हुए कहा कि वे टेक्निकली एक अलग ही लेवल पर हैं। चाहे एक्टिंग हो, डांस हो, एक्शन हो या बस उनकी ओवरऑल पर्सनैलिटी, उनमें बहुत कुछ है। मुझे सच में उम्मीद है कि वे मुझसे भी ज्यादा कामयाबी हासिल करेंगे। एक्टर ने कहा कि उन्हें अपने बेटे की काबिलियत पर पूरा भरोसा है। यश अपनी मां सुनीता आहूजा के साथ बॉलीवुड में डेब्यू करेंगे। मां-बेटे की यह जोड़ी प्रोड्यूसर एकता कपूर की फिल्म से लॉन्च होगी। समाचार एजेंसी से बात करते हुए सुनीता ने इस प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फिल्म के सितंबर में रिलीज होने की उम्मीद है और यह भी बताया कि वह पर्दे पर भी यश की मां का किरदार निभाएंगी।

सोनम बाजवा के साथ बनेगी नवाजुद्दीन की जोड़ी

नवाजुद्दीन सिद्दीकी इंडियन सिनेमा का एक बड़ा नाम हैं। उन्होंने अपने वर्सेटैलिटी से अपनी अलग पहचान बनाई है। लेकिन अब नवाजुद्दीन बॉलीवुड से इतर पंजाबी इंडस्ट्री में भी डेब्यू करने जा रहे हैं। खबरों के मुताबिक, वह पंजाबी भाषा की एक फिल्म से इंडस्ट्री में डेब्यू करने वाले हैं। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेत्री सोनम बाजवा के प्रमुख रूप में नजर आने की संभावना है। सोनम बाजवा के करियर की बात करें तो उन्होंने 2013 में पंजाबी फिल्म 'बेस्ट ऑफ लक' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद 'सरदारजी 2', 'सुपर सिंह' जैसी कई फिल्मों में काम किया। बाद में उन्हें 'हाउसफुल 5', 'बागी 4', 'एक दीवाने की दीवानियत' और 'बॉर्डर 2' जैसे हिंदी प्रोजेक्ट्स भी मिले। नवाजुद्दीन को आखिरी बार इसी साल रिलीज हुई फिल्म 'मैं एक्टर नहीं हूं' में देखा गया था।

मैं रियलिटी शो का कंटेस्टेंट नहीं बन सकता

बाल कलाकार के रूप में अपने करियर का आगाज करने वाले कुणाल खेमू एक्टर, डायरेक्टर, लेखक और सिंगर के रूप में अपना हुनर दिखा चुके हैं, मगर इन दिनों वह चर्चा में हैं अपने एक नए रोल में और वो है रियलिटी शो 'अलायंस' के होस्ट के रूप में। ओटीटी पर आए इस नए शो को होस्ट करने वाले कुणाल खास खास मुलाकात में पत्नी सोहा, बेटी इनाया, अपने निर्देशन, बॉक्स ऑफिस आदि पर तो बात करते ही हैं, मगर साथ ही अपने पसंदीदा होस्ट के बारे में बताना नहीं भूलते। कुणा खेमू कहते हैं, 'हमारे यहां कपिल शर्मा ने इतने सालों तक शानदार होस्टिंग की है। लोग शो उनके लिए देखते हैं। अमिताभ बच्चन सर ने 'कौन बनेगा करोड़पति' को जिस गरिमा और आवाज के साथ होस्ट किया है, वह कमाल है। सच कहूं तो मुझे ऐसा कोई होस्ट याद नहीं आता जिसके बारे में कह सकूं कि वह अच्छा नहीं है। सभी अपने-अपने तरीके से अच्छा काम कर रहे हैं।'

दिल से जुड़े रिश्तों को जाने न दें

सोहा अली के साथ कुणाल खेमू की शादी को 11 साल से भी ज्यादा हो गए हैं। अपनी खुशनुमा शादी पर जब उन्हें टिप्स देने को कहा जाता है, तो वह कहते हैं कि इस मामले में कोई टिप्स काम नहीं करते। बकौल कुणाल, 'मेरी सबसे बड़ी सलाह यही होगी कि किसी और की सलाह पर अपनी जिंदगी मत चलाइए। अपनी लाइफ अपने हिसाब से जिएं। उसमें कभी खट्टे पल होंगे, कभी मीठे। और सबसे जरूरी बात, सोशल मीडिया देखकर किसी रिश्ते को मत आंकिए। वहां कोई अपनी मुश्किलें नहीं दिखाता, हर किसी की जिंदगी अच्छी ही दिखाई देती है। हर रिश्ते में उतार-चढ़ाव आते हैं, हर अलायंस में भी आते हैं। लेकिन मैं हमेशा मानता हूं कि अगर कोई रिश्ता दिल से जुड़ा है, तो उसे इतनी आसानी से जाने नहीं देना चाहिए। हमारी बॉन्डिंग कोई एक दिन में नहीं बनी। एक-दूसरे को समझने, ट्यूनिंग बनाने और साथ बढ़ने में सालों लगते हैं। आजकल लोग रिश्तों को समय ही नहीं देते। सब कुछ बहुत जल्दी चाहिए।

निर्देशन में कंट्रोल आपके हाथ में होता है

एक्टर हो, निर्देशन या सिंगिंग या फिर होस्टिंग हो, कुणाल सबसे ज्यादा किस काम को एंजॉय करते हैं? इस पर वह कहते हैं, 'मैंने कभी भी कोई काम जरूरत के लिए नहीं किया। मुझे अगर अच्छा लगता है, मैं तभी करता हूं। हां, पहला प्यार मेरा हमेशा एक्टिंग ही रहेगा। अभिनय में मुझे बहुत ज्यादा मजा आया, मगर फिर निर्देशन और लेखन मेरे लिए काफी लिब्रेटिंग था। जब आप निर्देशन करते हैं, तो वहां कंट्रोल आपके हाथ में होता है। एक अभिनेता के तौर पर आपके हाथ में सिर्फ आपका किरदार और परफॉर्मेंस होती है। ये सब डायरेक्टर तय करता है। जब मैंने डायरेक्शन किया तो पहली बार वह कंट्रोल मेरे हाथ में था। होस्टिंग इसलिए दिलचस्प लगी क्योंकि यह मेरे लिए बिल्कुल नया क्षेत्र था। मैंने पहले कभी किया नहीं था। नया सीखने का मौका मिला। 'अलायंस' जैसे रियलिटी शो की होस्टिंग करने वाले कुणाल अपने करियर में किसी रियलिटी शो का कंटेस्टेंट बनने से साफ इंकार करते हैं। वह कारण बताते हुए कहते हैं, 'नहीं... बिल्कुल नहीं। मैं नहीं बन सकता, जो लोग ऐसा करते हैं, वो बहुत बहादुर होते हैं। 24 घंटे कैमरों के बीच रहना, कोई आपको बताए कि अब उठो, अब टास्क करो, अब ये करो... मुझे नहीं लगता कि मैं ऐसा कर पाऊंगा। ऊपर से जब आप बाहर निकलते हैं तो पता चलता है कि बाहर की दुनिया ने आपके बारे में अपनी अलग राय बना ली है। मेरी पर्सनैलिटी ऐसी नहीं है कि मैं लंबे समय तक ऐसे माहौल में रह सकूं। मैं हमेशा कई चीजें कर रहा होता हूं। इसलिए मुझे नहीं लगता कि मैं एक अच्छा रिएलिटी शो कंटेस्टेंट बन पाऊंगा।'

फिल्ममेकिंग और बॉक्स ऑफिस परफॉर्मेंस पर.....

'आज दर्शकों के पास मनोरंजन के कई ऑप्शन्स हैं। अगर किसी इंसान के पास दिन के सिर्फ तीन घंटे एंटरटेनमेंट के लिए हैं तो अब सिर्फ फिल्में उन तीन घंटों के लिए नहीं लड़ रहीं, बल्कि बाकी सारे प्लेटफॉर्म भी उसी समय के लिए मुकाबला कर रहे हैं। ऐसे में सबसे जरूरी चीज है कि आपकी कहानी दर्शक की कल्पना को पकड़ पाए। अगर कहानी अच्छी है तो बिना बड़े बजट और बिना बड़ी मार्केटिंग के भी फिल्म सफल हो जाती है। कई अलग-अलग भाषाओं की फिल्मों ने यह साबित किया है। हॉलीवुड में भी ऐसी फिल्में हुई हैं, जिन्हें बहुत कम बजट में बनाया गया, लेकिन उन्होंने सैकड़ों मिलियन डॉलर का कारोबार किया जैसे ऑब्सेशन को ही ले लीजिए, क्योंकि लोग कहानी से जुड़ गए। मुझे लगता है कि अगर हर व्यक्ति अपना काम ईमानदारी और पैशन के साथ करे, लोगों पर भरोसा करे और उन्हें अपना काम करने दे, तो चीजें बेहतर होंगी।'

संक्षिप्त समाचार

मध्य अफ्रीकी देश कैमरून में सात यात्रियों का अपहरण

याउंडे, एजेंसी। कैमरून के उत्तर पश्चिमी क्षेत्र में शनिवार देर रात (स्थानीय समय) सात यात्रियों का अपहरण कर लिया गया। रविवार को सुरक्षा सूत्रों ने यह जानकारी दी। ये यात्री वेस्ट क्षेत्र की राजधानी बाफौसम से उत्तर पश्चिम क्षेत्र की राजधानी बामेंडा जा रहे थे। इसी दौरान हथियारबंद लोगों ने उनकी गाड़ी को रोक लिया और यात्रियों को अपने साथ ले गए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, परिवार के सदस्यों ने स्थानीय मीडिया को बताया कि अपहरणकर्ताओं ने यात्रियों को छोड़ने के बदले फिरौती की मांग की है। रिपोर्ट के मुताबिक इस इलाके में फिरौती के लिए अपहरण की घटनाएं आम हैं। यहां अलगाववादी समूह स्वतंत्र देश की मांग को लेकर सरकारी सुरक्षा बलों से संघर्ष कर रहे हैं। पुलिस के अनुसार, इस इलाके में यात्रा करने वाले लोगों को अक्सर ऐसे हथियारबंद लोग निशाना बनाते हैं, जिनके अलगाववादी लड़ाकों से जुड़े होने का शक है। पिछले महीने भी कैमरून के नॉर्थवेस्ट क्षेत्र में करीब 12 लोगों का अपहरण किया गया था। इनमें एक बस के 10 यात्री शामिल थे। स्थानीय लोगों और सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, यह घटना उस इलाके में हुई जहां लंबे समय से अलगाववादी हिंसा जारी है।

बाकू में भारत के विश्व धरोहर स्थलों की प्रदर्शनी का आगाज

बाकू, एजेंसी। अजरबैजान की राजधानी बाकू में स्थित भारतीय दूतावास परिसर में भारत के यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों पर एक स्थायी प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। शनिवार को आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न देशों के राजनयिक, अजरबैजान के सांसद, व्यापारिक समुदाय, ट्रैवल ऑपरेटर और भारतीय समुदाय के लोग शामिल हुए। प्रदर्शनी का उद्घाटन भारत के राजदूत अभय कुमार और यूएन-हैबिटेट अजरबैजान प्रमुख अन्ना सोवे ने संयुक्त रूप से किया। वर्तमान में भारत में 44 यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल हैं, जिनमें 36 सांस्कृतिक, 7 प्राकृतिक व 1 मिश्रित स्थल शामिल हैं।

भ्रष्टाचार में चाइना विकास बैंक के पूर्व अध्यक्ष के खिलाफ जांच

बीजिंग, एजेंसी। चाइना डेवलपमेंट बैंक के पूर्व अध्यक्ष ओउयांग वेइमिन पर गंभीर अनुशासन और कानून के उल्लंघन के संदेह में शिकंजा कसा गया है। चीन की शीर्ष भ्रष्टाचार विरोधी संस्था ने रविवार को उनके खिलाफ जारी जांच की जानकारी दी। केंद्रीय अनुशासन निरीक्षण आयोग ने संक्षिप्त बयान में बताया कि राष्ट्रीय पर्यवेक्षण आयोग के साथ मिलकर ओउयांग वेइमिन के खिलाफ जांच की जा रही है। ओउयांग ने 1986 में कम्युनिस्ट पार्टी में शामिल होकर अपना कॅरिअर शुरू किया था और वे पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना में भी रहे।

बुर्किना फासो के राष्ट्रपति ने कर दिया बड़ा ऐलान, बोले- लागू नहीं होगा इस्लामी कानून

औगाडौगू, एजेंसी। बुर्किना फासो के राष्ट्रपति कैप्टन इब्राहिम ट्राओरे ने हाल ही में देश के इस्लामीकरण को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वो अपने देश में कभी भी शरिया कानून लागू नहीं होने देंगे। उन्होंने उन छात्रों वापस देश न आने की चेतावनी दी है जो शरिया की पढ़ाके के लिए सऊदी अरब गए हैं। इब्राहिम ट्राओरे ने कहा कि मैं मुस्लिम हूं, लेकिन देश में हर नागरिक को अपने धर्म का पालन करने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि बुर्किना फासो में कभी भी शरिया कानून नहीं लागू होगा। बुर्किना फासो लंबे समय से धार्मिक हिंसा का शिकार रहा है। यहां इस्लामी आतंकवादियों के कई संगठन सक्रिय हैं, जो देश में शरिया कानून लागू करना चाहते हैं। बुर्किना फासो के राष्ट्रपति इब्राहिम ट्राओरे का एक कथित बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। दावा किया जा रहा है कि उन्होंने शरिया की पढ़ाई के लिए सऊदी अरब जाने वाले छात्रों से कहा, अगर आप तकनीकी शिक्षा और कौशल हासिल करने के बजाय केवल शरिया पढ़ने जा रहे हैं, तो वहीं रहें। आपको वापस लौटने की जरूरत नहीं है, क्योंकि यहां आपकी वापसी की अनुमति नहीं होगी। बताया जा रहा है कि यह टिप्पणी उन्होंने धार्मिक सद्भाव, राष्ट्र निर्माण और अतिवाद के खिलाफ अपनी सरकार की नीति को रेखांकित करते हुए की। हालांकि, इस बयान की स्वतंत्र रूप से पुष्टि उपलब्ध नहीं है। इब्राहिम ट्राओरे का जन्म 14 मार्च 1988 को हुआ था। उन्होंने सितंबर 2022 में सैन्य तख्तापलट के बाद बुर्किना फासो की सत्ता संभाली। तब उनकी उम्र सिर्फ 35 साल थी। सत्ता में आने के बाद उन्होंने देश को भ्रष्टाचार, विदेशी प्रभाव और जिहादी हिंसा से मुक्त कराने का वादा किया। ट्राओरे खुद को पैन-अफ्रीकी, राष्ट्रवादी और एंटी-इंपीरियलिस्ट नेता मानते हैं। उन्होंने अल-साहेल स्टेट्स गठबंधन को मजबूत करने पर भी जोर दिया। उनका कहना है कि देश की सुरक्षा, संप्रभुता और स्थानीय परंपराओं के आधार पर न्याय व्यवस्था को मजबूत किया जाना चाहिए। उनके शासन में बुर्किना फासो ने फ्रांस जैसे पश्चिमी देशों से दूरी बढ़ाई और रूस समेत अन्य देशों के साथ अपने संबंध मजबूत किए।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के घर चौथी बार गूंजी किलकारी: पत्नी उषा ने दिया बेटे को जन्म, 156 साल बाद हुआ ऐसा संयोग

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के घर खुशियों ने दस्तक दी है। उनकी पत्नी और अमेरिका की सेकेंड लेडी उषा वेंस ने एक प्यारे से बेटे को जन्म दिया है। नवजात का नाम एलेक नील वेंस रखा गया है। यह पल अमेरिकी इतिहास के लिए बेहद खास बन गया है। दरअसल, पिछले 156 वर्षों में यह पहली बार है जब किसी पद पर रहते हुए उपराष्ट्रपति के घर बच्चे का जन्म हुआ है। वेंस दंपती ने खुद सोशल मीडिया पर एक संयुक्त बयान जारी कर यह खुशखबरी दुनिया के साथ साझा की।

अपनी पत्नी और बच्चों के साथ विदेशी दौरों पर जाते दिखाई देते हैं। भारतीय मूल के प्रवासियों की बेटी उषा वेंस के लिए यह सफर आसान नहीं रहा है। इस गर्भावस्था के दौरान वह लगातार मीडिया की सुर्खियों में बनी रहीं।

पूरा परिवार खुशियों से सराबोर : उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने बताया कि मां और बच्चा दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं। नए मेहमान के आने से उनके बाकी तीनों बच्चे बेहद उत्साहित हैं। एलेक नील अब वेंस परिवार के तीन बड़े भाई-बहनों के साथ शामिल हो गया है। इस परिवार में नौ वर्षीय इवान, छह वर्षीय विवेक और चार वर्षीय मीराबेल पहले से हैं। वेंस दंपती ने इस खास मौके पर वाल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर के डॉक्टरों और व्हाइट हाउस की मेडिकल टीम का दिल से आभार व्यक्त किया है।

जनसांख्यिकी और राजनीति का अनोखा संयोग : जेडी वेंस हमेशा से अमेरिका में घटती जन्म दर पर चिंता जताते रहे हैं। वह देशवासियों से अधिक बच्चे पैदा करने की वकालत करते रहे हैं। साल 2025 में एक रैली के दौरान भी उन्होंने देश में बच्चों की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया था। वह अक्सर दंपति ने उषा वेंस और नवजात की देखभाल करने वाली मेडिकल टीम का भी आभार व्यक्त किया और कहा, 'वाल्टर रीड मेडिकल सेंटर और व्हाइट हाउस मेडिकल यूनिट के शानदार मिलिट्री डॉक्टर और स्टाफ मेंबर हमारे लिए एक आशीर्वाद रहे हैं। उन्होंने हमारे परिवार के लिए जो कुछ भी किया है, उसके लिए हम बहुत शुक्रगुजार हैं।' एलेक दंपत्ति का चौथा बच्चा और तीसरा बेटा है। वेंस के पहले से ही दो बेटे हैं, इवान (9) और विवेक (6), और उनकी एक बेटी मिराबेल (4) है। उन्होंने अपने बच्चों को ज्यादातर लोगों की नजरों से दूर रखा है। मिराबेल का जन्म दिसंबर 2021 में हुआ था। इस दौरान जेडी वेंस ओहियो से अमेरिकी सीनेट सीट के लिए कैंपेन कर रहे थे। दंपत्ति ने जनवरी 2026 में ऐलान किया था कि उषा एक और बेटे को जन्म देने वाली हैं। इस बच्चे के जन्म के साथ ही अमेरिकी राजनीतिक इतिहास में एक दुर्लभ रिकॉर्ड भी दर्ज हो गया है। इससे पहले, पद पर रहते हुए संतान सुख प्राप्त करने वाले अंतिम अमेरिकी उपराष्ट्रपति शायलर कोलफैक्स थे। उनके पुत्र शायलर कोलफैक्स तृतीय का जन्म वर्ष 1870 में हुआ था। कोलफैक्स से पहले उपराष्ट्रपति जॉन सी. कैलहून ने 1829 में अपने बेटे विलियम का स्वागत किया था। 41 वर्षीय जेडी वेंस अमेरिका के इतिहास में शपथ लेने वाले तीसरे सबसे कम उम्र के उपराष्ट्रपति हैं। रिपब्लिकन नेता वेंस, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की सबसे प्रमुख हस्तियों में से एक बनकर उभरे हैं। उषा वेंस ने इससे पहले सार्वजनिक रूप से इस सवाल पर भी बात की थी कि क्या वह और जेडी वेंस अपने परिवार को आगे बढ़ाने के बारे में सोच रहे हैं। पिछले साल एक इंटरव्यू में इस संभावना के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा था, 'कभी भी 'कभी नहीं' मत कहिए।'

उषा बाला चिलुकुरी के रूप में जन्मी अमेरिका की सेकंड लेडी भारतीय मूल की हैं। उनके माता-पिता भारत से अमेरिका जाकर बसे थे और उनका पालन-पोषण कैलिफोर्निया में हुआ। उनके परिवार की जड़ें आंध्र प्रदेश से जुड़ी हैं, इसलिए उनके बेटे एलेक नील वेंस के जन्म को भारतीय-अमेरिकी समुदाय के लिए भी विशेष महत्व के रूप में देखा जा रहा है। उषा और जेडी वेंस की मुलाकात येल लॉ स्कूल में पढ़ाई के दौरान हुई थी। दोनों ने 2014 में शादी की थी।

इराक में ईरानी ड्रोन के विस्फोटक को निष्क्रिय करते समय अमेरिकी सैन्यकर्मी की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा है कि उत्तरी इराक में ईरानी वन-वे अटैक (आत्मघाती) ड्रोन से जुड़े बिना फटे विस्फोटक को नियंत्रित तरीके से निष्क्रिय (कंट्रोल्ड डेटोनेशन) करने के दौरान एक अमेरिकी सैन्यकर्मी की मौत हो गई। सेंटकॉम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर रविवार को जारी बयान में कहा कि इस घटना में एक अन्य अमेरिकी सैन्यकर्मी घायल हुआ है, जिसका मामूली चोटों के लिए उपचार किया जा रहा है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, अमेरिकी सेना को रविवार को मानव अवशेष मिले। इससे पहले सेंटकॉम ने शनिवार को बताया था कि शुक्रवार को जॉर्डन में हुए ईरानी हमले के बाद दो अमेरिकी सैन्यकर्मियों की मौत हो गई थी, जबकि एक अन्य लापता था।

सेंटकॉम ने कहा कि बरामद अवशेषों की पहचान की पुष्टि के लिए जांच प्रक्रिया जारी है। सेंट्रल कमांड ने कहा, 'जब तक परिजनों को आधिकारिक रूप से सूचना देने की प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती, तब तक मृत और लापता सैन्यकर्मियों की पहचान सहित अन्य विवरण सार्वजनिक नहीं किए जाएंगे।' वहीं, सेंट्रल कमांड ने एक्स पर जारी ताजा अपडेट में बताया कि रविवार तक अमेरिकी सेना ने ईरान के खिलाफ नौसैनिक नाकेबंदी जारी रखते हुए छह वाणिज्यिक जहाजों का मार्ग बदल दिया, जबकि एक जहाज को रोक दिया गया।

इस बीच, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया कि उसने रविवार को ईरान के अहवाज क्षेत्र में अमेरिका के एमक्यू-9 ड्रोन को मार गिराया। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, आईआरजीसी का कहना है कि ड्रोन को इंटरसेप्ट करने के बाद उसे सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया गया। ईरान की तस्नीम न्यूज एजेंसी ने कहा कि ईरान के इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस नेटवर्क की कमांड में आईआरजीसी एयरोस्पेस फोर्स के एडवांस्ड एयर-डिफेंस सिस्टम ने एमक्यू-9 ड्रोन को मार गिराया। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब ईरान पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई कर रहा है। ईरान की आईआरजीसी ने शनिवार को कहा कि उसने जॉर्डन में एक अमेरिकी बेस पर हमला किया, कुवैत में एक फ्यूल सप्लाई डॉक को निशाना बनाया और बहरीन में एक डेटा सेंटर को नष्ट कर दिया है।

बांग्लादेश में खसरे से मरने वालों का आंकड़ा 788 पहुंचा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में बीते 24 घंटों में खसरे जैसे लक्षणों के चलते चार और बच्चों की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया के अनुसार, देश में खसरे से जुड़ी मौतों की कुल संख्या बढ़कर 788 हो गई है। सभी नई मौतों को खसरा से संदिग्ध रूप से जुड़ी मौत माना गया है। नए अपडेट के अनुसार, बांग्लादेश में खसरे से संदिग्ध मौतों की संख्या बढ़कर 693 हो गई है, जबकि प्रयोगशाला जांच में पुष्टि हुई मौतों का आंकड़ा 95 है। यह जानकारी यूनाइटेड न्यूज ऑफ बांग्लादेश के हवाले से सामने आई है। पिछले 24 घंटे के दौरान बांग्लादेश में खसरे के 938 नए संदिग्ध मामले सामने आए, जिससे देश में संदिग्ध मामलों की कुल संख्या बढ़कर 1,17,648 हो गई। इसी अवधि में खसरे के 113 नए पुष्ट मामले दर्ज किए गए, जिसके बाद प्रयोगशाला जांच से पुष्टि किए गए संक्रमणों की कुल संख्या बढ़कर 14,431 हो गई।

इस महीने की शुरुआत में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी थी कि डेंगू के बढ़ते मामलों से स्वास्थ्य व्यवस्था पर और दबाव पड़ सकता है और मौतों का खतरा बढ़ सकता है। बांग्लादेश के अस्पताल पहले से ही खसरे के रोजाना 900 से ज्यादा मरीजों के भर्ती होने के कारण दबाव में हैं। रिपोर्टों के मुताबिक, ढाका के बड़े सरकारी अस्पताल, जहां पहले डेंगू के प्रकोप के दौरान हजारों मरीजों का इलाज किया गया था, अभी खसरे के मरीजों के बोझ से जूझ रहे हैं। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अगर डेंगू के मामलों में अचानक बढ़ोतरी होती है, तो पहले से सीमित स्वास्थ्य सुविधाओं पर और दबाव पड़ेगा और इलाज की सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

गुयाना में बड़ा हादसा...116 लोगों को ले जा रही नाव पलटी

जॉर्जटाउन, एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश गुयाना से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है, यह एक बड़ा मुद्री हादसा हो गया है। 116 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को लेकर जा रही एक फेरी समुद्र में पलटकर डूब गई। हादसे के बाद राहत और बचाव अभियान तुरंत शुरू किया गया। अब तक 53 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि कई अन्य लोगों की तलाश अभी भी जारी है।

स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, एमवी बरिमा (MV Barima) नाम की फेरी राजधानी जॉर्जटाउन से पोर्ट कैतूमा जा रही थी। रास्ते में आयरन पंट के पास देर रात अचानक फेरी का संतुलन बिगड़ गया और वह समुद्र में पलट गई। हादसे के तुरंत बाद डिस्ट्रेस कॉल भेजी गई, जिसके बाद प्रशासन और बचाव एजेंसियां मौके पर पहुंच गईं। प्रशासन लगातार बचाव अभियान चला रहा है और लापता लोगों का पता लगाने की कोशिश कर रहा है।

कोस्ट गार्ड और निजी नावों ने बचाए यात्री : गुयाना के लोक निर्माण मंत्री जुआन एडघिल ने बताया कि हादसे की जानकारी मिलते ही सरकारी एजेंसियों के साथ-साथ आसपास मौजूद निजी नावों को भी राहत कार्य में लगाया गया। कोस्ट गार्ड और निजी नौकाओं की मदद से कई लोगों को समुद्र से सुरक्षित बाहर निकाला गया। बचाए गए यात्रियों को तुरंत इलाज देने के लिए मेडिकल टीमों को भी मौके पर भेजा गया। जानकारी के मुताबिक, एमवी बरिमा वर्ष 1939 में बनाई गई थी और इसकी लंबाई लगभग 40 मीटर थी। अधिकारियों का कहना है कि सुरक्षा के लिए फेरी में 250 लाइफ जैकेट, दो लाइफबोट और छह फुलाने वाली लाइफ राफ्ट मौजूद थीं। इसके बावजूद हादसा कैसे हुआ, इसकी जांच शुरू कर दी गई है। प्रधानमंत्री खुद कर रहे हैं निगरानी गुयाना के प्रधानमंत्री मार्क फिलिप्स खुद इस पूरे मामले की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने संबंधित एजेंसियों को तेजी से राहत और बचाव अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। जिस पोर्ट कैतूमा के लिए फेरी जा रही थी, वह एस्सेक्विबो क्षेत्र में स्थित है, जो लंबे समय से गुयाना और वेनेजुएला के बीच विवाद का केंद्र रहा है। फिलहाल प्रशासन का पूरा ध्यान लापता लोगों को जल्द से जल्द खोजने और हादसे की वजह का पता लगाने पर है।

पेरू में कुदरत का कहर: एंडीज इलाके में जोरदार भूकंप से मची तबाही, 5 की मौत, कई घर मलबे में तब्दील

लीमा, एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश पेरू के एंडीज पर्वतीय क्षेत्र में शनिवार रात आए जोरदार भूकंप ने भारी तबाही मचाई है। रिक्टर स्केल पर 5.5 की तीव्रता वाले इस भूकंप के कारण कम से कम पांच लोगों की जान चली गई है, जबकि 20 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। स्थानीय प्रशासन के अनुसार, इस प्राकृतिक आपदा ने 300 से अधिक लोगों को उनके घर से बेघर कर दिया है। प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है और मलबे में दबे लोगों की तलाश की जा रही है।

पुरानी इमारतों को भारी नुकसान : यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के आंकड़ों के मुताबिक, भूकंप शनिवार रात स्थानीय समयानुसार रात 9:24 बजे आया। इसका केंद्र हुआनकायो प्रांत के सिकाया शहर से लगभग 2 किलोमीटर पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम में स्थित था। जमीन से इसकी गहराई महज 10 किलोमीटर दर्ज की गई, जिसके कारण झटके काफी विनाशकारी महसूस किए गए। कम गहराई पर केंद्र होने की वजह से सतह पर इमारतों को अधिक नुकसान पहुंचा है। भूकंप के कारण सिकाया और आसपास के क्षेत्रों में कई घर मलबे में तब्दील हो गए। पेरू के नेशनल सिविल डिफेंस इंस्टीट्यूट ने बताया कि ढहने वाली इमारतों में स्थानीय चर्च और कॉन्वेंट भी शामिल हैं। सिविल डिफेंस प्रमुख लुइस वास्केज के अनुसार, एंडीज क्षेत्र में घरों के निर्माण के लिए 'एडोब' (कच्ची मिट्टी या मिट्टी की ईंटों) का व्यापक उपयोग किया जाता है। यही कारण है कि झटके लगते ही मकान ताश के पत्तों की तरह ढह गए, जिससे जान-माल का नुकसान बढ़ गया।

खुले आसमान के नीचे रात बिताने को मजबूर लोग : स्थानीय मीडिया द्वारा जारी तस्वीरों में विनाश का मंजर साफ देखा जा सकता है। चोंगो बाजो जैसे प्रभावित इलाकों में लोग कड़ाके की ठंड के बीच अपने टूटे हुए घरों के बाहर कंबल ओढ़कर बैठने को मजबूर हैं। एक स्थानीय महिला, हर्मेनेगिल्डा गुआमालाटो ने अपना दुख शेयर करते हुए बताया कि उनका घर पूरी तरह नष्ट हो चुका है और अब वह अपने तीन बच्चों के साथ पड़ोसी प्रांत में ठिकाने की तलाश में हैं। मलबे के नीचे कई पालतू जानवरों के दबे होने की भी खबरें सामने आई हैं।

प्रशांत महासागर का 'रिंग ऑफ फायर' : पेरू भौगोलिक दृष्टि से प्रशांत महासागर के 'रिंग ऑफ फायर' क्षेत्र में आता है, जहां टेक्टोनिक प्लेटों की सक्रियता के कारण भूकंप का खतरा हमेशा बना रहता है। इससे पहले साल 2007 में पेरू के पिस्को प्रांत में 7.9 तीव्रता का भीषण भूकंप आया था, जिसमें लगभग 600 लोगों की मौत हुई थी। वर्तमान में, अधिकारी लापता लोगों की सटीक संख्या का पता लगाने में जुटे हैं और प्रभावित परिवारों को आपातकालीन सहायता पहुंचाई जा रही है।

ये स्पेन नहीं, अमेरिका की जीत है... ट्रंप के बयान से मची हलचल, अगले वर्ल्ड कप पर कही ये बात

न्यू जर्सी, एजेंसी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 का रविवार को भव्य समापन हो गया। न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में खेले गए ऐतिहासिक फाइनल मुकाबले में स्पेन ने अर्जेंटीना को 1-0 से मात देकर विश्व विजेता का खिताब अपने नाम कर लिया है। इस जीत के साथ ही स्पेन ने 16 साल बाद दोबारा फुटबॉल के इस महाकुंभ पर कब्जा जमाया है। मुकाबला इतना कड़ा था कि निर्धारित समय तक दोनों टीमें एक भी गोल नहीं कर सकीं, जिसके बाद मैच एक्स्ट्रा टाइम में पहुंचा।

फेरान टोरेस का ऐतिहासिक विजयी गोल : मैच के दौरान दोनों टीमों के बीच जबरदस्त खेल देखने को मिला। खेल के 106वें मिनट में वह क्षण आया जिसका दर्शकों को बेसब्री से इंतजार था। सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी फेरान टोरेस ने निको विलियम्स के शानदार पास को गोल में बदलकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई, जो खिताबी जीत साबित हुई।

यह अमेरिका की बड़ी जीत है : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप विशेष रूप से राष्ट्रपति के हेलीकॉप्टर 'मरीन वन' से फाइनल मैच देखने पहुंचे थे। उन्होंने फीफा अध्यक्ष गियानी इन्फेंटिनो के साथ मिलकर विजेता टीम स्पेन को वर्ल्ड कप ट्रॉफी सौंपी। भले ही खिताब स्पेन के नाम रहा, लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप ने इसे अमेरिका की एक बड़ी सफलता और जीत करार दिया है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह साबित हो गया कि अमेरिका भी एक फुटबॉल प्रेमी देश है और इस सफल आयोजन ने पूरी दुनिया को एक साथ लाने का काम किया है।

राष्ट्रपति ट्रंप इस टूर्नामेंट की मेजबानी और इससे मिले अंतरराष्ट्रीय प्यार से इतने प्रभावित हैं कि उन्होंने फीफा अध्यक्ष को अगला वर्ल्ड कप भी जल्द से जल्द फिर से अमेरिका में कराने का सुझाव दे डाला है। गौरतलब है कि इस बार वर्ल्ड कप की संयुक्त मेजबानी अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको ने की थी। शुरुआत में सख्त वीजा नियमों और कुछ विशेष देशों के प्रशंसकों पर पाबंदियों के कारण अमेरिकी प्रशासन को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था, लेकिन फाइनल के सफल समापन ने ट्रंप के आत्मविश्वास को बढ़ा दिया है। टूर्नामेंट के अन्य बड़े पुरस्कारों की बात करें तो, फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे ने लगातार दूसरी बार 'गोल्डन बूट' जीतकर इतिहास रचा, जबकि स्पेन के उनाई सिमोन को 'गोल्डन ग्लव' से नवाजा गया।

यूक्रेन पर रूस का चौतरफा वार! 41 मिसाइलों और 125 ड्रोनों ने राजधानी कीव में मचाई भारी तबाही, लोगों की मौत

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध ने एक बार फिर भीषण रूप ले लिया है। रविवार तड़के रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव सहित कई प्रमुख शहरों पर बैलिस्टिक मिसाइलों, ड्रोनों और गाइडेड बमों से चौतरफा हमला बोला। इस सैन्य कार्रवाई में कम से कम 6 लोगों की मौत हो गई है और दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इस हमले ने यूक्रेन की सुरक्षा व्यवस्था, विशेष रूप से अमेरिका निर्मित पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम की सीमाओं को उजागर कर दिया है, जो रूस की बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने में संघर्ष करता नजर आया।

41 मिसाइलें और 125 ड्रोनों से हमला

यूक्रेनी वायु सेना के मुताबिक, रूस ने रविवार रात करीब 1:30 बजे अपना ऑपरेशन शुरू किया, जो कई घंटों तक चला। मॉस्को ने पूरे यूक्रेन में 41 मिसाइलें और 125 ड्रोन दागे। राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने पुष्टि की कि इनमें से अधिकांश का निशाना राजधानी कीव थी।

कई शहरों में तबाही : राजधानी के अलावा, यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खार्कीव के पास एक डाक केंद्र पर हुए हमले में तीन लोगों की मौत हो गई और 20 से अधिक लोग घायल हुए हैं। इसके अलावा, खेरसॉन और सुमी शहरों को भी रूसी गाइडेड बमों ने निशाना बनाया, जहां जनहानि की खबरें हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, अब रूसी हमले पहले के मुकाबले कहीं अधिक बार हो रहे हैं, जिससे नागरिकों में मानसिक तनाव और डर का माहौल है।

यूक्रेन ने किया पलटवार : रूस के इस हमले के जवाब में यूक्रेन ने भी रूसी ऊर्जा बुनियादी ढांचों को निशाना बनाया है। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने घोषणा की कि यूक्रेनी यूनिट्स ने स्टावरोपोल इलाके के तीन तेल डिपो और ब्लैक सी में मौजूद रूसी टैंकरों पर हमले किए हैं। दूसरी ओर, रूस के रक्षा मंत्रालय का दावा है कि उन्होंने रात भर में यूक्रेन के 140 ड्रोनों को मार गिराया है। रूस ने यह भी कहा कि उनके हमले केवल सैन्य उद्देश्यों और ड्रोन निर्माण इकाइयों तक सीमित थे।

इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कीव की सुरक्षा मजबूत करने के लिए यूक्रेन को पैट्रियट मिसाइल सिस्टम बनाने का लाइसेंस देने की बात कही है, हालांकि इसकी समयसीमा अभी स्पष्ट नहीं है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह बात साफ हो गई है कि दोनों देशों के बीच संघर्ष अब तेल उद्योग और ऊर्जा संसाधनों को नष्ट करने की ओर मुड़ गया है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)